{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 20 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 357
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,294.96
निफ्टी	-	23,346.40
सोना	-	1,63,292
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	96.00

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

ईडी ने किया सुकृति फूड्स प्रमोटर को गिरफ्तार

चितूर। प्रवर्तन निदेशालय ने तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी में कथित मिलावट के मामले में सुकृति फूड्स के प्रमोटर कैलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि असली घी के नाम पर कथित तौर पर मिलावटी घी की सप्लाई की गई थी। एजेंसी के मुताबिक, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को एगमार्क स्पेशल ग्रेड काउ घी के नाम पर रिफाइंड पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल, पामोलिन और एसीटिक एसिड एस्टर जैसे केमिकल से तैयार घी सप्लाई किया गया। ईडी ने दावा किया कि 2019 से 2024 के बीच टीटीडी को करीब 230 करोड़ का घी सप्लाई किया गया था। इसमें से करीब 96 करोड़ रूपए का मिलावटी घी मंगला ने तैयार किया था।

दिल्ली एयरपोर्ट का तीसरा रनवे आज से शुरू होगा

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट का तीसरा रनवे 11आर/29एल रविवार से ऑपरेशन में आ जाएगा। रनवे को इसी साल फरवरी में रिहैबिलिटेशन के लिए बंद किया गया था। करीब 7 महीने बाद इसे दोबारा चालू किया जा रहा है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि रनवे को चालू करने से पहले सभी जरूरी निरीक्षण, वैलिडेशन और रेगुलेटरी मंजूरियां ली गईं। नए रनवे पर रैपिड एक्जिट टैक्सीवे बनाया गया है। जिस पर लैंडिंग के बाद विमान की स्पीड कम होते ही यह मुख्य रनवे से बाहर निकल सकता है। इससे विमान जल्दी रनवे खाली करेगा। अगले विमान के लैंडिंग या टेकऑफ के लिए रनवे जल्दी उपलब्ध होगा।

केरल नौसेना अकादमी से बांग्लादेशी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल की एझिमाला नौसेना अकादमी में फर्जी कागजात से भारतीय नागरिक बनकर काम कर रहे बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 साल के बिप्लब सोरेन के रूप में हुई है। वह अकादमी के लॉन्ड्री सेक्शन में कॉन्ट्रैक्ट वर्कर था। नौसेना अधिकारियों ने शुक्रवार रात करीब 8:15 बजे उससे पूछताछ की। उसके कागजात की जांच के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहा था। दरअसल नौसेना अधिकारियों को बिप्लब के व्यवहार पर शक हुआ था। इसके बाद उस पर नजर रखी गई और अधिकारियों ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से ऐसे दस्तावेज और जानकारी मिली, जिनसे उसके बांग्लादेशी नागरिक होने का संकेत मिला।

कुछ ना कहना

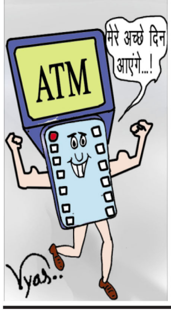

छात्रों की गूंज कार्यक्रम में 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' विषय पर स्टूडेंस से संवाद के बाद राहुल गांधी ने कहा...

छात्रों का सिस्टम से उठ गया है भरोसा

इंदौर । राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' विषय पर छात्रों से बात की। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने छात्रों से सवाल-जवाब किए। उन्होंने कहा कि छात्रों का सिस्टम से भरोसा उठ गया है, हालांकि कुछ परीक्षाओं में कैंडिडेट्स की भी गलती है। इस पर सामने बैठे छात्रों ने जवाब दिया- सर, हम सिस्टम से हार गए। राहुल गांधी ने कहा कि सिस्टम के अंदर बैठे कुछ लोग भ्रष्ट हो जाते हैं। पैसे के लालच में पेपर लीक कर देते हैं और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था का हिस्सा बने रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, तो इसका नुकसान छात्रों को उठाना पड़ेगा। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज हम छात्रों से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। छात्र असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य स्पष्ट नजर नहीं आ रहा है और वे दबाव में हैं। छात्रों के मन में सवाल है कि परीक्षाओं पर भरोसा कैसे किया जाए? कैसे भरोसा करें कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है? कैसे पता चले कि किसी परीक्षा में सही तरीके से चयन हुआ है या नहीं?

सिस्टम चलाने वालों के बच्चे विदेश में पढ़ रहे

राहुल बोले कि सिस्टम को चलाने वाले बच्चों को देखिए वे इंदौर में पढ़ रहे हें या विदेश में। ये देश के युवाओ को अंधभक्त बनाना चाहते हैं। अपने बच्चों को बाहर भेजेंगे पढने् के लिए। राहुल बोले- हमने शुरुआत में कहा कि स्टूडेंट देश को बनाता है, शिक्षा देश की नींव है, यह हर स्टूडेंट का हक है। स्कूल मिडडे मील से लेकर कॉलेज और कॉलेज से रोजगार तक पहुंचाना, ये सरकार का काम है।

सिस्टम की टॉप लेयर पर 6 लोग

राहुल ने स्क्रीन पर स्लाइड दिखाई। इसके बाद बोले- तीन फ्रेंड ने सिस्टम की बात की। सिस्टम क्या है, ये सिस्टम है देश पर सिस्टम का कब्जा। सिस्टम में कई लेयर हैं टॉप लेवल पर 6 लोग बैठे हैं। इसे मोदी चलाते हैं, धमकाने का काम, उन्हें मारने का काम, पैलेट गन मारने का काम शाह चलाते हैं। उस तरफ शायद आपको उनको पहचानों या न पहचानों अजित डोभाल कहते हैं कि देश को कंट्रोल करना है तो 500 लोगों को कंट्रोल करने की जरूरत है। ये देश के कम्यूनिकेशन पर कब्जा किए हैं। ये फोन टैपिंग कराते हैं, ये मोदी-शाह को सूचना देते हैं। आपके फोन के अंदर डोभाल बैठे हैं।बीच में भागवत जी है जो विचारधारा की बात करते हैं जिनके संगठन को हजारों करोड़ मिलते हैं। वहीं दूसरी तरफ अंबानी और अडाणी है। ये लोग फाइनेंस करते हैं। पैसा घुमाकर भाजपा को दिया जाता है। इस लेयर के नीचे हर संस्था को कैप्चार करके रखा है। इसमें मीडिया, एंटरनटेनमेंट, न्याय सभी में एक-एक आदमी बिठा रखा है।

स्टूडेंट को सिस्टम से खतरा, क्योंकि वो सवाल पूछता है

राहुल गांधी ने कहा कि अब इंटरेस्टिंग बात बताता हूं। सिस्टम को स्टूडेंट से खतरा है। क्यों खतरा है, क्योंकि स्टूडेंट सवाल पूछता है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट सवाल करता है कि अमित शाह जी के बेटे क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन कैसे बन गए? स्टूडेंट पूछता है कि हिंदुस्तान के पूरे बिजनेस को दो लोगों ने कैसे कैप्चर कर लिया? स्टूडेंट यह भी पूछता है कि ज्युडिशियरी और बाकी संस्थाएं अपना काम क्यों नहीं करतीं और इलेक्शन कमीशन अपना काम क्यों नहीं करता? इसीलिए सिस्टम स्टूडेंट नहीं चाहता, सिस्टम अंधभक्त चाहता है। उन्होंने कहा कि अंधभक्त कौन है? अंधभक्त एंटी-स्टूडेंट है। जहां स्टूडेंट सवाल पूछता है, जहां स्टूडेंट क्यूरियस है, वहां अंधभक्त डेलूजनल है, अपनी दुनिया में रहता है। राहुल ने कहा कि जहां स्टूडेंट मोहब्बत की बात करता है और प्यार व सम्मान से बात करता है, वहां अंधभक्त नफरत फैलाता है। जहां स्टूडेंट हम्बल होता है, दूसरों की बात सुनता है, वहां अंधभक्त अहंकार से भरा और एरोगेंट होता है।

यश डबास बने डीयू छात्रसंघ के अध्यक्ष

एबीवीपी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के 4 में से 3 पदों पर जीत हासिल की, निर्दलीय उम्मीदवार ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव 18 सितंबर को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए थे। इसके बाद शनिवार को वोटों की गिनती के दौरान दिनभर उतार-चढ़ाव देखने को मिला और अंततः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने फिर अपना झंडा गाड़ दिया। एबीवीपी ने चार में से तीन केंद्रीय पदों अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पर परचम लहराया। एबीवीपी के यश डबास डीयू छात्रसंघ के अध्यक्ष बने हैं। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय दीपांशु शौकीन ने जीत दर्ज की है। मालूम हो कि शुक्रवार को छात्रसंघ चुनाव में 40.46 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव में एबीवीपी और एनएसयूआई के बीच मुख्य मुकाबला था। शनिवार सुबह डीयू के खेल स्टेडियम के मल्टीपर्पज हॉल में मतगणना की शुरुआत तय समय से करीब 90 मिनट की देरी से हुई। अधिकारियों की मौजूदगी और वीडियोग्राफी के बीच वोटों की गिनती का दौर शुरू होते ही परिसर में गहमागहमी बढ़ गई। दिनभर चली करीब 22 राउंड की मतगणना के दौरान उम्मीदवारों के बीच का अंतर बेहद कम रहा और कांटे की टक्कर देखने को मिली। शुरुआती राउंड्स (10वें से 13वें राउंड) में एनएसयूआई के विजय शंकर मीणा लगातार बढ़त बनाए हुए थे। हालांकि, 15वें और 16वें राउंड में एबीवीपी के यश डबास ने वापसी करते हुए मामूली बढ़त हासिल की और अंत तक पकड़ मजबूत रखते हुए जीत दर्ज की।

संयुक्त सचिव पद पर भी रोमांच चरम पर रहा। कभी एनएसयूआई के गोपाल चौधरी तो कभी एससीएस के विशेष यादव आगे निकले लेकिन अंतिम राउंड्स में एबीवीपी के लक्ष्य राज सिंह ने बढ़त बनाकर बाजी मार ली। सचिव पद पर एबीवीपी की रिया छाबड़ी ने शुरुआती चरणों से ही बढ़त बनाए रखी और एनएसयूआई की नम्रता चौधरी को पछाड़र जीत हासिल करने में कामयाब रहीं।

उपाध्यक्ष पद का परिणाम सभी को चौंकाने वाला रहा, जहां एनएसयूआई के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन पहले राउंड से ही एकतरफा बढ़त बनाए रहे और शानदार जीत दर्ज की।

तमिलनाडु उपचुनावः विजय और पलानीस्वामी आमने-सामने, दल-बदल बना मुख्य मुद्दा

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों में 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों के लिए प्रचार तेज हुआ है। मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय और अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के.पलानीस्वामी इन एससी-आरक्षित सीटों पर अपनी पार्टियों के उम्मीदवारों के लिए अभियान चलाएंगे। ये उपचुनाव पूर्व विधायकों के दल-बदल के कारण अनिवार्य हुए हैं, जिन्होंने 2026 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक के टिकट पर जीत हासिल की थी, लेकिन बाद में सत्ताधारी 'तमिलगा वेत्री कझगम' (टीवीके) का दामन थाम लिया। अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक मरगथम कुमारवेल (मदुरंतकम) और पी. सत्यभामा (धारापुरम) के इस्तीफे के बाद ये सीटें खाली हुई थीं। इन दोनों ने 2026 में दो पत्ती चुनाव चिह्न पर जीत हासिल की थी, लेकिन जीत के एक महीने से भी कम समय में टीवीके में शामिल होने के लिए इस्तीफा दे दिया। अब, टीवीके ने इन दोनों को ही अपने 'सीटी' चुनाव चिह्न पर मैदान में उतारने का फैसला किया है, जिससे दल-बदल उपचुनाव प्रचार में एक अहम मुद्दा बन गया है। पलानीस्वामी अपनी पार्टी की उम्मीदवार एस. कनिथा संपत (मदुरंतकम) और के. भानुमति (धारापुरम) के लिए समर्थन जुटाएंगे, जिसका अभियान मुख्य रूप से पाला बदलकर जनता के जनादेश के साथ धोखा करने वाले उम्मीदवारों पर केंद्रित रहेगा। दूसरी ओर, सीएम विजय भी जल्द ही टीवीके उम्मीदवारों (मरगथम कुमारवेल और पी. सत्यभामा) के लिए प्रचार करने की योजना बना रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस-सीएम सोरेन पीएमएलए कोर्ट में नहीं हुए पेश

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची की विशेष पीएमएलए अदालत में बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। उनके अधिवक्ता ने अदालत में को बताया कि मुख्यमंत्री पूर्वनिर्धारित संवैधानिक दायित्वों में व्यस्त हैं। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख तय कर उन्हें शाम चार बजे व्यक्तिगत या वर्चुअल माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम झारखंड हाईकोर्ट द्वारा उनकी डिस्चार्ज याचिका खारिज होने के बाद सामने आया। हाईकोर्ट ने रांची की विशेष पीएमएलए अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सोरेन की डिस्चार्ज याचिका को अस्वीकार किया गया था, जिससे निचली अदालत में आगे की कार्यवाही का रास्ता साफ हुआ था। मामला रांची के बड़गाईं अंचल की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कथित अवैध तरीके से जमीन हासिल करने और उससे जुड़े लेनदेन की जांच कर रहा है। ईडी का आरोप है कि जमीन संबंधी दस्तावेजों और प्रक्रियाओं में फर्जीवाड़ा किया गया। सीएम सोरेन की ओर से आरोपों को खारिज कर कहा गया है कि उनके खिलाफ पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं हैं। वहीं, ईडी का कहना है कि जांच के दौरान सामने आए दस्तावेज, गवाहों के बयान और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्य प्रथम दृष्टया मामले को स्थापित करते हैं। विशेष पीएमएलए अदालत ने 8 जून को सोरेन की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर कहा था कि उपलब्ध सामग्री प्रथम दृष्टया आरोपों पर आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त है।

सीएम भगवंत मान ने जारी किया चुनावी पैम्फलेट, अब घर-घर पहुंचेगा संगठन

पंजाब में आप ने फूंका 2027 का बिगुल

लुधियाना। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लुधियाना में पक्खोवाल रोड स्थित इनडोर स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आम आदमी पार्टी का चुनावी पैम्फलेट जारी किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी सरकार के कामकाज और चुनावी गारंटियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने जनता से किए गए वादों से भी ज्यादा काम करके दिखाया है।

चुनावी पैम्फलेट जारी होने के बाद अब पंजाब में आप का घर-घर जाकर प्रचार करने का अभियान रविवार से शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि वे लोगों को यह नहीं बताएंगे कि वे क्या करना चाहते हैं, बल्कि यह बताएंगे कि उन्होंने क्या-क्या विकास किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने साढ़े चार साल के अंदर ही अपनी सभी गारंटियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि पहले, सड? हादसों में होने वाली मौतों के मामले में पंजाब पहले नंबर पर था, लेकिन, पद संभालते ही उन्होंने 'रोड सेफ्टी फोर्स' बनाई। आज, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी पंजाब की एसएसएफ की तारीफ करते हैं। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनावों के लिए अपने 'मिशन 2027' के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों से जुडने् का अभियान शुरू किया है, जिसका मकसद भगवंत मान को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।

आम आदमी पार्टी के मुताबिक, यह अभियान तीन मुख्य कामों पर केंद्रित होगा। जिसमें सरकार की उपलब्धियां बताना, विपक्ष के खिलाफ आरोप-पत्र पेश करना और सदस्यता अभियान चलाना। विंग और बूथ कमेटियों के 2.68 लाख लोगों का नेटवर्क गांवों में यह अभियान चलाएगा। ब्लॉक और जिला इंचार्ज, सभी विधायक और मंत्री, और खुद मुख्यमंत्री भी घर-घर जाकर प्रचार अभियान में हिस्सा लेंगे।

चार हाईकोर्ट में 14 जजों की नियुक्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने 14 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की है। इन्हें चार हाईकोर्ट में जज और अतिरिक्त जज बनाया गया है। इनमें दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट शामिल हैं। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान से मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। यह फैसला भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) से सलाह के बाद लिया गया है। इसके बाद संबंधित हाईकोर्ट में इन न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन नियुक्तियों में निवेदिता अनिल शर्मा और निशा सहाय सक्सेना को दिल्ली हाईकोर्ट का जज बनाया गया है। वहीं, संजय शर्मा, भारत पराशर, डॉ. अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को दिल्ली हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया है। यश पाल बोर्नी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। झारखंड हाईकोर्ट में मनोज प्रसाद, अखिल कुमार और राम शर्मा को जज नियुक्त किया गया है। वहीं, उषा रानी, केएस भरत कुमार और नेराले वी भवानी को कर्नाटक हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया है।

नंदीग्राम उपचुनाव-कांग्रेस प्रत्याशी को 3 अक्टूबर तक जेल

हल्दिया। हल्दिया सब-डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से पहले गिरफ्तार किए गए कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को 14 दिन की जेल कस्टडी का आदेश दिया है। शुक्रवार को पुलिस ने मिलन प्रधान को हत्या और हत्या की कोशिश समेत चार पुराने मामलों में गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद बंगाल की सियासत गरमा गयी थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि ममता बनर्जी द्वारा समर्थन देने के बाद यह गिरफ्तारी हुई है और यह पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है।

शनिवार को कोर्ट में पेश किए जाने के दौरान गिरफ्तार कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने दावा किया कि टीएमसी डरी हुई है। पार्टी उम्मीदवार की गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को हल्दिया सब-डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी प्रदर्शन किया।

अब यह सवाल है कि कांग्रेस उम्मीदवार को जमानत नहीं मिली है तो क्या उन्हें चुनाव लडने् में दिक्कत होगी? नियमों के मुताबिक, अगर उन्हें दो साल से कम की सजा होती है, तो इलेक्शन कमीशन को इस मामले में कोई रुकावट नहीं होगी। इस गिरफ्तारी से स्क्रूटनी में कोई रुकावट नहीं आएगी। अगर वह जेल में भी हैं, तो कांग्रेस के दूसरे नेता जेल के बाहर कांग्रेस उम्मीदवार के लिए प्रचार कर सकेंगे।चुनाव प्रचार के लिए, उम्मीदवार का जेल के अंदर से रिकॉर्ड किया गया भाषण भी जनसभा में माइक्रोफोन पर प्रसारित किया जा सकेगा। इससे पहले भी कई नेता जेल से चुनाव लड़ चुके हैं। इनमें अधीर रंजन चौधरी से लेकर मदन मित्रा जैसे नेताओं का नाम शामिल है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने आरोप लगाया कि एक उपचुनाव में राज्य में सत्ता नहीं बदलेगी। इतने बड़े जनसमर्थन के साथ सत्ता में आने के बाद भी ये सब करने की कोई ज़रूरत नहीं थी।

भारत को असली खतरा हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता से-हामिद अंसारी

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का एक महत्वपूर्ण बयान दोहराकर कहा कि भारत को असली खतरा कम्युनिज्म से नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता से था। पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी ने यह बात नई दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित तीसरे ए.जी. नूरानी मेमोरियल लेक्चर में कही। इस मौके पर, अंसारी ने ए.जी. नूरानी की 2019 में प्रकाशित किताब द आरएसएसः अ मेनेस टू इंडिया का भी जिक्र किया। उन्होंने किताब को आकार और कंटेंट, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण बताया, जिसमें नूरानी ने अपने वैचारिक उद्देश्य को स्पष्ट रूप से सामने रखा था। अंसारी ने नागरिक राष्ट्रवाद से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर बढ़ते रुझानों पर गहरी चिंता जाहिर की गई। उनके अनुसार, यह नई और काल्पनिक व्यवस्था आस्था के आधार पर नागरिकों में भेद करना चाहती है, जिससे असहिष्णुता को बढ़ावा मिलता है, दूसरों को अलग-थलग किया जाता है और समाज में बेचैनी व असुरक्षा पैदा होती है। नेहरू के बयान का हवाला देकर अंसारी ने बताया कि यह पूर्व विदेश सचिव जगत सिंह गुंडेविया के दस्तावेज में दर्ज है, जो विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक से जुड़ा था। अंसारी ने आगाह किया कि पिछले कुछ सालों में उभरे इसतरह के रुझान और तौर-तरीके, जो स्थापित नागरिक राष्ट्रवाद के सिद्धांत को चुनौती देते हैं, डराने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ये भारत के कानून के शासन के तहत चलने के दावे पर भी सवाल खड़े करते हैं, जिसका जवाब देना आवश्यक है।

दिल्ली की मतदाता सूची पर संकट-सुप्रीम कोर्ट में 21 सितंबर को अहम सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनाव आयोग की विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर उठ रहे गंभीर सवालों के बीच सुप्रीम कोर्ट 21 सितंबर को महत्वपूर्ण याचिका पर सुनवाई करेगा। इस प्रक्रिया के तहत दिल्ली की मतदाता सूची से करीब 47 लाख नाम हटाए गए हैं, जबकि 33 लाख अन्य मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, जिससे कुल 75 लाख से अधिक लोगों के मताधिकार पर संकट मंडरा रहा है। अंजलि और अमृता जहरी द्वारा दायर नई याचिका में चुनाव आयोग पर नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि 33 लाख लोगों को जारी किए गए नोटिस वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं किए और न ही उन्हें नाम हटाने या नोटिस जारी करने का कोई स्पष्ट कारण बताया गया है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष मुद्दे की गंभीरता को उजागर कर बताया कि आयोग ने उन लोगों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जिनके नामों पर सवाल उठाए गए, न ही यह स्पष्ट किया कि तार्किक विसंगतियां या अनमैप्ड श्रेणियों का क्या आधार था। 31 अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची के अनुसार, पिछली बार के 1 करोड़ 45 लाख मतदाताओं की तुलना में इस बार केवल 97,53,577 मतदाता शामिल हैं, जिसका अर्थ है कि लगभग 47,56,722 नाम सूची से बाहर कर दिए गए हैं। इनमें से 13,79,785 मतदाताओं को नो मैपिंग और 19,33,134 को लॉजिकल डिस्क्रेपेंसीज के आधार पर नोटिस भेजे गए हैं।

एसआईआर प्रक्रिया की विसंगतियों का उदाहरण लाल गुम्बद के कुन्ने लाल (60) का मामला है, जिन्हें जीवित होते हुए भी मृत घोषित किया गया। उनके परिवार का कहना है कि जब एन्यूमरेशन फॉर्म भरे जा रहे थे, तब वह गांव में थे और बाद में कोई फॉर्म भरवाने नहीं आया। इन गंभीर आरोपों के बीच, चुनाव आयोग ने बेघर, ट्रांसजेंडर और सेक्स वर्कर्स को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए 23 और 24 सितंबर को विशेष शिविर लगाने की घोषणा की है। ये कैंप दिल्ली के 13 जिलों में शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। हालांकि, ड्राफ्ट सूची से हटाए गए लाखों नामों की तुलना में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। 31 अगस्त से 16 सितंबर तक 16 दिनों में केवल 68,043 लोगों ने फॉर्म-6 के जरिए आवेदन किया है, जबकि दावा और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है।

एसआईआर में केजरीवाल समेत परिवार के चार अन्य सदस्यों को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल तथा उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में उन्हें 'अनमेप्ड विथ लास्ट एसआईआर' यानी पिछली एसआईआर की मतदाता सूची से मैप नहीं होने वाली श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली में इस समय एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है और करीब 33.1 लाख मतदाताओं को अलग-अलग कारणों से नोटिस जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, केजरीवाल के अलावा उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पिता गोविंद राम केजरीवाल, मां गीता देवी और 25 वर्षीय बेटे पुलकित केजरीवाल को भी नोटिस मिला है। ये सभी नोटिस

विधानसभा क्षेत्र संख्या 40 यानी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के संबंधित पार्ट से जुड़े बताए गए हैं। बताया गया है कि इस पार्ट में कुल 110 मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है। इनमें केजरीवाल परिवार के पांच सदस्य शामिल हैं।

नोटिस का आधार पिछली एसआईआर की मतदाता सूची से मौजूदा रिकॉर्ड का मैप नहीं होना बताया गया है। वैसे इस श्रेणी में नोटिस मिलना अपने आप में मतदाता की अंतिम अपात्रता का निर्धारण नहीं करता। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भी स्पष्ट किया है कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम का न होना अपने आप में अंतिम रूप से अपात्रता नहीं है और प्रत्येक मामले की निर्धारित प्रक्रिया, दस्तावेजों तथा सत्यापन के आधार पर जांच की जानी है।

भरवेली पंचायत में तख्ता पलट के बाद अब बजा चुनाव का बिगुल

सरपंच पद के लिए पूर्व सरपंच सहित 5 प्रत्याशी मैदान में, अविश्वास प्रस्ताव से गीता बिसेन को हटाए जाने के बाद हो रहा उपचुनाव

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। बालाघाट जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले चार ग्राम पंचायतों में होने वाले उपचुनाव की तस्वीर नाम वापसी की अंतिम तिथि के बाद साफ हो गई। जहां तीन पंचायतों में पंच पद के लिए निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया है, जबकि भरवेली पंचायत में सरपंच पद के लिए 5 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्हों का आवंटन कर दिया गया है। इसके साथ ही भरवेली में सरपंच पद के चुनाव का प्रचार भी तेज हो चुका है। इन चारों पंचायत में होने वाले उपचुनाव में अब सब की निगाहें हमेशा से सुर्खियों में बनी रही ग्राम पंचायत भरवेली के उपचुनाव पर टिकी हुई है।

तीन पंचायतों में पंच निर्विरोध

बालाघाट जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मानेगांव, गढ़दा और पाथरवाड़ा में पंच पद के लिए एक-एक प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया था। नाम वापसी की अंतिम तिथि तक किसी अन्य प्रत्याशी के मैदान में नहीं आने के कारण तीनों पंचायतों में पंच पद का निर्वाचन निर्विरोध होना तय हो गया है।

भरवेली में 29 सितंबर को मतदान, 3 अक्टूबर को मतगणना

भरवेली पंचायत में सरपंच पद के लिए चुनाव प्रचार 27 सितंबर की शाम समाप्त हो जाएगा। इसके बाद 29 सितंबर को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक ईवीएम के माध्यम से मतदान कराया जाएगा। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद 3 अक्टूबर को जनपद पंचायत के सभागार में मतगणना होगी।

4 जून को अविश्वास प्रस्ताव के बाद हटाई गई थी सरपंच

ज्ञात हो कि भरवेली पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव 4 जून को हुए अविश्वास प्रस्ताव के बाद बनी।जहाँ तत्कालीन सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया गया था।बहुमत से प्रस्ताव पारित होने के बाद उन्हें सरपंच पद से हटना पड़ा था। इसके पश्चात नियमानुसार स्थानापन्न सरपंच का चुनाव कराया गया।निर्धारित प्रक्रिया और समयावधि के अनुसार अब भरवेली पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव कराया जा रहा है।

भरवेली में 5 प्रत्याशी मैदान- श्रीवात्री

सहायक निर्वाचन अधिकारी सुरेश श्रीवात्री ने बताया की भरवेली पंचायत में सरपंच पद के लिए पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें गीता अनिल बिसेन, उर्मिला लालचंद मालेश, सविताबाई भीमराव

एक नजर में

कुल पंचायतें-4
भरवेली में सरपंच पद के लिए होंगा चुनाव
सरपंच पद के लिए 5 प्रत्याशी मैदान में
मानेगांव, गढ़दा और पाथरवाड़ा में पंच पद के निर्विरोध निर्वाचन
27 सितंबर, शाम को समाप्त हो जाएगा प्रचार
29 सितंबर को, सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक होंगा
मतगणना-
3 अक्टूबर को मतगणना
भरवेली में अविश्वास प्रस्ताव के बाद रिक्त हुआ था सरपंच पद

हट्टा पुलिस ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

नशे से दूर रहने का दिया संदेश, साइबर ठगी से बचने के बताए उपाय

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बीच बूढ़ी एवं मराठा बूढ़ी में नशामुक्ति अभियान के तहत हट्टा पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस ने गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की समझाइश दी। साथ ही बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए ग्रामीणों को

साइबर ठगी से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया।पुलिस द्वारा आयोजित चौपाल में ग्रामीणों को बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि इससे परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पुलिस ने ग्रामीणों से नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।इसी दौरान पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराधों के संबंध में भी ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। लोगों को अनजान फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी संदेश और ऑनलाइन ठगी के मामलों में सतर्क रहने की समझाइश दी गई। पुलिस ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, एटीएम अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें और संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।नशामुक्ति अभियान के तहत दोनों ग्रामों में विशाल जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।जागरूकता रैली और चौपाल के दौरान हट्टा पुलिस की टीम मौके पर मौजूद रही। पुलिस की इस पहल से ग्रामीणों में नशे के दुष्परिणामों और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

भक्ति और श्रद्धा के साथ मनाई गई राधा अष्टमी

चरेगांव में मंदिरों में गूंजे राधा कृष्ण के जयकारे

पद्मेश न्यूज। चरेगांव। राधा अष्टमी का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा भक्ति और उत्सव के साथ मनाया गया इस अवसर पर विभिन्न गांवों एवं आसपास के क्षेत्र में स्थित राधा कृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना भजन कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाज

आई शुरू हो गई महिलाओं बच्चों एवं बुजुर्गों ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्री कृष्णा एवं राधा रानी के दर्शन किए और विधि विधान से पूजा अर्चना कर परिवार की सुख शांति की कामना की।

विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

राधा अष्टमी के अवसर पर मंदिर को आकर्षित रूप से सजाया गया। भगवान राधा कृष्ण की प्रतिमाओं का विशेष श्रंगार कर उन्हें नए वस्त्र एवं आभूषण धारण कराए गए पूजा अर्चना के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और राधा कृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्ति में बना रहा। श्रद्धालुओं ने राधा रानी को पुष्प अर्पित कर, प्रसाद चढ़ाया एवं सामूहिक रूप से भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया।

प्रकट दिवस के रूप में मनाई गई राधा अष्टमी

धार्मिक मान्यता के अनुसार राधा अष्टमी भगवान श्री कृष्ण की परम भक्त एवं प्रेम स्वरूप राधा रानी के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाई जाती है इस दिन श्रद्धालु राधा रानी की पूजा अर्चना कर भगवान श्री कृष्ण की भक्ति और प्रेम का स्मरण करते हैं चरेगांव राधा कृष्ण मंदिर में विशेष उत्साह देखने को मिला। घरों में महिलाओं ने पूजा की तैयारी की वही भगवान राधा कृष्ण की आराधना कर परिवार के लिए मंगल कामना की कार्यक्रम के दौरान बच्चों और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।मंदिरों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया देर तक मंदिर परिसर में भजन कीर्तन एवं धार्मिक वातावरण बना रहा।

श्री राधे कृष्ण के जयकारों से गूंजा शमा

राधा अष्टमी के अवसर पर पूरा गांव राधे-राधे और जय श्री राधे कृष्ण के जयकारों से गूंजता रहा धार्मिक आयोजन के कारण गांव में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव के साथ राधा रानी की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस प्रकार राधा अष्टमी का पावन पर्व क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था उमंग और भक्ति के वातावरण के बीच हमारे उल्लास पूर्वक संपन्न हुआ।श्रद्धालुओं का कहना है कि राधा अष्टमी का पर्व हमें प्रेम भक्ति समर्पण और सद्भावना का संदेश देता है राधा रानी की भक्ति के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण के प्रति श्रद्धा और प्रेम को मजबूत करने की प्रेरणा मिलती है पर्व के अवसर आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता के साथ धार्मिक आयोजन में सहभागिता की।

मर्री टोल को लेकर आज होगी अहम बैठक

बालाघाट के ट्रांसपोर्टर और बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के स्तर से बुलावा

टोल हटाने और बालाघाट के वाहनों को टोल मुक्त करने की मांग पर होगी चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट से रजेगांव के बीच एनएचआई मार्ग पर मर्री में बनाए गए टोल प्लाजा को लेकर लंबे समय से चल रहे विरोध के बीच अब एक सकारात्मक पहल सामने आई है। टोल प्लाजा के स्थान को लेकर बालाघाटवासियों, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, बस एसोसिएशन और विभिन्न संगठनों द्वारा लगातार विरोध जताए जाने के बाद मामला अब मंत्रालय स्तर तक पहुंच गया है। इसी क्रम में 20 सितंबर को नागपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने जा रही है, जिसमें बालाघाट के ट्रांसपोर्ट और बस एसोसिएशन के चुनिंदा पदाधिकारियों को शामिल होने के लिए बुलाया गया है। दरअसल, मर्री में बनाए गए टोल प्लाजा को लेकर शुरुआत से ही बालाघाट के स्थानीय वाहन चालकों और परिवहन संगठनों में नाराजगी रही है। संगठनों का कहना है कि टोल प्लाजा का स्थान निर्धारित दूरी और नियमों के अनुरूप नहीं है। इसी मांग को लेकर पूर्व में ट्रांसपोर्टरों और अन्य संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया था तथा चक्काजाम तक किया गया था। इसके बाद मामला लगातार आगे बढ़ता गया और 16 सितंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में प्रशासन, संबंधित विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और अन्य संगठनों की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में एनएचआई के अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि टोल प्लाजा को हटाने और उसका स्थान परिवर्तित करने का अंतिम अधिकार स्थानीय अधिकारियों के पास नहीं है। यह निर्णय उच्च स्तर पर लिया जाना है। अधिकारियों ने बैठक में हुई चर्चा की प्रोसेडिंग तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रालय तक भेजने की बात कही थी। इसके बाद अब इस मामले में नागपुर में होने वाली बैठक को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से जुड़े अविनाश ठाकुर ने अविनाश ठाकुर ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि बैठक में उनकी दोनों प्रमुख मांगों में से किसी पर भी सहमति नहीं बनती है तो आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। परिवहन संगठनों का कहना

दूरभाष पर पद्मेश मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के स्तर से फोन प्राप्त हुआ है। उन्हें बताया गया कि 20 सितंबर को नागपुर में मर्री टोल प्लाजा को लेकर एक आवश्यक बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में बालाघाट से बस एसोसिएशन और ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के करीब चार से पांच पदाधिकारियों को शामिल होने के लिए कहा गया है। बताया गया कि 20 सितंबर को सुबह करीब 10 बजे होने वाली इस बैठक में बालाघाट-सिवनी क्षेत्र की सांसद भारती पारधी की भी मौजूदगी रहेगी। फिलहाल बैठक से पहले किसी निर्णय की पुष्टि नहीं हुई है।

है कि वे अपनी मांगों को लेकर आगे भी संघर्ष जारी रखेंगे। यानी 20 सितंबर की बैठक अब मर्री टोल विवाद में अगला बड़ा पड़ाव बन गई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले तक मर्री टोल प्लाजा को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध, प्रदर्शन और प्रशासनिक बैठकों का दौर चल रहा था। अब केंद्रीय स्तर से बैठक के लिए बुलावा आने के बाद इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। हालांकि अंतिम निर्णय बैठक और उसके बाद संबंधित सक्षम स्तर से जारी आदेश पर ही निर्भर करेगा। फिलहाल बालाघाट के ट्रांसपोर्टर और बस एसोसिएशन के पदाधिकारी 20 सितंबर की बैठक में अपनी दोनों मांगों को मजबूती से रखने की तैयारी में हैं।

पंवार समाज करेगा शरद पूर्णिमा महोत्सव और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन पंवार समाज बालाघाट द्वारा आगामी 24 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर 19 सितंबर को स्थानीय निजी प्रतिष्ठान में समाज के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने की। इसमें जिला प्रबंध कार्यकारिणी, महिला पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कार्यक्रम को पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने को लेकर तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज की बैठक में तय किया गया कि 24 अक्टूबर को होने वाले आयोजन की शुरुआत सुबह 11 बजे कुलदेवी मां गढ़कालिका की महाआरती से होगी। इसके बाद सुबह से शाम 6 बजे तक प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समाज की ओर से यह सम्मान समारोह पंवार समाज के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय मदनलाल चौधरी की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में समाज के उन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। पंवार समाज द्वारा प्रतिभाओं को सम्मानित करने की यह पहल पिछले वर्ष से विशेष रूप से चर्चा में रही है। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के नेतृत्व में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले और अपनी अलग पहचान बनाने वाले समाज के प्रतिभावान लोगों को भी प्रोत्साहित करने की परंपरा शुरू की गई है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी प्रतिभाओं के सम्मान का निर्णय लिया गया है। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बैठक में पदाधिकारियों से आयोजन की तैयारियों को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि शरद पूर्णिमा महोत्सव केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, प्रतिभाओं के सम्मान और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक के साथ ही 24 अक्टूबर के आयोजन की तैयारियों का औपचारिक रूप से आगाज हो गया है। अब समाज के पदाधिकारी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटेंगे, ताकि सुबह होने वाली महाआरती से लेकर प्रतिभा सम्मान समारोह और शाम के सांस्कृतिक आयोजन तक पूरा कार्यक्रम व्यवस्थित और भव्य रूप से संपन्न कराया जा सके।

बैगा बच्चों की मौत पर बसपा ने जताई चिंता

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। बहुजन समाज पार्टी द्वारा शनिवार 19 सितंबर को स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल में जिला स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा

बैठक एवं शहीद राजा शंकरशाह और कुंवर रघुनाथशाह के 196वें बलिदान दिवस पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैहर-बिरसा क्षेत्र में बैगा आदिवासी बच्चों की मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही राजा शंकरशाह और कुंवर रघुनाथशाह के बलिदान को याद किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंजी. रामजी गौतम, राज्यसभा सांसद एवं केंद्रीय को-आर्डिनेटर तथा प्रदेश प्रभारी बसपा, विशेष अतिथि बसपा प्रदेश अध्यक्ष जियालाल अहिरवार, मुख्य जोन प्रभारी कमलेश कुमार, पूर्णेन्द्र अहिरवार, जोन प्रभारी भोपाल उमाकांत बंदेवार, जोन प्रभारी ज्ञानेश्वर गजभिए, सचिन बौद्ध, लोकसभा प्रभारी अजाबलाल शास्त्री, पूर्व जिला पंचायत सदस्य दुर्गेश बिसेन तथा कार्यक्रम अध्यक्ष बसपा जिलाध्यक्ष इंजी. महेंद्र सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

JOB VACANCY
WE ARE HIRING
- RECEPTION › SALARY 5000+
- SURVEYOR › SALARY 15000+
- AREA MANEGER › SALARY 20000+
- ELECTRONIC TECHNICIAN › SALARY 10000+

› CONTACT ›
9826181028, 9232652868

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार म.प्र.ग्रामीण बैंक शाखा बुढ़ी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से ऋणी श्रीमती रीनू बसेने पति श्री विजेन्द्र बसेने निवासी वार्ड नं. ४ बालाघाट तह: व जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के द्वारा ऋण में भूमि को बंधक कर संपत्ति विरूद्ध ऋण राशि १४९०००० चौदह लाख नब्बे हजार रूपये का ऋण प्राप्त किया जा रहा है, और लिये जा रहे ऋ ण में श्री मारोती पिता श्री गुव्हा बसेने के एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम बालाघाट, प.ह.नं. १३/२ रा.नि.मं.व तह: बालाघाट जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं. १६५/२ ग/2 रकबा ०.००८ हे.परिवर्तित भूमि एवं इस पर स्थित मकान जिसकी चतुर्सीमा के पूर्व में देवलाल बसेने का मकान, पश्चिम में रावन बसेने का मकान, उत्तर में रोड व दक्षिण में परसराम छाबड़ा की भूमि स्थित है को मेरी पक्षकार बैंक में साधारण बंधक द्वारा बंधक किया जा रहा है। अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था या कार्यालय को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिनो के अंदर प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है
वारासिवनी-दिनांक.१९/९/२०२६

प्रेषक-मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता वारासिवनी

आवश्यकता है
लड़कों की
आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास
भिलाई रोड गायत्री
मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

सर्व गुजराती समाज के अध्यक्ष चुने गए वैभव कश्यप

नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, महामंत्री, सहमंत्री, कोषाध्यक्ष सहित सदस्यों का भी हुआ चयन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। सर्व गुजराती समाज की बैठक गुजराती समाजवाड़ी में आयोजित की गई। बैठक में समाज के वर्ष 2026-27 से 2028-29 तक के कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का गठन

किया गया। बैठक में समाज के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सभी की सहमति से वैभव रतनलाल कश्यप को सर्व गुजराती समाज का अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुने जाने पर समाज के सदस्यों ने वैभव कश्यप को बधाई दी। सदस्यों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में समाज को आगे बढ़ाने और समाज से जुड़े कार्यों को बेहतर तरीके से करने में मदद मिलेगी। उधर अध्यक्ष वैभव कश्यप ने भी सभी सदस्यों का आभार जताते हुए समाज के सभी लोगों के सहयोग से काम करने की बात कही।

नई कार्यकारिणी में इनका समावेश

नई कार्यकारिणी में चुन्नीलाल देवराम भाई पटेल और श्रीमती मीना शिशिर भाई चावड़ा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रकाश ईश्वर भाई पटेल को महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। वहीं दर्शन योगेश भाई राठोर और दिसेश रमेश भाई राठोर को सहमंत्री चुना गया। जितेंद्र रणजीत भाई परमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।वही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में धर्मेश रमेश भाई राठोर, गौरव मुकेश भाई परमार, निलेश घनश्याम भाई पटेल, विकास डायाभाई पटेल, देवाशिष दिलीप भाई टांक और लक्की चंदुभाई वाघेला को शामिल किया गया है।

सामाजिक सहयोग की कही गई बात

बैठक में समाज को एकजुट रखने और समाज के कामों को आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने कहा कि समाज के सभी लोगों के सहयोग से सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा। समाज के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे सभी सदस्यों के सहयोग से पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक के अंत में समाज के सदस्यों ने अध्यक्ष वैभव कश्यप सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मांगों का निराकरण नहीं तो कोई कार्य नहीं

सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने किया ऐलान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी शुरू होने से पहले ही सहकारी समितियों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने दो टूक ऐलान किया है कि जब तक उनकी 10 सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक समितियों के कर्मचारी किसानों का पंजीयन और धान उपार्जन कार्य नहीं करेंगे।उधर, कर्मचारियों की मांगों को लेकर शनिवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में अधिकारियों के साथ हुई बैठक भी बेनतीजा रही। बैठक में संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारियों की गैरमौजूदगी को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी दिखाई दी।

15 सितंबर से शुरू होना था पंजीयन का कार्य

दरअसल, शासन के निर्देशानुसार आगामी धान उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 15 सितंबर से शुरू किया जाना था। ऐसे में समितियों के कर्मचारियों के असहयोग के ऐलान ने उपार्जन व्यवस्था के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। महासंघ का कहना है कि हर वर्ष उपार्जन शुरू होने से पहले समितियों की समस्याओं और मांगों को उठाया जाता है,लेकिन लंबे समय से कई समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

अधिकारियों के प्रतिनिधि पहुंचे, नहीं बनी बात

शनिवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ की मांगों को लेकर बैठक आयोजित की गई थी। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी, नागरिक आपूर्ति अधिकारी और विपणन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे और मांगों पर सीधे चर्चा होगी।हालांकि, इन अधिकारियों की जगह उनके प्रतिनिधि बैठक में पहुंचे। महासंघ का कहना है कि जिन अधिकारियों के सामने लंबे समय से लंबित समस्याएं रखी जानी थीं, उनके ही मौजूद नहीं रहने से चर्चा किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी।बैठक समाप्त होने के बाद महासंघ ने स्पष्ट कर दिया कि मांगों का निराकरण होने तक पंजीयन और उपार्जन का कार्य नहीं किया जाएगा।

पहले परिवहन की व्यवस्था, फिर खरीदी

महासंघ की मांग है कि धान उपार्जन शुरू होने से पहले ही परिवहन का टेंडर पूरा कर लिया जाए, ताकि खरीदी के साथ ही धान का समय पर परिवहन हो सके।कर्मचारियों का कहना है कि खरीदी केंद्रों पर धान का भंडारण बढ़ने के बाद परिवहन में देरी होने से समितियों पर अनावश्यक दबाव और आर्थिक जोखिम बढ़ता है।

सर्वेयर और गोदाम प्रभारियों पर गंभीर आरोप

महासंघ ने उपार्जन प्रक्रिया के दौरान सर्वेयरों पर राशि मांगने के आरोप भी लगाए हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में क्षेत्रीय नेताओं के दबाव में नॉन-एफएक्यू धान को पास कराने का दबाव बनाया जाता है।वहीं गोदाम खरीदी के दौरान भी गोदाम प्रभारी और सर्वेयर द्वारा राशि की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया है। महासंघ ने ऐसी कथित वसूली पर रोक लगाने और पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग की है।

उपायुक्त सहकारिता ने साधी चुप्पी

समिति कर्मचारियों के साथ हुई बैठक में उपायुक्त सहकारिता राजेश उईके भी मौजूद रहे। महासंघ द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों और मांगों को लेकर जब उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने इस मामले में कुछ भी कहने से परहेज किया। अब कर्मचारियों के उपार्जन कार्य से हाथ खींचने के ऐलान के बाद आगामी दिनों में प्रशासन और महासंघ के बीच होने वाली चर्चा पर सभी की नजरें रहेंगी।

एक नजर में

- 15 सितंबर से किसानों के पंजीयन का निर्देश
- सहकारी समिति कर्मचारियों ने पंजीयन-उपार्जन से हाथ खींचे
- 10 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग
- जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में हुई बैठक रही बेनतीजा
- संबंधित अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर महासंघ नाराज
- 2021 से 2024 तक करोड़ों रुपये बकाया होने का दावा
- बारदाना, परिवहन और शॉर्टेज को लेकर उठाए सवाल
- सर्वेयर व गोदाम प्रभारियों पर राशि मांगने के आरोप
- मांगें पूरी होने तक उपार्जन नहीं करने का ऐलान

एक भी कर्मचारी पर कार्यवाही हुई तो करेंगे धरना प्रदर्शन-पी.सी. चौहान

महासंघ जिलाध्यक्ष पी.सी. चौहान ने बताया कि वर्ष 2021 से 2024 तक मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ पर समितियों का करोड़ों रुपये बकाया बताया जा रहा है। उनका कहना है कि समितियों द्वारा उपार्जन कार्य में राशि और संसाधन लगाने के बावजूद समय पर भुगतान नहीं होने से समितियों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है।उन्होंने कहा कि समितियों की अन्य प्रमुख समस्या उपार्जन में मिलने वाले बारदानों से जुड़ी है। महासंघ का आरोप है कि 40 किलो से कम भर्ती वाले बारदाने समितियों को उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके कारण समितियों में खरीदी गई धान का परिवहन समय पर नहीं हो पाता और बाद में शॉर्टेज के नाम पर समिति प्रभारियों से राशि की वसूली की जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जबरन कर्मचारियों को परेशान करने का काम किया जा रहा है। उन पर कार्रवाई की जाने की धमकी दी जा रही है लेकिन हम भी स्पष्ट कर दें कि यदि एक भी कर्मचारी पर कार्रवाई हुई तो समस्त कर्मचारी धरना पर बैठ जाएंगे।

हॉकी का महाकुंभ आज से, 12 टीमें होंगी शामिल

हीरालाल नागोसे व मेशराम शरणागत की स्मृति में टूर्नामेंट, खिलाड़ी टर्फ मैदान में दिखाएंगे कलाई का जादू

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। हॉकी के प्रति बच्चों में रूचि एवं खेल प्रतिभा को निखारने हॉकी खिलाड़ी हीरालाल नागोसे और मेशराम शरणागत की स्मृति में 20 से 23 सितम्बर तक हॉकी टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी खेल नगरी बालाघाट में एक बार फिर हॉकी स्टिक की खनक गूंजने वाली है। यह टूर्नामेंट शहर मुख्यालय स्थित शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ मैदान में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का आयोजन हॉकी बालाघाट व खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। जिसमें जिला सहित अन्य राज्यों के खिलाडियों द्वारा मैदान पर अपनी कलाईयों का जादू बिखेरा जाएगा।बताया गया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार को सुबह 11 बजे मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, विशेष अतिथि संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा सहित

अन्य प्रबुद्धजनों की उपस्थित में किया जाएगा।

इन टीमों के बीच होंगी आपसी भिड़ंत

इस संबंध में टूर्नामेंट के संरक्षक किरण भाई त्रिवेदी विजय वर्मा ने बताया कि इस बार टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की करीब 12 नामी टीमें हिस्सा ले रही हैं। जिसमें डी.एच.ए जबलपुर, नागपुर एकेडमी, मेजबान बालाघाट, रायसेन, भोपाल, डी.एच.ए सिवनी, सागर, गोंदिया, बैतूल, भण्डारा, उमरिया व इटारसी की टीमें शामिल हैं। सभी टीमों के बीच ट्रॉफी के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

4 दिवसीय टूर्नामेंट को लेकर लोगो मे उत्साह

उधर इस चार दिवसीय टूर्नामेंट को लेकर हॉकी प्रेमियों में खासा उत्साह है। एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में इस आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है।आयोजको ने बताया कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य दिवंगत हॉकी खिलाडियों व प्रेमियों की स्मृति को नमन करना और जिले के युवा खिलाडियों को राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि खिलाडियों को प्लेटफार्म प्रदान कर उनकी प्रतिभा व कला को निखारा जाए। आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों ने जिले के खेल प्रेमी दर्शकों से टूर्नामेंट का आनंद लेने अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

गांगुलपारा के पास खाई में पलटा ट्रक

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। शनिवार को गांगुलपारा के पास एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया।जहां सामने से आ रही बस को बचाने के प्रयास में एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खाई में जा पलटा। हादसे में ट्रक चालक सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक गांगुलपारा क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान सामने से एक बस आती दिखाई दी। बस को बचाने के लिए ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगाया। इसी दौरान सड़क किनारे की मिट्टी खिसकने से ट्रक असंतुलित हो गया और सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन चालक को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है।

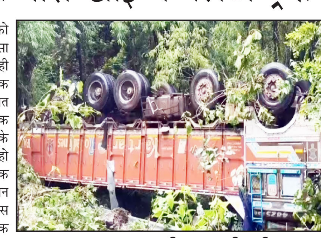

हादसे के बाद जुटी भीड़

ट्रक के खाई में पलटने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। कुछ देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी दी गई है। दुर्घटना के कारणों और ट्रक को खाई से बाहर निकालने की कार्रवाई को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है।

यात्री बस की गति काफी तेज थी-पप्पू कटरे

चर्चा के दौरान गोंदिया निवासी ट्रक चालक पप्पू कटरे ने बताया कि वे सामान्य गति से ट्रक चला रहे थे, जबकि सामने से आ रही यात्री बस की गति काफी अधिक थी। आमना सामना होने पर बस को बचाने के चक्कर में उन्होंने अचानक ब्रेक मारा और साइड में ट्रक खड़ा कर दिया। इसी दौरान अचानक टायर के नीचे से मिट्टी खिसक गई और अनियंत्रित होकर ट्रक खाई में जा गिरा। हालांकि इस हादसे में वे बाल बाल बच गए और उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आई है।

कल दो शायरी दलों के बीच होगी शानदार भिड़ंत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिलेभर में इन दिनों गणेश उत्सव का उल्लास चरम पर है। शहर से लेकर गांवों तक जगह-जगह भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजित की गई हैं और गणेश पंडालों में सुबह से ही धार्मिक माहौल बना हुआ है। दिन के समय पंडालों में भक्ति गीतों और गणपति बप्पा के जयकारों की गूंज सुनाई देती है, वहीं शाम होते ही सार्वजनिक चौक-चौराहों पर सजे गणेश पंडाल श्रद्धालुओं की भीड़ और रोशनी से जगमगा उठते हैं। रात के समय कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ देवी जागरण सहित विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। गणेश उत्सव की इसी श्रृंखला में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम जागपुर में भी इस बार विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जय बजरंग गणेश उत्सव समिति की ओर से ग्राम पंचायत जागपुर स्थित गणेश मंदिर सामुदायिक भवन के सामने 21 सितंबर को दुयम जंगी शायरी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति की ओर से तैयारियां की जा रही हैं और क्षेत्र के लोगों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह बना हुआ है। समिति के अनुसार कार्यक्रम में दो शायरी दल आमने-सामने होंगे। एक ओर न्यू आदर्श महिला मंडल शायरी ग्रुप, किरनापुर-पानगांव की शायरा दयावती गढ़पाले अपनी प्रस्तुति देंगी, जबकि दूसरी ओर जय ज्वाला मंडल, धपेरा-मोहगांव के शायर अमरलाल नगपुरे शायरी पेश करेंगे। दोनों के बीच जंगी मुकाबले के रूप में होने वाली यह प्रस्तुति गणेश उत्सव के दौरान लोगों के लिए मनोरंजन का विशेष आकर्षण रहेगी। गणेश उत्सव के धार्मिक आयोजनों के साथ इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को एक साथ जोड़ना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना भी होता है। जागपुर में आयोजित होने वाले शायरी मुकाबले में क्षेत्र के लोगों के साथ आसपास के गांवों से भी दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजन के दौरान शायरी के माध्यम से कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे और देर रात तक कार्यक्रम में उत्सवी माहौल बना रहने की संभावना है। जय बजरंग गणेश उत्सव समिति ने जिलेभर के श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से 21 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। समिति ने सभी से कहा है कि गणेश मंदिर सामुदायिक भवन के सामने होने वाले इस शायरी कार्यक्रम का आनंद लें और गणेश भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें। समिति द्वारा आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

अनिश्चितकालीन धरने पर सैकड़ों रसोइया

चार महीने से मानदेय का इंतजार, राशन भी घटा, रसोइया बहनों ने जनपद के सामने खोला मोर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाली महिला स्व-सहायता समूहों और रसोइया बहनों की परेशानियां अब सड़क पर आ गई हैं। लंबे समय से मानदेय और खाद्यान्न की समस्या से जूझ रहीं रसोइया बहनों ने प्रदेश संगठन के आह्वान पर स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि उन्हें बीते करीब चार महीने से मानदेय नहीं मिला है, वहीं सांझा चूल्हा योजना के तहत मिलने वाले राशन में भी लगातार कमी की जा रही है। ऐसे में सीमित संसाधनों के बीच स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। जिला अध्यक्ष कविता लाड़े ने बताया कि रसोइया बहनें लगातार अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन, निवेदन और ज्ञापन अधिकारियों के समक्ष देती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। उनका कहना है कि एक तरफ महीनों से भुगतान अटका हुआ है, दूसरी तरफ भोजन तैयार करने के लिए पर्याप्त राशन नहीं मिल रहा। इससे बच्चों के लिए निर्धारित भोजन तैयार करने में भी परेशानी होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाने वाली रसोइया बहनों पर विभागीय स्तर से दबाव और डराने-धमकाने का प्रयास भी किया जा रहा है। रसोइया बहनों

ने पहले अपने-अपने स्तर पर 15 सितंबर से स्कूलों में भोजन बनाना बंद कर दिया था। इसके बाद प्रदेश संगठन के आह्वान पर जिलेभर की सैकड़ों रसोइया बहनें जिला मुख्यालय पहुंचीं और जनपद पंचायत कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी लंबित समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। रसोइया बहनों का कहना है कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने में महिला स्व-सहायता समूहों और रसोइया बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बावजूद जिन महिलाओं के भरोसे बच्चों तक भोजन पहुंचाने की जिम्मेदारी है, उन्हीं के मानदेय और मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार समस्याएं बनी हुई हैं। उनका कहना है कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन योजना के तहत मिलने वाली राशि और संसाधनों में उसी अनुपात में बढ़ोतरी नहीं की जा रही है। आंदोलनकारियों ने बताया कि राशि और खाद्यान्न समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें कई बार उधार लेकर अथवा सीमित संसाधनों में भोजन की व्यवस्था करनी पड़ती है। स्कूलों में जर्जर किचन शेड, स्वच्छ पेयजल की कमी और रसोई गैस की समस्या भी उनकी परेशानियों में इजाफा कर रही है। ऐसे में सरकार से केवल मानदेय भुगतान ही नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की मांग की जा रही है। रसोइया महासंघ ने मांग की है कि प्रदेश के सभी जिलों में राशि और खाद्यान्न एक निश्चित तारीख को एक साथ जारी किया जाए। तीन माह से लंबित स्व-सहायता समूहों और रसोइया बहनों की राशि तथा खाद्यान्न तत्काल उपलब्ध कराया जाए।

आस-पास की खबरें

सहकारी समिति बल्हारपुर की 81 वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति

की 81 वीं वार्षिक आमसभा शनिवार को संपन्न हुई। यह वार्षिक आमसभा मनीराम पटले की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। आमसभा की शुरूआत में समिति के प्रबंधक विनोद ठाकरे के द्वारा उपस्थित सदस्यों के समक्ष संस्था का वार्षिक लेखा-जोखा और आय-व्यय का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया गया। जिसमें उन्होंने समिति द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और वित्तीय स्थिति की जानकारी साझा की। इस वार्षिक आमसभा में विशेष अतिथि के रूप में नारायण डहरवाल, पूर्व संचालक मंडल के उपाध्यक्ष कृष्णकुमार टेंभरे, पूर्व संचालक मंडल सदस्य रोशनलाल बिसेन, बल्हापुर सरपंच सेवन काटेकर, धरपीवाड़ा सरपंच संजय कटरे गणेशपुर सरपंच हेमंत कटरे सहित समिति के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन व कृषक उपस्थित रहे।

रेल सुविधाओं को लेकर सांसद राजेंद्र जैन ने उठाई क्षेत्र की प्रमुख मांगे

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। हॉटेल तुली इम्पीरियल, रामदासपेठ, नागपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित मंडल स्तरीय बैठक में सांसद श्री राजेंद्र जैन ने उपस्थित होकर क्षेत्र की विभिन्न रेल संबंधी समस्याओं एवं मांगों को प्रमुखता से उठाया। बैठक में सांसद श्री प्रफुल पटेलजी के प्रतिनिधि के रूप में विधायक राजूभाऊ कारेमोरे उपस्थित थे। बैठक में सांसद श्री जैन ने गोंदिया से मुंबई तक वंदे भारत ट्रेन के परिचालन, क्षेत्र से गुजरने वाली महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों को आमगाव, सालेकसा, तिरोडा व भंडारा में प्रमुख गाडीयों का स्टॉपेज प्रदान करने, नई रेलगाड़ियों के परिचालन तथा गोंदिया क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूत बनाने के विषय पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही गुदमाङ्कप्रतापबाग नई रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को थेट खरेदी (Direct Purchase) कर भूमि के उचित मुआवजे तथा संबंधित प्रक्रिया में किसानों के हितों को ध्यान में रखने का मुद्दा भी सांसद श्री जैन ने प्रमुखता से रखा। सांसद श्री राजेंद्र जैन ने कहा कि गोंदिया एवं आसपास के क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार कर उनका शीघ्र निराकरण करने हेतू संबंधित अधिकारियों से सकारात्मक एवं समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त की।

बडगांव-नैतरा मार्ग के पुल पर बना जानलेवा गड्ढा, हादसे की आशंका

कमजोर एवं क्षतिग्रस्त पुल से आवागमन में बनी भारी परेशानी, जिम्मेदार मौन, नवीन पुल निर्माण की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बडगांव से नैतरा पहुंच मार्ग पर नाले के ऊपर बना पुल अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। पुल के बीचों-बीच एक बड़ा और जानलेवा गड्ढा बन गया है, जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से इसकी मरम्मत और नये पुल के निर्माण की मांग की जा रही है। लेकिन प्रशासनिक अनदेखी के कारण क्षेत्रीय जनता में गहरा रोष व्याप्त है। जबकि बडगांव-नैतरा मार्ग कटंगी, नेवरगांव ला. और वारासिवनी की ओर जुड़ने वाला मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन दर्जनों गांवों के लोग आवागमन करते हैं। वहीं पुल के बीचों-बीच बना जानलेवा गड्ढा दूर से दिखाई नहीं देता, जिससे रात के समय या तेज रफ्तार दुपहिया व चौपहिया वाहनों के गुजरते समय गड्ढे में वाहन जाने से वे अनियंत्रित होकर सीधे 10 फीट गहरे नाले में गिर सकते है जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इसके अतिरिक्त सुरक्षा के लिहाज से पुल के दोनों ओर रेलिंग (सुरक्षा दीवार) भी नहीं लगाई गई है। ऐसे में गड्ढे से बचने के चक्कर में वाहन अनियंत्रित होकर नीचे गिर सकते हैं। ऐसी स्थिति में हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। पूर्व में भी हादसे भी घटित हो चुके है। लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

हादसे को न्योता दे रहा क्षतिग्रस्त पुल

आपकों बता दे कि बड़गांव से नैतरा पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क निर्माण के साथ ही नाले के ऊपर पुल का निर्माण करवाया गया था, जिससे इस क्षेत्र के ग्रामीणजन एवं राहगीर आवागमन करते थे। लेकिन पुल की ऊंचाई कम होने एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने के कारण पिछले वर्ष हुई तेज बारिश एवं नाले में बाढ़ आने पर पुल कमजोर होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो चुका है और पुल के बीचों-बीच जानलेवा गड्ढा बन गया है जो दुर से दिखाई नही देता है। ऐसी स्थिति में अगर दुपहिया एवं चौपहिया वाहन गुजरते है और उन्हे पुल के बीचों-बीच बने गड्ढे दिखाई नही देने से वे दुर्घटना का शिकार हो सकते है। वहीं पुल के दोनों साइड सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग भी नही लगाई गई है। अगर गड्ढे से बचने के लिए किनारे से लोग गुजरते है तो वे अनियंत्रित होकर भी नाले में गिर सकते है। वहीं ऊंचाई कम होने पर तेज बारिश होने पर पुल के ऊपर से पानी बहने लगता है। जिससे इस मार्ग से आवागमन करने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि लंबे समय से क्षतिग्रस्त पुल का मरम्मत एवं ऊंचाई बढाकर नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं क्षेत्रीय ग्रामीणों और राहगीरों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मरम्मत करवाई जाये तथा पुल की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुल का निर्माण करवाये। ताकि किसी बड़े हादसे को होने से पहले रोका जा सके।

आवागमन में होती है परेशानी - भादुलाल

भादूलाल बघेले ने बताया कि बड़गांव से नैतरा पहुंच मार्ग के बीच स्थित नाले के ऊपर बना पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं मार्ग के बीच में एक बड़ा गड्ढा बन गया है। जिसके कारण आवागमन में परेशानी होती है और पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। जबकि इस समस्या से बंधित विभाग को अवगत करवा दिया गया है, लेकिन अब तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी निरीक्षण या निर्माण हेतु नाप-जोख के लिए नहीं आये है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

बारिश में बढ़ता है दुर्घटना का खतरा-कांतिलाल

कांतिलाल बघेले ने बताया कि यह मार्ग आगे कटंगी रोड (पिपरिया बड़.) से जुड़ता है, जिससे इस मार्ग पर रोजाना भारी संख्या में आवागमन बना रहता है। दो-तीन साल से स्थिति जर्जर होने के बावजूद जिम्मेदार कोई सुध नहीं ले रहे है। बारिश के मौसम में जलस्तर बढ़ने और पानी के तेज बहाव में पुल ढह सकता है। श्री बघेले ने बताया कि पुल की स्थिति जर्जर हो चुकी है और उसकी ऊंचाई भी बहुत कम है। साथ ही पुल के बीचों-बीच जानलेवा गड्ढा बन जाने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि अनेक बार शासन प्रशासन को अवगत करवाया गया है परंतु उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे भविष्य में बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। प्रशासन से मांग है कि जल्द नवीन पुल का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

जनपद सदस्य ने हाई स्कूल मार्ग पर बने गड्ढों का करवाया मरम्मत कार्य

मरम्मत कार्य होने से स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को आवागमन में होगी सुविधा, पक्का मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के अति व्यस्त और मुख्य मार्ग स्थित शिवाजी चौक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के समीप सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे रोजाना हादसों को न्योता दे रहे थे। जिससे स्कूली

बच्चो एवं राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन जिम्मेदार उक्त समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे थे जिससे सभी में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त था। जबकि इस मार्ग से रोजाना जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी भी आवागमन करते है लेकिन उन्हे सडक पर बने गड्ढे दिखाई नही दे रहे थे, जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। वहीं सड़क में बने गड्ढों के कारण स्कूली बच्चों सहित अन्य लोगों को आवागमन में हो रही परेशानियों को देखते हुए जनपद सदस्य देवेश विक्की गौतम के द्वारा स्वयं से उत्कृष्ट स्कूल के समीप सड़क में बने गड्ढों को रेत एवं भसवा मिट्टी डलवाकर जेसीबी मशीन से मरम्मत कार्य करवाया गया है। जिससे उक्त गड्ढे भर जाने से अब इस मार्ग से आवागमन करने वालों को सुविधा होगी। जबकि यह कार्य सड़क विभाग को करवाना चाहिए था लेकिन उनके द्वारा सड़क की बदहाली की ओर कोई ध्यान नही दिया गया, जिससे स्थानीयजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। यह मरम्मत कार्य वैकल्पिक व्यवस्था है लेकिन वर्तमान में आवागमन में हो रही परेशानियों के लिए काफी राहत है। वहीं राहगीरों एवं ग्रामीणजनों ने पक्का एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने की प्रशासन से मांग की है ताकि बार-बार आवागमन में होने वाली परेशानियों से हमेशा के लिए निजात मिल सके।

प्रशासन की उदासीनता के प्रति रोष व्याप्त

आपकों बता दे कि हाई स्कूल मार्ग के लालबर्रा बस स्टैण्ड से शिवाजी चौक तक विगत वर्ष पूर्व टु वे सीसी सड़क का निर्माण करवाया गया है, उसके बाद से अधुरा छोड़ दिया गया है। वहीं सीमेन्टीकरण सड़क की सीमा के बाद से डामरीकरण सड़क खराब होने के साथ ही बड़े-बड़े गड्ढे बन गये थे। इन गड्ढों में बारिश होने पर पानी जमा हो जाने से आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को रही थी। इसी मार्ग पर शिवाजी चौक, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के अलावा शासकीय अस्पताल, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, कॉलेज और अन्य प्रमुख शासकीय कार्यालय स्थित हैं। दिनभर अधिकारियों, मरीजों, विद्यार्थियों और आम जनता की भारी आवाजाही इस सड़क पर बनी रहती थी। बावजूद इसके सड़क की खस्ताहाल स्थिति पर किसी जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नही दे रहे है। वहीं गड्ढों के कारण छोटे-छोटे बच्चे गड्ढे में गिरकर चोटिल हो रहे थे। उक्त समस्या को देखते हुए जनहित में जनपद सदस्य देवेश गौतम के द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय के समीप बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया है।

मरम्मत होने से आवागमन में होगी सुविधा - देवेश

जनपद सदस्य देवेश गौतम ने बताया कि लालबर्रा हाई स्कूल मार्ग उत्कृष्ट विद्यालय के समीप सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी थी और बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन जाने से आवागमन में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में कई बार सड़क विभाग को अवगत करवाया गया है लेकिन उनके द्वारा मरम्मत कार्य नही करवाया जा रहा था, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार रहा है। श्री गौतम ने बताया कि दौड़ सहित अन्य खेल का प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों ने मुझे अवगत करवाया था कि इस मार्ग से दौड़ लगाते समय गड्ढों के कारण परेशानी होती है और स्कूली बच्चें गिरकर चोटिल हो रहे है। जिसके बाद स्वयं के खर्च पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रेत एवं अन्य मटेरियल से गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया गया। जिससे आवागमन में सुविधा होगी और प्रशासन से मांग है कि सड़क में जगह-जगह बने गड्ढों का जल्द गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाये।

अमोली में प्रथम पूज्य भगवान गजानन महाराज की हुई महाआरती

भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा गणेशोत्सव पर्व, देवी जागरण 21 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के माता मंदिर चौक में नवयुवक गणेशोत्सव समिति के द्वारा गणेशोत्सव पर्व श्रध्दा, उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव पर्व की पंचमी के अवसर पर 18 सितंबर को रात 8 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम की युवतियां एवं महिलाएं अपने-अपने घरों से आरती की थाल सजाकर प्रथम पूज्य भगवान गजानन महाराज के दरबार पहुंचे। जहां भगवान श्रीगणेश की महाआरती की गई एवं श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीगणेश से आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाआरती के बाद गरबा डांस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की युवती, महिलाएं व युवाओं ने भाग लिया। वहीं रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही पर्व के दौरान प्रतिदिन सुबह एवं रात में 8 बजे भगवान श्रीगणेश की आरती की जाती है जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है जिससे पूरे ग्राम में भक्तिमय माहौल निर्मित हो गया है। नवयुवक गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 14 सितंबर को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं पंचमी के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्राम की युवतियां व महिलाएं अपने-अपने घरों से आरती की थाल सजाकर भगवान श्रीगणेश प्रतिमा स्थल पहुंचे जहां लंबोदर महाराज की महाआरती की गई तत्पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया। जिसके बाद गरबा डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की युवती, महिलाएं व युवाओं की अलग-अलग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। साथ ही यह भी बताया कि पर्व के दौरान रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। आगे बताया कि 20 सितंबर को सीनियर कैसेट डांस प्रतियोगिता, 21 सितंबर को माँ भवानी देवी जागरण, आर्केस्ट्रा ग्रुप बालाघाट, 22 सितंबर को रंगारंग कार्यक्रम, 23 सितंबर को हवन-पूजन, महाभंडारा, 24 सितंबर को पुरस्कार वितरण एवं 25 सितंबर को प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील नवयुवक गणेशोत्सव समिति अमोली के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

महाविद्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में "सेवा संकल्प अभियान" कार्यक्रम का गत दिवस शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय संवेदनाओं की भावना विकसित करना है। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता एवं भूतपूर्व छात्र प्रकाश राहंगडाले की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय परिसर में समस्त महाविद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों के सहयोग से दीप प्र'वलित कर सेवा से संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने प्रत्येक विद्यार्थी को अपने आसपास के समाज के प्रति संवेदनशील रहते हुए जरूरतमंदों की सहायता, स्व'छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा एवं जनजागरूकता जैसे कार्यो में सक्रिय सहभागिता निभाने की बात कही। वहीं मुख्य अतिथि भूतपूर्व छात्र प्रकाश राहंगडाले ने कहा की युवाओं की सकारात्मक सोच और सेवा भावना से समाज में स्थायी एवं रचनात्मक परिवर्तन लाया जा

सकता है। डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद की सहायता करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने और उन्हें निष्ठापूर्वक निभाने की भावना है। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी, कार्यक्रम संयोजक नरेश सौलखे ने "सेवा संकल्प अभियान" कार्यक्रम की आगामी गतिविधियों एवं कार्ययोजना की विस्तृत रूपरेखा से विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को अवगत करवाया। वहीं कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती अनिभा शरणागत एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्दकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे, आकाश सपाटे एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

युवक का फांसी पर लटका मिला शव

मां ने कमरे में जाकर देखा तो बांस की बल्लियों में लटका मिला बेटा, पुलिस ने जांच शुरू की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । रामपायली थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक ९ में शनिवार दोपहर एक ३४ वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव उसके घर के पीछे वाले कमरे में फांसी पर लटका मिला। सूचना मिलने पर रामपायली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशील पिता स्व.महेंद्र श्याम उम्र ३४ वर्ष वार्ड क्रमांक ९ रामपायली में अपनी मां के साथ निवास करता था। जिसका विवाह नहीं हुआ था प्रतिदिन की तरह वह अपने घर पर अपनी मां के पास बैठा हुआ था। जहां से उठकर सुशील पीछे की तरफ गया इसके बाद मां मीराबाई के द्वारा भी अपने कार्य करने के दौरान वह सुशील के कमरे में गई को देखा कि सुशील घर की छत पर फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। इसके बाद उसके द्वारा घटना की जानकारी पड़ोस में दी तो सूचना आग की तरह पूरे ग्राम में फैल गई। मौके पर बड़ी भीड़ जमा हो गई यह देख ग्रामीणों के द्वारा

घटना की जानकारी डायल ११२ के माध्यम से पुलिस को दी गई। जिस पर पुलिस अधिकारियों के द्वारा मौके पर उपस्थित होकर आवश्यक पूछताछ करने के उपरांत पंचनामा कार्यवाही का शव को सुरक्षित रखवा दिया गया है जिसका पोस्टमार्टम रविवार की सुबह किया जाएगा। पुलिस ने प्रकरण में मर्ग क्रमांक ४३/२६ धारा १९४ बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम किया है। पुलिस के द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

मैं सुशील को देखने गयी तो वह गमछे से लटका था-मीरा श्याम

मृतक की मां मीरा श्याम ने पुलिस को बताया कि मैं ग्राम रामपायली रहती हूँ घरेलू काम करती हूँ। १९ सितम्बर के करीबन २ बजे की बात है मैं और मेरा बेटा सुशील दोनो घर में बैठकर बातचीत किये फिर थोडी देर बाद सुशील ने मुझे बोला कि मैं सोने जा रहा हूँ कहकर पीछे वाले कमरे में सोने चला गया। फिर करीबन मैं २.४५ बजे सुशील को देखने गई तो सुशील कमरे में बाँस की सिवार में गमचा से लटका हुआ था। फिर मैं पडोसियों को बतायी और फिर उनके साथ सुनील के कमरे में गये और सुनील को हिला डुलाकर देखे तो सुशील की मृत्यु हो चुकी थी। पडोसियों द्वारा डायल ११२ को फोन कर बुला गया।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर जाकर देखें तो सुशील श्याम फांसी पर लटका हुआ था। जिसकी मृत्यु हो गई थी मामले में पूछताछ कर शव को सुरक्षित रख दिया गया है ,पोस्टमार्टम रविवार को किया जाएगा अभी मर्ग जांच की जा रही है।

नरेन्द्र ठाकुर
सहायक उपनिरीक्षक थाना रामपायली

विधायक विवेक पटेल ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा पत्र

कीट प्रकोप से खराब हुई फसलों का जल्द सर्वे कराने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । धान की फसलों में सफेद माहू के प्रकोप की स्थिति लगातार सामने आ रही है। धान की फसलों में कीट,माहू,करपा के प्रकोप से किसानों की फ सलों को हुई क्षति को देखते हुए वारासिवनी खैरलांजी के विधायक विवेक पटेल ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को पत्र लिखकर एवं जल्द सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। विधायक पटेल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में क्षेत्रों में किसानों के द्वारा वर्तमान में लगाई गई खरीफ फसल पर माहू के प्रकोप के कारण किसानों को बहुत अधिक नुकसान हुआ है। माहू के प्रकोप से धान के पौधे की वृद्धि एवं विकास प्रभावित हुआ हुआ। तथा कई स्थानों पर फसल की स्थिति खराब होने के कारण उत्पादन में भारी कमी आने की आशंका है। किसानों के द्वारा अपनी फसल को बचाने के लिए कीटनाशक दवाइयां एवं अन्य कृषि साम्रगी का उपयोग किया गया। जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ा है। इसके बावजूद अनेक किसानों की फसल को अपेक्षित रूप से बचाया नहीं जा सका। फ सल में हुई नुकसान के कारण किसानों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। किसानों के हित को देखते हुए क्षेत्र के प्रभावित ग्रामों में राजस्व एवं कृषि विभाग की सयुक्त टीम के माध्यम से ग्रामवार,खेतवार एवं

किसानवार फ सल क्षति का शीघ्र सर्वे कराया जाना आवश्यक है। सर्वे के आधार पर वास्तविक क्षति का आकलन कर पात्र किसानों को शासन के नियमानुसार जल्द क्षतिपूर्ति प्रदान की जाए।

विधायक गौरव पारधी की उपस्थिति में कटंगी लालबर्रा मार्ग का राजस्व विभाग ने किया चिन्हांकन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित कटंगी.लालबर्रा मार्ग के निर्माण कार्य को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शीघ्र ही इस महत्वपूर्ण मार्ग का भूमि

पूजन किया जाना प्रस्तावित है। इसके पूर्व शनिवार को राजस्व विभाग द्वारा मार्ग का चिन्हांकन किया गया। इस दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने मौके पर पहुंचकर चिन्हांकन कार्य का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों के साथ मार्ग निर्माण से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर हुआ विचार.विमर्श

कटंगी नगर में प्रत्येक शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार लगने के कारण इस क्षेत्र में यातायात का अत्यधिक दबाव बना रहता है। बाजार के दिन लोगों एवं वाहनों की अधिक आवाजाही के चलते कई बार आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है और यातायात का गतिरोध देखने को मिलता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने नगर परिषद, राजस्व विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मौके पर चर्चा कर आवश्यक व्यवस्थाओं और संभावित समाधान पर विचार.विमर्श किया।

मार्ग निर्माण से क्षेत्र के विकास को मिलेगी गति

कटंगी.लालबर्रा मार्ग लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांगों में शामिल रहा है। इस मार्ग के निर्माण से ना केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, ग्रामीण क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था तथा स्थानीय विकास को भी नई गति मिलेगी। भूमि पूजन से पूर्व सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा किया जा रहा है, ताकि निर्माण कार्य व्यवस्थित और समयबद्ध रूप से प्रारंभ हो सके। इस दौरान नगर परिषद के सीएमओ, इंजीनियर, राजस्व विभाग के तहसीलदार एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

क्षेत्र में रूके हुये विकास कार्यो को पटरी पर लाने किया श्रीगणेश-प्रदीप जायसवाल

नवेंगांव ३ व खैरलांजी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुये

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । क्षेत्र के ग्रामीण अंचलो में इस साल भी गणेश उत्सव की रौनक देखी जा रही है। ग्राम ग्राम में गजानन जी की स्थापना के साथ ही पंचमी से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बहार सी आ गयी है। गत दिवस रात्रि में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने खैरलांजी व नवेगांव ३ के सार्वजनिक गणेश उत्सव में शामिल होकर समूचे ग्राम को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उत्सव के महत्व को रेखांकित किया। नवेंगांव 3 में लंबोदर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद महाराष्ट्र की प्रसिद्ध शायरी में उपस्थित भक्तों को सम्बोधित करते हुए प्रदीप जायसवाल ने कहा की इसका महत्व आजादी के पलों से भी जुड़ा हुआ है। जब अंग्रेजो की यातना का उस समय दौर चल रहा था, तभी पुणे में बाल गंगाधर तिलक ने देशभक्ति के लिये एकजुटता करने के लिए इस उत्सव की शुरुवात की थीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्व मंत्री का स्वागत समिति के पदाधिकारियों में महेश लिल्हारे, संदीप लिल्हारे, चूड़ामन डहारे,मुनेश चौधरी,राजेश लिल्हारे,परमेश्वर चौधरी,राधेलाल बहेटवार ,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता मानसिंह बहेटवार आदि ने किया। कार्यक्रम के पहले अचानक तेज बरसात और फिर अचानक बारिश के रुक जाने के बाद चंद मिनटों में अपार भक्तों की उपस्थिति भी नवयुवक गणेश उत्सव समिति को भावविभोर कर गयी। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल ने कहा की जब उनके द्वारा नन्हे मुन्नों को केडब्रिज टॉफी दी जाती है। तब घर जाकर बच्चों के बताने पर माता पिता भी प्रसन्न हो जाते है। वैसे ही गजानन जी का पूजन करने के साथ ही देवो के देव महादेव व माता पार्वती भी प्रसन्न हो जाती है। पूर्व मंत्री ने जयकारों के बीच कहा की हमने खैरलांजी के लिये बहुत कुछ किया है। अब फिर से विकास की गति को तेज करने के लिए हमने मुख्य मार्ग पर नए भाजपा कार्यालय के साथ श्रीगणेश कर दिया है। कार्यक्रम को सफ ल बनाने में विनोद लिल्हारे , आर्यन बहेटवार, योगेंद्र मसखरे, कुणाल रँनगडे, अनिकेत करपगये का योगदान सराहनीय रहा।

महकेपार अग्निकांड पीड़ित परिवार से मिले विधायक पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । ग्राम महकेपार में तीन दिन पूर्व हुए भीषण अग्निकांड में लाखों रुपये की गृहस्थी और दुकान का सामान जलकर राख हो गया था। हादसे में परिवार के चार सदस्य झुलस गए थे जिनमें दो बच्चियों की हालत गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए भंडारा फिर किया गया था। शनिवार को क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने महकेपार पहुंचकर अग्निकांड से प्रभावित परिवार के परिजनों से मुलाकात की और घटना स्थल का जायजा लिया। उन्होंने परिवार के सदस्यों से घटना की जानकारी लेते हुए उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विधायक पारधी ने पटवारी को दिए पंचनामा और मुआवजा संबंधी निर्देश

विधायक पारधी ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए मौके से ही राजस्व विभाग के पटवारी को निर्देशित किया। कि अग्निकांड से हुए नुकसान का पंचनामा जल्द से जल्द तैयार कर शासन की नियमानुसार मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाए। विधायक ने आग की चपेट में आकर घायल हुए परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली। विशेष रूप से उपचाररत दोनों बच्चियों की स्थिति को लेकर जानकारी लेते हुए उनके बेहतर उपचार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

तीन दिन पूर्व हुआ था भीषण अग्निकांड

तीन दिन पूर्व नारायण कोटेकार के मकान में सुबह करीब ७ बजे अचानक आग लग गई थी। मकान में प्लास्टिक एवं बर्तनों की दुकान संचालित होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया था। ग्रामीणों ने मशक्कत कर घर में फंसे परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला था। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक मकान, दुकान, अनाज, राशन सामग्री, कपड़ेए फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित पूरी गृहस्थी जलकर राख हो चुकी थी। पीडित परिवार के अनुसार हादसे में २०लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक हुई

बैठक में संगठन विस्तार और किसानों के मुद्दों पर की चर्चा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा में भाजपा किसान मोर्चा वारासिवनी मंडल की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे, भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुभाष पारधी सहित अन्य लोगो की उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। बैठक में वर्तमान में किसानों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही वारासिवनी मंडल की कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर विचार विमर्श करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए नाम तय किए गए। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के बीच भावांतर योजना को लेकर

फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने तथा किसानों को योजना की वास्तविक जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। इसके अलावा प्रशासनिक स्तर पर किसानों को आ रही समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई और उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी सदस्य एवं क्षेत्र के किसान मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष यशवंत लिल्हारे ने बताया कि मंडल कार्यकारिणी विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई थी। इसमें भावांतर का विषय आया था जो हमारे विरोधी लोग बता रहे हैं । जिले में ७ मंडी है जिसमें चार मंडी चालू है वहां पर खरीदी किसी प्रकार से संभव नहीं है एक गांव की भी खरीदी नहीं हो सकती है। ऐसे में बालाघाट में भावांतर लागू हो ही नहीं सकता है इस विषय को लेकर हमारे द्वारा जिला कलेक्टर और जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक से चर्चा की है उन्होंने सब स्पष्ट किया है। १५ सितंबर से पंजीयन प्रारंभ हो गए हैं हमारे सहकारिता के कुछ भाइयों की मांगे हैं उस पर भी दो.चार दिन में हल निकल जाएगा। ऑनलाइन पंजीयन शुरू हो गए हैं किसानों से अपील है कि वह अपने फसल की गिरदावरी कराकर पंजीयन करवाये कोई भ्रम में ना रहे भावांतर बालाघाट में लागू नहीं होगा। सेवा सहकारी समिति के माध्यम से खरीदी की जाएगी और यह जो गांव में बैठक लेने आ रहे हैं उन लोगों से किसान पूछे की उनकी सरकार में किस प्रकार कुर्की होती थी। झंडी लगाई जाती थी किसान को कितना बेइज्जत किया जाता था। मंडल अध्यक्ष सुभाष पारधी ने बताया कि वारासिवनी में मंडल की यह बैठक रखी गई थी। जिसमें संगठन के रूपरेखा तैयार की गई है। किसानों को आ रही समस्याओं के सभी मुद्दों पर चर्चा भी की गई है अभी किसानों के खेतों में बीमारी लगी हुई है । उसका निराकरण करने के लिए प्रशासनिक अमले से बात की जाएगी। भावांतर योजना बालाघाट में लागू नहीं होगी यह पूरी तरह गलत बात फैलाई जा रही है ,सभी किसान सतर्क रहे सोसायटी में खरीदी होगी। यह बात हमारे नेता पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पहले भी कही है और अभी किसान मजदूर संघ की बैठक में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने भी कहा है। पटवारी सभी किसानों के खेतों तक जाकर गिरदावरी करें और जो फ सल के नुकसानी हो रही है उसकी भी जांच करें ताकि किसान को समय रहते मुआवजा मिल सके।

विकासखंड स्तरीय बालरंग समारोह प्रतियोगिता २०२६ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । सांदीपनि विद्यालय के सभागार में विकासखंड स्तरीय बालरंग समारोह प्रतियोगिता २०२६ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के नोडल अधिकारी प्राचार्य हुमराज पटले की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी वी के बनोटे ,संकुल प्राचार्य के एल चौहान ,लखन रिनायत उपस्थित रहे । बालरंग कार्यक्रम में विकासखंड के कुल पांच विद्यालयों ने पंजीयन किया। जिसमें सामुहिक नृत्य सामुहिक लोकगीत प्रश्न मंच वादविवाद प्रतियोगिता तत्कालीन भाषण वेद पाठ निबंध आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सामुहिक लोकनृत्य सामुहिक लोकगीत में सांदीपनि विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रश्न मंच वाद विवाद, तत्कालीन भाषण निबंध आदि प्रतियोगिताओ में एस मर्सकोले ,मयंक चौधरी ,हर्ष वर्धन नगपुरे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । संस्कृत वेद पाठ में आदित्य शुक्ला ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की प्रतियोगिता प्रभारी श्रीमती अन्नू राहंगडाले ,श्रीमती रजनी शिन्धे ,कमल टेमभरे ,दुर्गेश शिवहरे ,मुकेश देशकर,सुश्री डॉली खैरवार, टीकाराम डहेरिया ,अमित गजभिये ,धनेंद्र बिसेन एवं समस्त विद्यालय परिवार का योगदान सराहनीय रहा।

स्कूली बच्चों को ज्ञान दीजिए अमानवीय प्रताड़ना नहीं

भारत में शिक्षा का अधिकार कानून की धारा 17 स्कूलों में बच्चों को किसी भी तरह के शारीरिक दंड या मानसिक उत्पीड़न को एक दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखती है। इस के बावजूद कुछ शिक्षक बच्चों के साथ अमानवीयता की हद तक शारीरिक मानसिक प्रताड़ना करने से बाज नहीं आ रहे हैं। स्कूलों में शिक्षकों द्वारा बच्चों की पिटाई और शारीरिक दंड एक गंभीर और गैर-कानूनी समस्या है, जिसपर विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी वैश्विक संस्थाएं भी चिंता जता चुकी हैं। हाल ही में ऐसी की घटनाएं सामने आई है जिनमें शिक्षकों की अमानवीयता और निर्दयता भरी पिटाई के कारण मासूम बच्चों की मौत हो गई अथवा वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हाल ही में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के लिटिल गार्डन स्कूल में 20 अगस्त 2026 को होमवर्क पूरा न करने पर एक 6 साल के छात्र प्रणय तेजा की टीचर की कथित पिटाई और थप्पड़ मारने के बाद क्लासरूम में गिरकर मौत हो गई।दरअसल बच्चे ने होमवर्क पूरा नहीं किया था, जिसके बाद टीचर ने उसे डांटा और थप्पड़ मारा। क्लासरूम में लगे सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि थप्पड़ मारने और प्रताड़ित करने के कुछ ही पलों बाद बच्चा बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे को तुरंत किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार का आरोप है कि डर और दहशत की वजह से उसे हार्ट अटैक आया। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का इस घटना से सम्बद्ध वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नज़र आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई।

अमेरिका की संसद से निकली 100 प्रतिशत टैरिफ मिसाइल!

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता, महंगाई नियंत्रण,आर्थिक विकास और वैश्विक कूटनीतिक संतुलन, इन सभी की एक साथ अग्नि परीक्षा ?

वैश्विक स्तरपर मध्य -पूर्व में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका की संभावित 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ की तलवार, इन तीनों घटनाक्रमों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने एक साथ कई नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।भारत के लिए यह परिस्थिति इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक बड़े हिस्से के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। एक ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने से आयात बिल, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है,वहीं दूसरी ओर अमेरिका की संसद से पारित लिंडसे ओ.ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों के लिए नई अनिश्चितता पैदा कर दी है अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर को यह विधेयक 262-159 मतों से पारित किया,जबकि सीनेट इसे अगस्त में 86/11 से पहले ही पारित कर चुकी थी। अब विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की प्रक्रिया में है।यानी गेंद अप ट्रंप के पहले में चली गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि यहां अमेरिकी व्यवस्था को समझना भी जरूरी है।भारत की संसद में जिस प्रकार लोकसभा और राज्यसभा मिलकर कानून बनाने की प्रक्रिया पूरी करती हैं,उसी प्रकार अमेरिका में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स यानें प्रतिनिधि सभा और सेनेट यानें सीनेट कांग्रेस के दो सदन हैं।किसी विधेयक को कानून बनने के लिए दोनों सदनों से पारित होना और फिर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलना आवश्यक होता है।इसलिए फिलहाल इसे भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो चुका मानना सही नहीं होगा।मौजूदा स्थिति यह है कि दोनों सदनों से विधेयक पारित हो चुका है और राष्ट्रपति के पास पहुंच गया है।कानून बनने के बाद भी 100प्रतिशत टैरिफ भारत पर अपने आप नहीं लग जाएगा; राष्ट्रपति को उपलब्ध वैधानिक अधिकारों और संबंधित परिस्थितियों के आधार पर कार्रवाई करनी होगी।रिपोर्टों के अनुसार कानून में रूस से ऊर्जा खरीदने वाले प्रमुख देशों पर सटीक 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की शक्ति का प्रावधान है, जबकि कुछ परिस्थितियों में रूस की ऊर्जा परनिर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठाने वाले देशों के लिए अपवादों की गुंजाइश भी बताई गई है।विदेश मंत्रालय ने 17 सितंबर 2026 को स्पष्ट किया कि भारत अपनी 140 करोड़ से अधिक आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों और बदलती बाजार परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेता रहेगा।मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस विषय पर अमेरिका के साथ उच्चस्तरीय चर्चा हुई है और भारत अपने व्यापारिक तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। साथियों,भारत के लिए असली चुनौती यहीं से शुरू होती है। रूस से कच्चा तेल खरीदने का आर्थिक तर्क यह रहा है कि उपलब्ध परिस्थितियों में रूसी क्रूड भारतीय रिफाइनरियों के लिए प्रतिस्पर्धी कीमत और आपूर्ति विविधीकरण का महत्वपूर्ण स्रोत बना है। यदि अमेरिकी दबाव के कारण भारतीय कंपनियों को रूसी तेल की खरीद घटानी पड़ती है,तो विकल्प के रूप में इराक, सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,अमेरिका, ब्राजील, नाइजीरिया और अंगोला जैसे स्रोतों से खरीद बढ़ाई जा सकती है।लेकिन किसी एक स्रोत को अचानक बड़े पैमाने पर बदलना केवल राजनीतिक निर्णय नहीं होता;इसमें कीमत,क्रूड की गुणवत्ता, रिफाइनरी की तकनीकी जरूरत,समुद्री मालभाड़ा, बीमा,भुगतान व्यवस्था और उपलब्धता जैसे अनेक आर्थिक पहलू शामिल होते हैं।इसलिए भारत का घोषित रुख,ऊर्जा सुरक्षा के लिए विभिन्न देशों से खरीद का विविधीकरण व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।भारत के विदेश मंत्रालय ने भी 17 सितंबर को स्पष्ट किया कि उसकी प्राथमिकता देश की 140 करोड़ विशाल आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है और वह घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। साथियों क्या इसे 12-13 सितंबर 2026 को भारत की मेजबानी में हुए ब्रिक्स सम्मेलन और भारत-रूस- चीन की सक्रिय कूटनीतिक निकटता की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए? इसे सीधे तौर पर ब्रिक्स सम्मेलन की प्रतिक्रिया कहना अभी प्रमाणित तथ्य नहीं होगा। समय का मेल जरूर ध्यान आकर्षित करता है,ब्रिक्स बैठक के तुरंत बाद अमेरिकी विधेयक का अंतिम चरण में पहुंचना और रूस-चीन-भारत के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक संवाद का लगातार बढ़ना एक व्यापक भू- राजनीतिक संदर्भ बनाता है। लेकिन किसी कानून के पीछे सम्मेलन को प्रत्यक्ष कारण बताने के लिए ठोस सरकारी या विधायी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए इसे फिलहाल रणनीतिक प्रतिस्पर्धा की व्यापक पृष्ठभूमि और समय का संयोग,दोनों संभावनाओं के रूप में देखना अधिक तथ्यपरक होगा। अमेरिका का घोषित उद्देश्य रूस की ऊर्जा आय से मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाना है, जबकि भारत का घोषित उद्देश्य अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय आर्थिक हितों की रक्षा करना है।इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू कच्चे तेल की कीमत है। यदि मध्य-पूर्व का संघर्ष लंबा चलता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर दबाव बना रहता है, तो महंगा रूसी तेल ही नहीं बल्कि गैर-रूसी तेल भी महंगा हो सकता है। ऐसे में भारत के सामने समस्या केवल यह नहीं होगी कि रूस से कितना तेल खरीदना है, बल्कि यह भी होगी कि यदि रूसी आपूर्ति घटती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अतिरिक्त तेल कितनी कीमत पर मिलेगा। महंगा कच्चा तेल भारत के आयात बिल को बढ़ाता है, रुपये पर दबाव डाल सकता है और पेट्रोल- डीजल, परिवहन, विमानन, रसायन, प्लास्टिक तथा अनेक औद्योगिक क्षेत्रों की लागत को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि ऊर्जा सुरक्षा को केवल पेट्रोलियम मंत्रालय का विषय नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता से जुड़ा ठीक था से विषय माना जाता है। साथियों,फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए तस्वीर पूरी तरह नकारात्मक नहीं है।वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है।मूडीज के आकलन में मजबूत घरेलू मांग, निवेश और अर्थव्यवस्था की अब तक दिखाई गई मजबूती महत्वपूर्ण कारक हैं। एजेंसी ने साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि लंबे समय तक ऊंची ऊर्जा कीमतें और अल नीनो से जुड़ी खाद्य महंगाई भविष्य में जोखिम बढ़ा सकती है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था ने बाहरी झटकों को अब तक काफी हद तक संभाला है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि महंगा तेल लंबे समय तक बिना प्रभाव के सटीकता से गुजर जाएगा। साथियों, इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और नकदी प्रबंधन भी महत्वपूर्ण हो जाता है। 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रूपए की सरकारी प्रतिभूतियों की ओपन मार्केट ऑपरेशन बिक्री के जरिए अतिरिक्त बैंकिंग लिक्विडिटी को सोखने की प्रक्रिया बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।सामान्य भाषा में समझें तो जब आरबीआई सरकारी बॉन्ड बेचता है, तो बैंकिंग प्रणाली से रुपये की अतिरिक्त नकदी बाहर जाती है।आरबीआई स्वयं स्पष्ट करता है कि ओएमओ बिक्री का उद्देश्य प्रणालीगत तरलता को कम करना है,जबकिओएमओ खरीद तरलता बढ़ाती है।आम ग्राहक के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके बैंक खाते से पैसा निकाल लिया गया या उसकी जमा राशि पर कोई सीधा खतरा पैदा हो गया। यह बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय बाजार के स्तर पर होने वाला संस्थागत ऑपरेशन है। हालांकि इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव ब्याज दरों के माध्यम से सामने आ सकता है। यदि बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी कम होती है तो बाजार की फंडिंग परिस्थितियां बदल सकती हैं और भविष्य में जमा तथा ऋण दरों पर असर पड़ सकता है। लेकिन किसी मौजूदा ऋण की ईएमआई केवल इस ओएमओ बिक्री के कारण तुरंत बढ़ना जरूरी नहीं है; इसका वास्तविक प्रभाव ऋण के प्रकार, ब्याज दर की संरचना और भविष्य में आरबीआई के व्यापकमौद्रिक रुख पर सटीकता से निर्भर करेगा। साथियों, इस प्रकार सितंबर 2026 में भारत के सामने एक असाधारण आर्थिक संतुलन की स्थिति है। एक तरफ अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध,दूसरी तरफ रूस से प्रतिस्पर्धी ऊर्जा आपूर्ति, तीसरी तरफ मध्य-पूर्व का भू-राजनीतिक संकट और चौथी तरफ घरेलू आर्थिक विकास को बनाए रखने की आवश्यकता।भारत के लिए समाधान किसी एक देश पर निर्भर रहने में नहीं बल्कि ऊर्जा स्रोतों,व्यापारिक साझेदारों,भुगतान प्रणालियों और रणनीतिक भंडार का लगातार विविधीकरण करने में दिखाई देता है।रूस से खरीद,पश्चिम एशिया केपारंपरिक आपूर्तिकर्ता, अमेरिका और अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी स्रोत,सभी को परिस्थितियों के अनुसार संतुलित करना भारत की ऊर्जा रणनीति का हिस्सा बन सकता है।दीर्घकाल में घरेलू उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी,ऊर्जा दक्षता और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार आयात जोखिम को कम करने में सटीकता से मदद कर सकता है। साथियों सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के सामने फिलहाल कोई तत्काल 100 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू नहीं हुआ है,बल्कि उसके लागू होने की संभावित शक्ति वाला अमेरिकी कानून राष्ट्रपति के स्तर पर लंबित है। इसलिए आने वाले दिनों में ट्रंप प्रशासन का निर्णय, भारत - अमेरिका व्यापार वार्ता, रूस से भारतीय तेल खरीद की दिशा, मध्य-पूर्व में संघर्ष की अवधि और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत,ये सभी कारक मिलकर आगे की तस्वीर तय करेंगे। मूडीज द्वारा 7 प्रतिशत वृद्धि अनुमान यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर घरेलू मांग और निवेश की ताकत मौजूद है, लेकिन महंगा तेल इस मजबूती की परीक्षा ले सकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह केवल रूस बनाम अमेरिका या तेल बनाम टैरिफ का मामला नहीं है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता, महंगाई नियंत्रण,आर्थिक विकास और वैश्विककूटनीतिक संतुलन,इन सभी की एक साथ परीक्षा है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कश्मीर पर पाकिस्तान की दोहरी नीति बेनकाब चीन के साथ सीमा आयोग पर भारत का दो टूक जवाब

-कांतिलाल मांडोत

भारतीय भूभाग पर फैसले का अधिकार किसी तीसरे देश को नही है। पाकिस्तान और चीन के बीच सीमा संबंधी सहयोग को लेकर भारत ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान-चीन सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक शुरू होने के बाद भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान और चीन के बीच किसी भी प्रकार का सीमा सहयोग भारत के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र पर अपने अवैध कब्जे को समाप्त करने की मांग भी दोहराई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार 16 सितंबर 2026 को दोनों देशों ने सीमा संयुक्त आयोग को औपचारिक रूप से सक्रिय किया। पाकिस्तान ने इसे सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक आवाजाही और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यानी पाकिस्तान इस तंत्र को चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के साधन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। भारत की आपत्ति का मूल कारण यही है कि पाकिस्तान और चीन के बीच प्रस्तावित सीमा सहयोग का संबंध उन क्षेत्रों से भी जुड़ता है जिन्हें भारत अपना संप्रभु भूभाग मानता है। भारत का कहना है कि किसी ऐसे क्षेत्र के संबंध में दो अन्य देश आपस में कोई व्यवस्था नहीं कर सकते जो भारत की संप्रभुता से संबंधित है। इसी आधार पर नई दिल्ली ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को कानूनी आधार से रहित बताया है।

1963 का समझौता भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया

भारत की आपत्ति का एक महत्वपूर्ण आधार 2 मार्च 1963 को हुआ तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता भी है। भारत सरकार लंबे समय से इसे अवैध और अमान्य मानती रही है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार भारत का कहना है कि इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र के शक्सगाम घाटी से संबंधित लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंपने की व्यवस्था की थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी। भारत का आधिकारिक रुख यह भी है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय ने पहले भी कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों तथा चीन से जुड़े ऐसे किसी भी कदम को भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जोड़कर देखता है। यही वह बिंदु है जहां कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की मूल स्थिति अलग दिखाई देती है। भारत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अपने संवैधानिक तथा संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि पाकिस्तान अपने आधिकारिक बयानों में जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दा बताता रहा है। मई 2026 में चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में भी पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अवगत कराया और चीन ने इसे ऐतिहासिक रूप से लंबित विवाद बताते हुए संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा संबंधित प्रस्तावों के अनुरूप शांतिपूर्ण समाधान की बात कही थी।

कश्मीर नीति में दावे अलग और व्यवहार अलग

कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की नीति को समझने के लिए उसके बयानों और गतिविधियों को अलग-अलग देखना जरूरी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करता है और इसके समाधान की मांग करता है। दूसरी ओर, वह चीन के साथ ऐसे सीमा और संपर्क संबंधी ढांचे को आगे बढ़ा रहा है जिनका संबंध भारत द्वारा अपने क्षेत्र के रूप में दावा किए जाने वाले इलाकों से भी जुड़ता है। यही स्थिति भारत की ओर से गंभीर आपत्ति का कारण बनती है। पाकिस्तान की ओर से चीन के साथ सीमा आयोग को सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोगी बताया गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच सहयोग का नया चरण बताया है। लेकिन भारत इसे अलग नजरिये से देखता है और मानता है कि भारतीय भूभाग से जुड़े किसी भी मामले में पाकिस्तान को चीन के साथ निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। गिलगित-बाल्टिस्तान का महत्व भी इसी संदर्भ में सामने आता है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से भारत, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान के निकट स्थित है तथा चीन-पाकिस्तान आर्थिक संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के लिए इसका महत्व केवल क्षेत्रीय दावे तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा और मध्य एशिया से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ा है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र पर अपने कब्जे को समाप्त करना चाहिए और ऐसे कदमों से बचना चाहिए जिनसे उस कब्जे को किसी अन्य देश के साथ सहयोग के माध्यम से वैधता मिलने का आभास पैदा हो। भारत ने पहले भी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से संबंधित उन गतिविधियों पर आपत्ति जताई है जो उसके अनुसार भारतीय संप्रभु क्षेत्र से गुजरती हैं। कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति में इसलिए एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर वह जम्मू-कश्मीर के भविष्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और समाधान की बात करता है, दूसरी ओर पाकिस्तान-चीन सहयोग के ऐसे ढांचे को आगे बढ़ाता है जिनमें भारत द्वारा दावा किए गए क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं। भारत इसी आधार पर पाकिस्तान के रुख पर सवाल उठाता है और कहता है कि किसी तीसरे देश के साथ समझौते करके भारतीय भूभाग की स्थिति नहीं बदली जा सकती। भारत का ताजा संदेश इसी लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुनर्पुष्टि है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर उसकी संप्रभुता की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान-चीन सीमा सहयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि कश्मीर का प्रश्न केवल भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन की भूमिका के कारण इसका रणनीतिक और क्षेत्रीय आयाम भी लगातार महत्वपूर्ण बना हुआ है। ऐसे में पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग की शुरुआत ने कश्मीर से जुड़े पुराने विवाद को एक बार फिर कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। भारत ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संबंध में उसकी संप्रभुता पर किसी बाहरी व्यवस्था का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता। वहीं पाकिस्तान और चीन अपने सहयोग को सीमा प्रबंधन और क्षेत्रीय संपर्क के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। आने वाले समय में इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के कूटनीतिक बयानों से यह तय होगा कि यह नया सीमा तंत्र केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित रहता है या कश्मीर से जुड़े व्यापक क्षेत्रीय मतभेदों को और चर्चा में लाता है।

अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जरूरत नहीं

विश्व राजनीति में शक्ति केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से निर्धारित नहीं होती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि कोई महाशक्ति अपने प्रभाव का इस्तेमाल किस प्रकार करती है। आज अमेरिका की व्यापार एवं प्रतिबंध नीति इसी कसौटी पर बहस के केंद्र में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने टैरिफ और आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति के प्रमुख उपकरणों के रूप में अधिक आक्रामक ढंग से इस्तेमाल किया है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर संभावित 100 प्रतिशत तक टैरिफ का अधिकार देने वाला नया अमेरिकी विधेयक इसी बदलते रुख का ताजा उदाहरण है, लेकिन इस नये बिल के जरिये वह भारत पर दबाव नहीं बना सकता। भारत को इससे डरने की अपेक्षा नहीं है, क्योंकि नई बन रही विश्व-संरचना में यह बिल अधिक प्रभावी नहीं बन सकेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर 2026 को यह विधेयक पारित किया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि 100 प्रतिशत टैरिफ स्वत: लागू नहीं हुआ है, विधेयक राष्ट्रपति को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत के संदर्भ में यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस भारत के ऊर्जा आयात का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। अगस्त 2026 में भारत रूस से लगभग 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात कर रहा था। ऐसे में यदि अमेरिकी राष्ट्रपति इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सीधा असर भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर प? सकता है और साथ ही भारत की ऊर्जा लागत पर भी दबाव बन सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

यहीं से असली सवाल उठता है-क्या व्यापारिक टैरिफ अब केवल व्यापार संतुलन सुधारने का साधन रह गए हैं या वे विदेश नीति को मनवाने का माध्यम भी बनते जा रहे हैं? अमेरिका और भारत के बीच व्यापार छोटा नहीं है। 2025 में दोनों देशों का वस्तु एवं सेवा व्यापार लगभग 239.6 अरब डॉलर रहा और अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने भारत से 103.8 अरब डॉलर की वस्तुएं आयात की। इसलिए किसी बढ़े अतिरिक्त टैरिफ का असर केवल भारत पर नहीं पड़ेगा, अमेरिकी आयातकों, उपभोक्ताओं और दोनों देशों की कंपनियों पर भी उसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। पहली चुनौती अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने की है और दूसरी ऊर्जा सुरक्षा की। यदि रूसी तेल पर निर्भरता अचानक घटानी प? तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में पहले से मौजूद अस्थिरता ऐसी स्थिति को और जटिल बना सकती है। दूसरी ओर अमेरिका को भी यह देखना होगा कि अत्यधिक टैरिफ से वैश्विक तेल आपूर्ति, कीमतों और अपने सहयोगी देशों के साथ आर्थिक संबंधों पर क्या प्रभाव प?ता है। इसीलिए मौजूदा कानून में राष्ट्रपति के लिए राष्ट्रीय हित के आधार पर छूट की गुंजाइश भी रखी गई है।

भारत की प्रतिक्रिया का महत्व यहीं बढ़ जाता है। भारत ने न तो किसी शक्ति-गुट के साथ अपने संबंध समाप्त करने की नीति अपनाई है और न ही अपने आर्थिक हितों को किसी एक देश की प्राथमिकताओं के अधीन करने की बात कही है। भारत का घोषित दृष्टिकोण ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखना है। यही रणनीतिक स्वायत्तता बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बन सकती है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में हाल में संपन्न 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखना उपयोगी होगा। भारत की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में 11 सदस्य देशों ने 140-बिंदु नई दिल्ली घोषणा को स्वीकार किया। ब्रिक्स ने सीमा-पार भुगतान को अधिक सुगम बनाने तथा सदस्य देशों की स्थानीय मुद्राओं में व्यापारिक निपटान की संभावनाओं पर आगे काम करने का समर्थन किया। साथ ही भारत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी साझा ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव नहीं है। यह अंतर समझना बेहद जरूरी है। दुनिया तत्काल डॉलर को हटाकर कोई नई वैश्विक मुद्रा स्थापित करने की स्थिति में नहीं है। डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में अत्यंत प्रभावशाली है। लेकिन यदि अनेक देश धीरे-धीरे द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं का उपयोग बढ़ाते हैं, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां विकसित करते हैं और डॉलर पर निर्भरता कम करने के रास्ते तलाशते हैं, तो लंबे समय में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अधिक बहुध्रुवीय हो सकती है। विशेषज्ञ विश्लेषण भी यही संकेत देता है कि डॉलर से दूरी की प्रक्रिया अभी धीमी और क्रमिक है, न कि कोई तत्काल बदलाव।

भारत-रूस संबंध इसका एक व्यावहारिक उदाहरण हैं। सितंबर 2026 में रूसी पक्ष ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का बड़ा हिस्सा अब रुपये और रूबल में निपटाया जा रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रतिबंधों और भुगतान संबंधी बाधाओं के बीच वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्थाएं विकसित की जा सकती हैं। ब्रिक्स की दिशा को इसलिए अमेरिका-विरोधी संगठन के रूप में देखना भी सही नहीं होगा। नई दिल्ली घोषणा का मूल जोर आर्थिक सहयोग, व्यापार, भुगतान व्यवस्था, विकास और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार पर है। भारत के लिए इसका महत्व इस बात में है कि वह पश्चिम और गैर-पश्चिम दोनों आर्थिक शक्तियों के साथ संवाद रखते हुए अपने लिए अधिक विकल्प तैयार कर सके। 2025-26 में भारत का ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार 417 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान भी इस समूह के बढ़ते आर्थिक महत्व को दर्शाता है।

अमेरिका की वर्तमान नीति का सबसे गंभीर प्रभाव शायद टैरिफ से भी आगे जाकर विश्वास और नीति-पूर्वानुमेयता पर पड़ सकता है। जब व्यापारिक शुल्क बार-बार विदेश नीति के दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल होते हैं, तो अन्य देश स्वाभाविक रूप से वैकल्पिक बाजार, वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाएं और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां खोजने लगते हैं। यह प्रक्रिया अमेरिका को तत्काल कमजोर कर देगी, ऐसा कहना जल्दबाजी होगीय लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि ऐसी नीतियां दूसरे देशों को जोखिम कम करने के लिए नए विकल्प तलाशने का प्रोत्साहन देती हैं। भारत के लिए यह समय प्रतिक्रिया की राजनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक तैयारी का है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए व्यापार वार्ता और संवाद के रास्ते खुले रखना आवश्यक है। साथ ही यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, आसियान, रूस और ब्रिक्स देशों में बाजारों का विस्तार, घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना, निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना और ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भी उतना ही जरूरी है। भारत की ताकत किसी एक ध्रुव से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि अनेक ध्रुवों के बीच अपने हितों के लिए पर्याप्त विकल्प बनाए रखने में है।

आज की दुनिया 1990 के दशक जैसी एकध्रुवीय व्यवस्था नहीं रही। चीन का आर्थिक विस्तार, भारत का ब?ता बाजार, रूस की ऊर्जा क्षमता, पश्चिम एशिया की रणनीतिक भूमिका और ग्लोबल साउथ की बढ़ती सामूहिक आवाज विश्व व्यवस्था को नया आकार दे रही है। ऐसे समय में किसी भी महाशक्ति के लिए दूसरे देशों पर लगातार दबाव डालकर अपनी प्राथमिकताएं मनवाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। भारत की हालिया ब्रिक्स अध्यक्षता ने यह संदेश जरूर दिया है कि भारत टकराव के बजाय संवाद, सहयोग और बहुपक्षीय विकल्पों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन आर्थिक और कूटनीतिक मंचों पर अपनी भूमिका बढ़ाई है, उनका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा जब भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए सभी प्रमुख शक्तियों से संतुलित संबंध बनाए रखे।

अमेरिका के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। उसकी आर्थिक शक्ति, डॉलर की वैश्विक भूमिका, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक गठबंधन आज भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इन्हीं शक्तियों की दीर्घकालीन प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उनका उपयोग साझेदारी और भरोसा बनाने के लिए कितना किया जाता है। यदि टैरिफ, प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का सामान्य माध्यम बनते गए, तो दुनिया के दूसरे देश अपने लिए वैकल्पिक रास्ते खोजेंगे। और यही शायद बदलती विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा संकेत है-दुनिया अमेरिका से अलग होने की घोषणा नहीं कर रही, लेकिन वह अमेरिका पर निर्भरता के विकल्प जरूर तलाश रही है। भारत के सामने इसलिए चुनौती केवल अमेरिकी टैरिफ की नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह और अधिक मजबूत करने की है। यदि भारत ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात विविधीकरण, तकनीकी आत्मनिर्भरता और बहुपक्षीय सहयोग को साथ लेकर चलता है, तो किसी भी बाहरी दबाव का सामना करने की उसकी क्षमता बढ़ेगी। यही दृढ़ता भारत की विदेश नीति को अधिक स्वायत्त और विश्व व्यवस्था को अधिक संतुलित बनाने में योगदान दे सकती है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते शनिवार को दलहनों में चना तेजी पर रहा। मसूर में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में हरि इलायची बाजार मजबूत नज़र आये। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के चलते भावों में जोरदार तेजी रही। चना बड़कर 6900 रू. क्विंटल पर आ गया। मसूर में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन पूर्वस्तर पर देखा गया। किराना जिंसों में हरि इलायची बाजार सुर्ख रहे। शक्कर में कमोवेश भाव बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4650-4750, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीर्डि?यम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100, (160) 3200, (200) 3500, (250) 3800,

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1415-1420, कपास्या 1540, धूलिया 1545, कड़ी 1550,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1485, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6500-6550, विशाल 6600-6700, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8100-8500, महाराष्ट्र लाल 8400-8800, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 235000, चॉंदी (99) 234800, टंच 234200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150400,

ईंधन कीमतों में स्थिरता जारी, विंडफॉल टैक्स कटौती बेअसर

नई दिल्ली। एजेंसी। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें शनिवार को लगातार स्थिर बनी रहीं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को दरों में कोई बदलाव नहीं किया। हालांकि, सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी, लेकिन इसका घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कीमतों पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा है। इस बीच, पेट्रोल पंप डीलर्स अब यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले नए शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर रहे हैं। सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क में 1 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। साथ ही एटीएफ पर भी 4 रुपये प्रति लीटर की राहत दी गई थी। यह कदम हालांकि घरेलू कीमतों पर सीधा असर नहीं डालेगा। प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दूसरी ओर, पेट्रोल पंप डीलर अगले महीने से लागू होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन चार्ज से छूट की मांग कर रहे हैं।

शेयर बाजार में सप्ताह भर रही उठापटक, फेड और कच्चे तेल ने बढ़ाई चिंता

मुंबई। एजेंसी। सितंबर 2026 के मध्य में भारतीय शेयर बाजार ने एक अत्यधिक अस्थिर सप्ताह का अनुभव किया। वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों की अनिश्चितता ने निवेशकों को लगातार सतर्क रखा। शुरुआती तेज उछाल के बावजूद बाजारों ने अक्सर अपनी बढ़त गंवाई और सप्ताह भर अस्थिरता बनी रही, जिससे कोई स्पष्ट दिशा नहीं मिल पाई। बीते सप्ताह सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई। मंगलवार को सेंसेक्स 200 अंक से अधिक चढ़कर 75,005.46 पर और निफ्टी 23,450 के स्तर को पार कर गया। सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक में 3 फीसदी से अधिक की मजबूत तेजी दर्ज की गई, जिसने वैश्विक चुनौतियों को धता बताया। हालांकि यह शुरुआती उत्साह ज्यादा देर तक नहीं टिक सका। बाजार ने

अपनी सारी बढ़त गंवा दी और भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 778 अंक से अधिक टूटकर 74,003.82 पर और निफ्टी 23,118.60 पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुद्ध आधार पर 2,977.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो गिरावट का एक प्रमुख कारण था। मंगलवार की भारी गिरावट के बाद बुधवार को बाजार में वैल्यू बाइंग के कारण शुरुआती उछाल दर्ज किया गया। सेंसेक्स 244 अंक और निफ्टी 77 अंक चढ़कर कारोबार कर रहा था। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बाजार में सतर्कता बनी रही। दिन के अंत में सेंसेक्स 332.63 अंक बढ़कर 74,336.45 पर और निफ्टी 99 अंक चढ़कर 23,217.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में शुरुआती गिरावट के बाद तेजी लौटी, लेकिन फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने और मौद्रिक नीति में सख्ती के संकेत के बाद बाजार लगभग सपाट बंद हुए। सेंसेक्स 21.86 अंक गिरकर 74,314.59 पर और निफ्टी मामूली 53 अंक बढ़कर 23,270.60 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को पहले दिन 39 फीसदी सदस्यता मिली।

एलपीजी और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। एजेंसी। रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। सरकारी तेल कंपनियों ने 14.2 किलो वाले घरेलू और 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर, दोनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। सितंबर महीने की शुरुआत में, सरकारी तेल कंपनियों ने केवल 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 9.50 रुपये की मामूली बढ़ोतरी की थी। घरेलू रसोई गैस की कीमतें तब भी अपरिवर्तित थीं और आज 19 सितंबर को भी स्थिर बनी हुई हैं। इसकी कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर उपभोक्ताओं की जेबों पर पड़ता है, इसलिए यह स्थिरता एक राहत भरी खबर है। ऐसे में, अगर आप शनिवार को नया सिलेंडर बुक करने का सोच रहे हैं, तो ऑर्डर देने से पहले अपने शहर की ताजा कीमत जानना जरूरी है। प्रमुख शहरों में आज के दाम इस प्रकार हैं- दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,747.50 रुपये है। मुंबई में घरेलू गैस 941.50 रुपये और कमर्शियल 2,701 रुपये पर मिल रहा है। ग्राहक एलपीजी सिलेंडर की ताजा कीमतें जानने के लिए ऑयल मार्केटिंग कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं, जहां अपनी लोकेशन चुनकर सटीक दरें देखी जा सकती हैं।

यूपीआई एमडीआर का बोझ ग्राहकों पर नहीं, सरकार बनाएगी निगरानी तंत्र

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने 15 अक्टूबर से कुछ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर लागू होने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क का बोझ ग्राहकों पर न पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए एक निगरानी तंत्र बनाने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है, जिससे व्यापारियों द्वारा संभावित मूल्य वृद्धि की आशंकाओं को दूर किया जा सके। 15 अक्टूबर से कुछ खास व्यापारियों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर लगेगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के लेनदेन के लिए यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये होगा। हालांकि, छोटे व्यापारियों (जिनका मासिक यूपीआई लेनदेन 1,00,000 रुपये तक है), 2,000 रुपये तक के पर्सन-टु-मर्चेंट लेनदेन और परिवार व दोस्तों के बीच के पीयर-टु-पीयर लेनदेन को इस शुल्क से पूरी तरह छूट मिलेगी। एमडीआर लागू होने के बाद यह चिंता जताई जा रही थी कि व्यापारी इन शुल्कों की भरपाई के लिए कीमतों में वृद्धि कर सकते हैं। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस बात की निगरानी की जाएगी कि व्यापारी एमडीआर का बोझ ग्राहकों पर न डालें। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह तंत्र किस प्रकार का होगा, क्योंकि अनुचित मुनाफाखोरी को रोकने के लिए फिलहाल कोई कानूनी ढांचा मौजूद नहीं है। सरकार एमडीआर पर 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी लगाएगी, लेकिन पंजीकृत कारोबारी चुकाए गए कर पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा कर सकेंगे। अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि एमडीआर लागू करने का फैसला किसी बाहरी दबाव में नहीं लिया गया है, जैसा कि यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) रिपोर्ट से संबंधित आरोपों में कहा जा रहा था। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे लेकर स्पष्टीकरण दिया था।

मेष- आज का दिन आपको थोड़ा संभलकर आगे बढ़ने की सलाह दे रहा है। परिस्थितियां पूरी तरह आपके पक्ष में नहीं रहेंगी, इसलिए जल्दबाजी या लापरवाही से बचना बेहतर होगा। चोट-चपेट या अचानक किसी परेशानी में पड़ने की आशंका बन सकती है, इसलिए वाहन चलाते समय और दैनिक कामकाज में सावधानी रखें। स्वास्थ्य भी कुछ कमजोर रह सकता है।

वृषभ- आज आपके लिए राहत और प्रगति दोनों के संकेत हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और कामकाज में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरी करने वालों को उच्च अधिकारियों का समर्थन और प्रशंसा प्राप्त होगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। रोजगार और करियर की स्थिति मजबूत रहेगी। स्वास्थ्य में भी सुधार महसूस होगा।

मिथुन- आज परिस्थितियां आपके लिए धीरे-धीरे अनुकूल होती दिखाई देंगी। जो लोग अब तक आपके विरोध में थे, वे भी आपके करीब आने या मित्रता का हाथ बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी अनुभवी या बुजुर्ग व्यक्ति का आशीर्वाद और मार्गदर्शन आपके लिए बेहद उपयोगी रहेगा। ज्ञान और नई चीजें सीखने की इच्छा बढ़ेगी।

कर्क- काफी समय बाद आज आपको परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव महसूस हो सकता है। कामकाज और व्यापार में आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी और मेहनत का परिणाम भी मिलने लगेगा। आपके साहस और प्रयास रंग लाएंगे। प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में भी पहले की तुलना में सुधार दिखाई देगा। हालांकि खर्च कुछ ज्यादा हो सकता है, खासकर शुभ कार्यों में धन खर्च होने के योग हैं।

सिंह- आज आपके सामने कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं और कोई अच्छी खबर आपका मन प्रसन्न कर सकती है। धन का आगमन होने के संकेत हैं, लेकिन इस समय सबसे जरूरी बात यह होगी कि आने वाले धन को संभालकर रखें। किसी को उधार देने या बिना सोचे-समझे पैसे खर्च करने से बचें।

कन्या- आज आपके भीतर एक नई सकारात्मक ऊर्जा महसूस होगी। मन में उत्साह रहेगा और कई कामों को पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की क्षमता बढ़ेगी। स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी रहेगी और प्रेम तथा संतान से जुड़े मामलों में भी सुखद परिणाम मिल सकते हैं। व्यापार करने वालों के लिए समय विशेष रूप से लाभकारी है। यदि आप किसी नए काम, योजना या कारोबारी विस्तार के बारे में सोच रहे हैं तो परिस्थितियां आपका साथ दे सकती हैं।

तुला- आज खर्चों की अधिकता आपको थोड़ा परेशान कर सकती है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, वरना आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। सिरदर्द या आंखों से जुड़ी हल्की परेशानी भी रह सकती है, इसलिए आराम और अपनी दिनचर्या का ध्यान रखें। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक दूरी या रूखापन रिश्ते में तनाव पैदा कर सकता है, इसलिए बातचीत में गर्मजोशी बनाए रखें।

वृश्चिक- आज आपकी आमदनी बढ़ाने के कई रास्ते खुल सकते हैं। पुराने स्रोतों से भी धन आता रहेगा और कमाई के नए अवसर भी सामने आ सकते हैं। सरकारी क्षेत्र या सरकारी तंत्र से जुड़े किसी काम में प्रगति होने की संभावना है। यात्रा का योग भी बन रहा है और यह यात्रा आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार तीनों ही मोर्चों पर दिन अच्छा रहेगा।

धनु- आज कई मोर्चों पर सफलता आपके कदम चूम सकती है। कोर्ट-कचहरी या किसी कानूनी मामले में जीत मिलने की संभावना है। पिता का सहयोग और मार्गदर्शन भी आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापार की स्थिति मजबूत होगी और कामकाज में स्थिरता आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा, जिससे निजी जीवन में भी सुख और संतोष मिलेगा।

मकर- आज भाग्य आपका साथ देने के लिए तैयार है। जिन लोगों को आप अपना विरोधी समझते थे, उनका रवैया भी नरम पड़ सकता है। किसी गहरे या रहस्यमय विषय को समझने का अवसर मिलेगा और बुजुर्गों का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। हालांकि प्रेम संबंधों या विपरीत लिंग से जुड़े किसी रिश्ते में छोटी-मोटी अनबन हो सकती है, इसलिए बात को बढ़ाने से बचें।

कुंभ- आज आपको थोड़ा सावधान रहकर चलने की जरूरत है। परिस्थितियां कुछ समय के लिए प्रतिकूल हो सकती हैं, इसलिए कोई बड़ा जोखिम लेने या जल्दबाजी में निर्णय करने से बचें। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें और अपनी दिनचर्या को लापरवाही से न लें। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में स्थितियां अच्छी रहेंगी और व्यापार भी सामान्य से बेहतर चल सकता है। बस आज आपको अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाने की आवश्यकता है। गणेश जी का स्मरण करना शुभ रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए आनंद और प्रेम से भरा रह सकता है। प्रेमी-प्रेमिका के बीच मुलाकात और नजदीकी बढ़ने के योग हैं। जो लोग विवाहित हैं, उनके रिश्ते में भी प्रेम, अपनापन और भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। नौकरी और कामकाज की स्थिति अच्छी रहेगी तथा स्वास्थ्य में भी सुधार महसूस होगा। मन में उत्साह और जीवन में रंगीनियत बनी रहेगी।

शब्दजाल - 8396

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ड़	ल	ड़	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	लं	या	तू	ग	ड़	ध
जी	क	ल	ल	ह	झ	पू	ग	ण	घ	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	व	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

शब्द जाल में उत्तरांचल के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अल्मोडा, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल, हरिद्वार, नैनीताल, रुद्रप्रयाग, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी

शब्दजाल - 8395 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 263 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 17.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 04.35 बजे प्रात: को समाप्त।
योग सौभाग्य 15.23 बजे को समाप्त।
करण कौलव 17.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872838
जूलियन दिन 2461303.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 08
विशेष नवाखाई।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.35 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	07.50 बजे से
मंगल	कर्क में	वृश्चिक	10.05 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.21 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.26 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.12 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.16 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.56 बजे से
		मिथुन	22.54 बजे से
		कर्क	01.07 बजे से
		सिंह	03.23 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7330

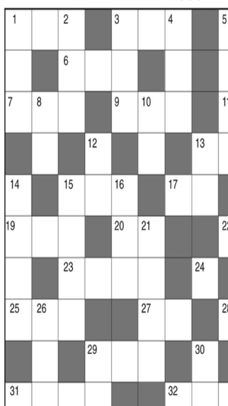

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंद्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२. 'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंद्र, जयप्रदा की एक पारिवारिक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7329

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	ग		गैं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		ग		डॉ	न
या		आ	न		कि	ना	ग		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		पा	पी			ग	जा		
सा	ग	र		ग	खी		ने	पा	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सफलता का रहस्य

किसी गांव में रमेश और दीपक नामक दो मूर्तिकार रहते थे। रमेश की बनाई प्रतिमाएं इतनी सुंदर होती थीं कि लोग उन्हें मुंहमांगे दामों पर खरीद लेते थे। दीपक की मूर्तियां कोई नहीं खरीदता था। एक दिन दीपक ने देखा कि रमेश प्रतिमाएं बनाने में व्यस्त है। उस समय पास से एक सेठ की बरात गुजर रही थी। बरात में बहुत सारे लोग शामिल थे। ढोल-नगाड़े बज रहे थे और आतिशबाजी भी हो रही थी। रमेश प्रतिमाएं बनाने में व्यस्त रहा, उसने बरात की ओर देखा तक नहीं। यह देखकर दीपक रमेश के पास पहुंचा और बोला, 'अभी यहां से बरात गुजरी थी। गांव के सभी लोगों ने अपने-अपने काम छोड़कर बरात को देखा, पर तुमने तो नजर भी नहीं उठाई।' दीपक की बात सुनकर रमेश भौंचक रह गया। उसने आश्चर्य से कहा, 'तुम किस बरात की बात कर रहे हो। मैंने तो किसी बरात के गुजरने की आवाज नहीं सुनी।' दीपक ने कहा, 'अरे भाई कुछ ही देर पहले एक बरात गुजरी है। सभी ने उसे देखा और ढोल-नगाड़ों की आवाज भी सुनी। ऐसा कैसे हो सकता है कि तुम्हें पता ही न लगा हो?' दीपक की बात सुनकर रमेश बोला, 'मैं जब अपना कार्य करता हूं तो मेरा संपूर्ण ध्यान सिर्फउस कार्य पर ही केंद्रित रहता है। यहां तक कि उस समय मुझे अपने शरीर की भी सुध नहीं रहती।' रमेश की बात सुनकर दीपक को उसकी सफलता का कारण समझ में गया। वह जान गया कि एक कलाकार के लिए एकाग्रता सबसे बड़ी चीज है। उस दिन से वह भी ध्यान लगाकर काम करने लगा।

सूडोकु नवताल- 7639

★★★☆☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल - 7638 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8854

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8853 का हल

	र	ह	म	त		म		
	ह		द		प	न	घ	ट
स	ब	ल		वी	रा	न		क
	र	की	ब		या		ना	रा
स		र	ज	त	प	ट		ब
र	वि		ब		न	ह	र	
ह		म	जा	क		नी	वा	ला
द	फ	ना	ना		सा		य	
		ही		ग	फ	ल	त	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

किसान गर्जना संगठन ने किसानों की समस्याओं व मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भावांतर योजना वापस लेने और रू. 3100 क्विंटल में धान खरीदी की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। धान खरीदी को लेकर किसान गर्जना संगठन ने किसानों की समस्याओं और मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने भावांतर भुगतान योजना को वापस लेकर पूर्व व्यवस्था के अनुसार सहकारी समितियों के उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी शुरू करने की मांग की है। संगठन ने धान की खरीदी रू. 3100 प्रति क्विंटल की दर से किए जाने पर भी जोर दिया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने ज्ञापन में कहा कि लांजी क्षेत्र के धान उत्पादक किसान भावांतर भुगतान योजना को लेकर चिंतित हैं। किसानों के अनुसार इस व्यवस्था में उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए मंडियों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। लांजी क्षेत्र के कई किसानों के लिए मंडी की दूरी करीब 80 से

85 किलोमीटर तक होने की बात ज्ञापन में कही गई है। ऐसे में धान को मंडी तक पहुंचाने में परिवहन खर्च बढ़ने के साथ किसानों का समय भी अधिक खर्च होगा।

रू. 3100 प्रति क्विंटल खरीदी की मांग

ज्ञापन में संगठन ने कहा कि धान उत्पादक किसानों से रू. 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का वादा किया गया था। संगठन का दावा है कि इस वादे को करीब तीन वर्ष बीत चुके हैं। ऐसे में किसानों से किए गए वादे के अनुरूप धान खरीदी शुरू करने की मांग की गई है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ये रहे उपस्थित

ज्ञापन सौंपने के दौरान किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी, जिला महामंत्री पंकज चौधरी, विनोद पटले, विवेश सोमनकर, नरेंद्र उईके, गणेश सातपुते, रविन्द्र कारमेगेव सहित अन्य पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

नांदी पेट्रोल पंप के पास अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

एसडीएम विजय सिंह यादव ने की कार्रवाई, बिना नंबर प्लेट और ई-टीपी के परिवहन करते मिला वाहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटंगी विजय सिंह यादव ने क्षेत्र भ्रमण एवं निरीक्षण के दौरान नांदी पेट्रोल पंप के पास अवैध रेत का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। जांच के दौरान ट्रैक्टर में नंबर प्लेट नहीं लगी मिली तथा चालक के पास रेत परिवहन से संबंधित वैध रॉयल्टी अथवा ई-टीपी भी नहीं पाया गया।

एसडीएम श्री यादव ने तत्काल तहसीलदार कटंगी एवं तहसीलदार तिरोड़ी गीता राहांगडाले को मौके पर बुलाया। अधिकारियों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध रेत सहित जब्त किया गया। इसके बाद वाहन को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए थाना कटंगी की अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया गया।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई जारी

एसडीएम विजय सिंह यादव ने कहा कि कटंगी अनुभाग में अवैध रेत के उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध दस्तावेजों के रेत का परिवहन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों की इस कार्रवाई से अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

अनिल रामटेक्कर का हृदयाघात से निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सालेटेकरी रोड निवासी सेवा सहकारी समिति लांजी में सेल्समैन के पद पर कार्यरत अनिल रामटेक्कर पिता गेंदलाल रामटेक्कर का शनिवार 19 सितंबर को हृदयाघात के चलते 53 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि अनिल रामटेक्कर ने शनिवार सुबह करीब 11 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद परिजन एवं परिचित उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए एकत्रित हुए। शाम 5 बजे स्थानीय कोटेश्वर मोक्षधाम, लांजी में गमगीन माहौल के बीच उनका अंतिम संस्कार किया गया। अनिल रामटेक्कर अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक-संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें।

मां सिंहवाहिनी के जयघोष से गूंजा गुजरी चौक, विधि-विधान से हुआ दुर्गा पंडाल का भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व को लेकर नगर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में मां सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति, गुजरी चौक लांजी के तत्वावधान में मां दुर्गा के भव्य पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम गुरुवार 17 सितंबर को दोपहर 12 बजे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। गुजरी चौक प्रांगण में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में धार्मिक विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां जगदंबा का पूजन-अर्चन किया गया तथा नवरात्रि महोत्सव के निर्विघ्न एवं मंगलमय आयोजन की कामना की गई। भूमि पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने मां सिंहवाहिनी के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और सर्वजन कल्याण की प्रार्थना की। जैसे ही पूजा-अर्चना का क्रम आगे बढ़ा, श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए 'जय माता दी' के जयघोष से पूरा गुजरी चौक भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। धार्मिक परंपरा में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले भूमि पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए समिति द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन कर दुर्गा पंडाल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। भूमि पूजन के साथ ही आगामी शारदीय नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों को भी धार्मिक रूप से गति मिल गई है। समिति से जुड़े सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना के साथ श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। भव्य पंडाल में मां भगवती के दर्शन एवं पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को लेकर समिति द्वारा आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने मां भगवती से लांजी नगर एवं क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि, खुशहाली और सर्वजन कल्याण की कामना की। इस अवसर पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने मां सिंहवाहिनी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगर परिषद की हांका गैंग ने 15 पशुओं को पकड़ कर गौशाला पहुंचाया

चेतावनी के बावजूद पशु मालिक नहीं सुधरे तो कार्रवाई जारी रखने के दिए संकेत

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में आवारा मवेशियों की समस्या लगातार परेशानी का कारण बनी हुई है। दिन में खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचाने और रात के समय सड़कों पर डेरा जमाने वाले मवेशियों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। शिकायतों के बाद नगर परिषद द्वारा कई बार कार्रवाई किए जाने के बावजूद समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकी है। इसी क्रम में 19 सितंबर को नगर परिषद लांजी की हांका गैंग ने विभिन्न मार्गों पर अभियान चलाकर सड़क पर विचरण कर रहे 15 मवेशियों को पकड़कर पशु वाहन से गौशाला भेजा। नगर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से आवारा मवेशियों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। नगर के आसपास के खेतों में मवेशियों के पहुंचने से किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा है। वहीं दिन और रात के समय मुख्य सड़कों एवं अन्य मार्गों पर मवेशियों के झुंड बैठे रहने से वाहन चालकों के लिए परेशानी के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। पूर्व में भी सड़कों पर बैठे मवेशियों के कारण दुर्घटनाएं होने की स्थिति सामने आती रही है।

सीएमओ ने जारी की थी सख्त चेतावनी

मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने ने विगत दिवस आदेश जारी कर पशु मालिकों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वे अपने मवेशियों को आवारा विचरण न करने दें। आदेश में कहा गया था कि आवारा मवेशियों के कारण किसानों की फसलों को नुकसान हो सकता है तथा सड़कों पर विचरण करने से अप्रिय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। नगर परिषद ने स्पष्ट किया था कि यदि पशु मालिक अपने मवेशियों को खुले में छोड़ते हैं तो नगर परिषद की हांका गैंग द्वारा उन्हें पकड़कर गौशाला भेजा जाएगा। कार्रवाई के बाद किसी प्रकार की सुनवाई मान्य नहीं होने की चेतावनी भी दी गई थी।

अब सवाल-कब सुधरेंगे पशु मालिक ?

नगर परिषद की लगातार कार्रवाई के बावजूद यदि मवेशी फिर सड़कों और खेतों में नजर आ रहे हैं तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर पशु मालिक अपने मवेशियों को खुले में छोड़ने से कब बाज आएंगे? नगर परिषद की कार्रवाई के बाद भी समस्या दोबारा सामने आना इस बात का संकेत है कि केवल मवेशियों को पकड़ना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पशु मालिकों की जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है। 19 सितंबर को हुई कार्रवाई में 15 मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा गया। नगर परिषद की इस कार्रवाई से एक ओर जहां सड़क पर आवारा मवेशियों की संख्या कम करने का प्रयास किया गया है।

चिंचटोला में एकता गणेश उत्सव समिति ने कराया महा प्रसाद आयोजित

गणेश उत्सव के पंचमी पर्व पर श्रद्धालुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणेश उत्सव के अवसर पर एकता गणेश उत्सव समिति चिंचटोला द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। समिति द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा विधि-विधान के साथ स्थापित की गई है, जहां प्रतिदिन सुबह एवं शाम महाआरती के साथ पूजा-अर्चना की जा रही है। गणेश उत्सव के पंचमी पर्व के अवसर पर 18 सितंबर को महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और महाप्रसादी ग्रहण की।

लगातार दो दिनों से चल रहा भंडारा

एकता गणेश उत्सव समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए लगातार दो दिनों से भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। महाभंडारे में आसपास के क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसादी ग्रहण की। समिति के सदस्यों ने सेवा भाव के साथ श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरित की। गणेश उत्सव को लेकर चिंचटोला में इन दिनों भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। गणपति पंडाल में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है। शाम के समय आयोजित महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान श्री गणेश की आराधना कर रहे हैं।

सुबह-शाम महाआरती, विधि-विधान से पूजा-अर्चना

समिति द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा की प्रतिदिन सुबह एवं शाम महाआरती की जा रही है। समिति के सदस्य नियमित रूप से विधि-विधान के साथ पूजा-पाठ में शामिल होकर भगवान गणेश की आराधना कर रहे हैं। महाआरती के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठता है। समिति सदस्यों ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए प्रतिदिन पूजा-अर्चना की जा रही है। साथ ही श्रद्धालुओं की सहभागिता से विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

धार्मिक आयोजन के साथ सेवा का संदेश

एकता गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित महाभंडारा धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सेवा और सामाजिक सहभागिता का भी संदेश दे रहा है। समिति के सदस्यों ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया। गणेश उत्सव के चलते चिंचटोला में बने भक्तिमय माहौल से श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है। समिति का प्रयास है कि गणेश उत्सव को श्रद्धा, भक्ति, सेवा और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए तथा अधिक से अधिक लोग धार्मिक आयोजनों में सहभागी बनें।

वारासिवनी से बसपा के हजारों कार्यकर्ता बालाघाट कार्यक्रम में हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । नगर से बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में १९ सितम्बर को बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यकर्ता पूर्व बसपा जिला प्रभारी दीपक मेश्राम के नेतृत्व में शामिल हुए। जहाँ उनके द्वारा जिले में आयोजित महाराजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह बलिदान दिवस कार्यक्रम में भाग लिया गया। दीपक मेश्राम ने बताया की बालाघाट में गोंडवाना साम्राज्य के राजा शंकर शाह और उनके बेटे रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन बहुजन समाज पार्टी के द्वारा आयोजित किया गया है। यह लोकसभा स्तर का कार्यक्रम है जिसमें वारासिवनी से भी बड़ी संख्या में लोग जा रहे हैं। इस दौरान करीब ५५ फोर व्हीलर और बाकी मोटरसाइकिल से कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रही हैं। इस प्रकार क्षेत्र से १००० लोग कार्यक्रम के लिए रवाना हुए हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में शनिवार को जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। प्रतियोगिताओं में जिले के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे करीब 200 भैया-बहनों ने सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा के सचिव सचिन अग्रवाल रहे। अध्यक्षता बारेलाल बढ़घैया ने की। कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति के सचिव विजय रामटेक्कर, पूर्व प्राचार्य एवं समिति सदस्य टीडी लिल्हारे, पूर्व उपाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुखपाल भर्रे, खंड कार्यवाह योगेंद्र दहीकर, सहसचिव दुर्गा रामटेक्कर, पूर्व सचिव रमेश आसटकर, जिला बौद्धिक प्रमुख अनीता सिरसाज, जिला वैदिक गणित प्रमुख रविंद्र मारवाड़े, जिला विज्ञान प्रमुख त्र्यंबक भगत एवं प्रधानाचार्य सदरुलाल बोहने मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद वाणी वंदना प्रस्तुत की गई। अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। श्रीमती वर्षा महोबिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिताओं से निखरती है प्रतिभा

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए श्री गोस्वामी ने कहा कि अखिल भारतीय सरस्वती शिक्षा परिषद एवं महाकोशल प्रांत की योजना के अनुसार प्रतिवर्ष इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इनका उद्देश्य भैया-बहनों की बौद्धिक क्षमता को निखारना तथा उनके मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और देशभक्ति से भी परिचित होने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि देशभर में करीब 30 हजार सरस्वती विद्यालय संचालित हैं, जहां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

पूर्व छात्र ने विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

मुख्य अतिथि सचिन अग्रवाल ने कहा कि वे स्वयं भी इसी विद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्कारों की बदौलत आज उन्हें इसी विद्यालय के मंच पर अतिथि के रूप में बैठने का अवसर मिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा अपने विद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। पूर्व प्राचार्य टीडी लिल्हारे ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सभी प्रतिभागी पूरी तैयारी के साथ आए हैं। प्रतियोगिता में यदि किसी स्तर पर कमी रह जाती है तो उसे असफलता न मानते हुए अगले अवसर के लिए नई ऊर्जा और उमंग के साथ तैयारी करनी चाहिए।

आयोजन के लिए सहयोग राशि भी दी

कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष बारेलाल बढ़घैया ने आयोजन के सहयोगार्थ 11 हजार रुपए तथा सदस्य टीडी लिल्हारे ने 1100 रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने निर्णायक बंधु-भगिनी से निष्पक्षता के साथ प्रतियोगिताओं का संचालन करने और सभी प्रतिभागियों के साथ समान व्यवहार करने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष निर्णय से सभी विद्यालयों में सकारात्मक संदेश जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न बौद्धिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिताओं के बाद प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आचार्य परिवार, निर्णायक बंधु-भगिनी, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर गोंदिया में प्रशासन की बड़ी तैयारी

15 अक्टूबर को महाशिविर, सांसद जैन, विधायक अग्रवाल ने दिए अत्यधिक लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। गोंदिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत अब शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक सीधे पहुंचाने की कवायद तेज हो गई है। इसी उद्देश्य से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में 18 सितंबर को उपविभागीय अधिकारी कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों को लाभार्थियों को चिन्हित करने, लंबित प्रकरणों का निराकरण करने और योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सांसद राजेंद्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल, एसडीओ चंद्रभान खंडाइत, तहसीलदार शमशेर पठान, अपर तहसीलदार श्रीकांत कांबले, पंचायत समिति सभापति मुनेश रहांगडाले, कृउबास सभापति चेतन बहेकार, जिला शल्य चिकित्सक पुरुषोत्तम पटले, चेतालीसिंह नागपुरे, छत्रपाल तुरकर, केतन तुरकर सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी एवं ग्रामीण अंचल के प्रमुख नागरिक उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया गया कि अभियान का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि पात्र व्यक्ति को योजना से जोड़ना, आवेदन एवं दस्तावेजों में हुई त्रुटियों को दूर करना और जहां संभव हो वहां शासकीय सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं के लिए लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित करने और निर्धारित अवधि में अधिकतम पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए।

पट्टे से लेकर जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र तक सेवाओं का लाभ

अभियान के तहत गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में किसानों सहित आम नागरिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के पट्टे, फेरफार नोंद, 7/12 एवं 8-अ अभिलेखों को अद्यतन करना, स्वामित्व सनद, दिव्यांग प्रमाणपत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, विवाह पंजीयन, संपत्ति हस्तांतरण, नॉन-क्रिमिलेयर प्रमाणपत्र, शिधापत्रिका संबंधी सेवाएं, आधार से जुड़ी सेवाएं, वनहक्क दावे, नल एवं बिजली कनेक्शन तथा वरिष्ठ नागरिक प्रमाणपत्र जैसी सेवाओं को अभियान से जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। महाराष्ट्र सरकार की अभियान संबंधी रूपरेखा में इन सेवाओं को 'सेवा सेतू' शिविरों के माध्यम से उपलब्ध कराने का उल्लेख है। इसके अलावा किसानों से संबंधित अभिलेख एवं योजनाओं के प्रकरणों का निराकरण, पात्र लाभार्थियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ना तथा आवेदन प्रक्रिया में आने वाली अड़चनों को दूर करना भी अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी होगी।

सेवा के साथ जनभागीदारी पर भी जोर

'सेवा संकल्प अभियान' को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रखते हुए महाराष्ट्र में विभिन्न जनसेवा एवं जनभागीदारी उपक्रम भी प्रस्तावित हैं। इनमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, जलसंधारण, कचरा वर्गीकरण, सड़क सुरक्षा, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता तथा डिजिटल साक्षरता जैसे उपक्रम शामिल हैं। स्थानीय निकायों को शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन, मतदाता जागरूकता तथा 'वोकल फॉर लोकल' जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 'अंगणवाड़ी उत्सव' के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना, बाल संरक्षण संबंधी जागरूकता तथा किशोरियों के स्वास्थ्य एवं एनीमिया जैसे विषयों पर जनजागरूकता कार्यक्रम अभियान का हिस्सा होंगे। अभियान के व्यापक कार्यक्रमों में 'सेवा सेतु', 'सेवा मेरा योगदान', 'आशीर्वाद का दिया', रक्तदान शिविर तथा अन्य सेवा एवं जनजागरूकता गतिविधियां भी शामिल हैं। 'सेवा सेतु' के माध्यम से प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम करते हुए स्थानीय स्तर पर सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर है।

15 अक्टूबर को होगा महाशिविर

गोंदिया में हुई समीक्षा बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय 15 अक्टूबर को महाशिविर आयोजित करने का रहा। इस महाशिविर में अभियान के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा चिन्हित किए गए पात्र लाभार्थियों को एक ही स्थान पर शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने की व्यवस्था की जाएगी। विभागवार लक्ष्य निर्धारित कर लाभार्थियों को चिह्नित करने तथा उनके प्रकरणों को महाशिविर से पहले तैयार करने की दिशा में अधिकारियों को काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान का मूल उद्देश्य शासन की योजनाओं को कागजों और कार्यालयों तक सीमित रखने के बजाय पात्र लाभार्थी तक वास्तविक लाभ पहुंचाना है। गोंदिया में हुई समीक्षा बैठक के बाद अब विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी तय हो गई है। ऐसे में 15 अक्टूबर का महाशिविर इस अभियान के तहत गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है।

घर पर गिरी बिजली,दंपती घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी तहसील के ग्राम पंचायत पिंडकेपार/गो. अंतर्गत जमनापुर में शुक्रवार की रात करीब 11 बजे एक मकान पर बिजली गिरने से दंपती घायल हो गए. दुर्घटना के समय घर में सो रहे वृद्ध ससुर को कोई चोट नहीं आई. घटना में जनहानि टल गई, लेकिन मकान को काफी नुकसान पहुंचा है। जमनापुर निवासी सुकराम मनिराम टेकाम (51) और उनकी पत्नी मालन सुकराम टेकाम (48) हादसे में घायल हुए हैं. शुक्रवार रात क्षेत्र में गरज-चमक के साथ बारिश शुरू थी. इसी दौरान अचानक मकान पर बिजली गिरने से जोरदार आवाज हुई और घर में सो रहे दंपती घायल हो गए. घटना के समय सुकराम टेकाम, उनकी पत्नी मालन तथा उनके ससुर गणूलाल राजाराम सराटे (68) घर में सो रहे थे. गणूलाल सराटे समीप के कमरे में सोए होने के कारण सुरक्षित रहे. वहीं मकान के बीच वाले कमरे में बिजली गिरने से गड्ढे पड़ने के निशान भी दिखाई दिए. मकान की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि बिजली विद्युत वायर के माध्यम से घर में प्रवेश कर उपकरणों तक पहुंची होगी. घायल सुकराम और मालन टेकाम को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए ग्रामीण अस्पताल, देवरी में भर्ती कराया गया. घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया. बिजली गिरने से मकान को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है. वहीं देवरी पुलिस मामले की जांच कर रही है. बिजली गिरने की सटीक वजह और

नुकसान का आधिकारिक विवरण जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगा।देवरी के जमनापुर की घटना = वृद्ध ससुर बाल-बाल बचे, मकान को भारी नुकसान का आकलन किया जा रहा है,वही देवरी पुलिस मामले की जांच कर रहीं है बिजली गिरने की सटीक वजह और नुकसान का आधिकारिक विवरण जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगा।

चलती वाहन का दरवाजा खुला, हाईवे पर गिरे स्कूली बच्चे

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के ग्राम खजरी में शुक्रवार को स्कूली बच्चों को घर छोड़ने जा रही ओम्नी का पिछला दरवाजा अचानक खुल जाने से कुछ बच्चे चलती गाड़ी से सीधे राज्य महामार्ग पर जा गिरे. इस घटना में एक बच्चे के सिर में चोट लगने की जानकारी है. ग्रामीणों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, खजरी स्थित लिटिल एंजल पब्लिक स्कूल में खजरी के अलावा मसवानी, खोड़सिवनी और बोथली क्षेत्र के बच्चे पढ़ते हैं. शुक्रवार को स्कूल की छुट्टी के बाद विद्यार्थियों और एक शिक्षिका को ओम्नी वाहन क्र. एमएच 35 - ई 1808 से घर छोड़ा जा रहा था. वाहन गोंदिया-कोहमारा मार्ग स्थित राज्य महामार्ग क्र. 753 से गुजर रहा था. इसी दौरान अचानक वाहन का पिछला दरवाजा खुल गया. वाहन गति में होने के कारण कुछ छोटे बच्चे सड़क पर गिर पड़े. अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई. घटना की जानकारी मिलते ही खजरी के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्चों को सड़क से सुरक्षित हटाया. इसके बाद डुग्गीपार पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस ने संबंधित वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्कूल की व्यवस्था पर भी उठे सवाल

घटना के बाद ग्रामीणों ने संबंधित स्कूल की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए हैं. ग्रामीणों के अनुसार, जहां स्कूल संचालित किया जाता है, वहां स्कूल का बोर्ड नहीं लगा है और परिसर झाड़ियों से घिरा हुआ है. ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि स्कूल संचालन के लिए स्थानीय ग्राम पंचायत की आवश्यक अनुमति ली गई है या नहीं? स्कूल को शिक्षा विभाग की मान्यता प्राप्त है या नहीं? बच्चों के परिवहन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा वाहन नियमानुसार अधिकृत है या नहीं? चालक के पास आवश्यक लाइसेंस व दस्तावेज हैं या नहीं? इन सभी पहलुओं की आधिकारिक जांच की मांग की जा रही है।

सभी स्कूल वाहनों की जांच की मांग

ग्रामीणों के अनुसार सड़क अर्जुनी तहसील की विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों के आवागमन के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है. इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन, प्रादेशिक परिवहन विभाग (आरटीओ) और शिक्षा विभाग से तहसील में स्कूली बच्चों को ले जाने वाले सभी निजी वाहनों की विशेष जांच मुहिम चलाने की मांग की जा रही है. वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, चालक की पात्रता, वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जा रहा है या नहीं तथा स्कूली परिवहन से जुड़े नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच करने की मांग पालकों व ग्रामीणों ने की है. घटना की गहन जांच कर विद्यार्थियों की सुरक्षा में लापरवाही सामने आने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग भी जोर पकड़ रही है।

शिरपूर बांध की मुख्य जलवाहिनी में लीकेज, लाखों लीटर पानी बर्बाद

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शिरपूर बांध से देवरी शहर और औद्योगिक क्षेत्र को जलापूर्ति करने वाली मुख्य जलवाहिनी में लीकेज होने से बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है. पाइपलाइन फटने के कारण तेज दबाव से पानी बाहर निकल रहा है और आसपास के क्षेत्र में पानी जमा होने के साथ कीचड़ और गड्ढों की स्थिति बन गई है. स्थानीय नागरिकों का दावा है कि पिछले कुछ समय से लीकेज जारी रहने के कारण प्रतिदिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। शिरपूर बांध से देवरी शहर को होने वाली जलापूर्ति नागरिकों की दैनिक जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण है. इसी जलवाहिनी से औद्योगिक क्षेत्र को भी पानी पहुंचाया जाता है. ऐसे में मुख्य पाइपलाइन में लगातार लीकेज से बड़ी मात्रा में पानी का बहना चिंता का विषय बना हुआ है. नागरिकों का कहना है कि एक ओर

पानी की प्रत्येक बूंद बचाने की अपील की जाती है, वहीं दूसरी ओर शहर को जलापूर्ति करने वाली मुख्य जलवाहिनी से ही बड़ी मात्रा में पानी बहकर बर्बाद हो रहा है. इससे उपलब्ध जलस्रोत का अनावश्यक अपव्यय होने के साथ जलवाहिनी के रखरखाव व नियमित मरम्मत व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पानी बचाने की अपील पर सवाल

प्रशासन की ओर से नागरिकों से पानी का किफायती उपयोग करने और जलसंचय की अपील की जाती है. लेकिन मुख्य जलवाहिनी में लीकेज के कारण बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद होने से इन प्रयासों की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं. लीकेज के कारण आसपास के क्षेत्र में भी नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो लीकेज बढ़ने की आशंका है. इससे भविष्य में देवरी शहर व औद्योगिक क्षेत्र की जलापूर्ति भी प्रभावित हो सकती है, ऐसी आशंका नागरिकों ने व्यक्त की है।

तत्काल मरम्मत की मांग

परिसर के नागरिकों ने संबंधित विभाग से मुख्य जलवाहिनी का तत्काल निरीक्षण कर लीकेज का कारण पता लगाने और मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की है. साथ ही जलवाहिनी की नियमित देखभाल व समय-समय पर आवश्यक मरम्मत पर भी ध्यान देने की मांग की गई है।

तिरोड़ा-गोरेगांव में 45,316 मतदाताओं के नाम बाहर

अंतिम मतदाता सूची से पहले नाम जांचने की अपील

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के बाद 45 हजार 316 मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची से बाहर किए गए हैं. इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने से मतदाता सूची में बड़ा बदलाव होने की संभावना है. लेकिन, दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया पूरी होने और अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान सामान्यत: मृत मतदाताओं के नाम हटाने, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान करने, स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम हटाने तथा पात्रता से संबंधित अन्य मामलों की जांच की जाती है. तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र में भी इसी प्रक्रिया के तहत नामों का पुनरीक्षण किया गया है. वर्तमान में हटाए गए 45 हजार 316 नामों में कितने मृत मतदाता, कितने स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता तथा कितने दोहरी या अन्य वजहों से हटाए गए हैं, इसका कारणवार अधिकृत विवरण सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा. इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने के बाद आगामी चुनाव के लिए तैयार होने वाली अंतिम मतदाता सूची पर इसका सीधा असर पड़ सकता है. इसलिए विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता के लिए यह जरूरी है कि वह अंतिम सूची जारी होने से पहले अपना नाम, मतदान केंद्र और अन्य विवरण अवश्य जांच लें।

गलती से नाम हटने पर दावा-आपत्ति का मौका

पुनरीक्षण के दौरान यदि किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हट गया है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत नाम शामिल कराने के लिए दावा या आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है. जिन मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में नहीं होने का संदेह है, वे समय रहते इसकी जानकारी लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें. मतदाताओं से अपील है कि अंतिम सूची जारी होने का इंतजार न करते हुए अपने नाम और मतदान केंद्र की जानकारी समय रहते जांच लें. इससे पात्र मतदाता का नाम सूची से बाहर रह जाने की स्थिति में निर्धारित अवधि में आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी।

हक की सड़कों के लिए पांच गांवों का हल्लाबोल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्षों से लंबित सड़कों के निर्माण को तत्काल मंजूरी देने की मांग को लेकर भजेपार, अंजोरा, रामपुर, गांधीटोला और बोदलबोडी ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले गांवों के नागरिक अब निर्णायक आंदोलन के मूड में हैं. सड़क की मांग को लेकर पांचों गांवों के ग्रामीण एकजुट हो गए हैं. मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन सामूहिक धरना आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में 18 सितंबर को भजेपार ग्राम पंचायत कार्यालय में पांचों गांवों के ग्राम पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीणों की संयुक्त बैठक हुई. बैठक में लंबे समय से लंबित सड़क निर्माण के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई. ग्रामीणों ने कहा कि खराब और अधूरी सड़कों के कारण नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों तथा रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार, 28 सितंबर को दोपहर 12 बजे खुटीनाला, भजेपार में अनिश्चितकालीन सामूहिक धरना शुरू किया जाएगा. ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक सड़क निर्माण को मंजूरी नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी

रहेगा. ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भजेपार-कन्हारटोला-रामपुर हाईवे मार्ग, अंजोरा-भजेपार मार्ग, बोदलबोडी-भजेपार मार्ग तथा गांधीटोला-भजेपार मार्ग के निर्माण को तत्काल मंजूरी देने की मांग की है. इन मार्गों पर आवश्यक पुलों के निर्माण को भी मंजूरी देने की मांग की गई है. ग्रामीणों के अनुसार बारिश के मौसम में इन मार्गों की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है. इससे गांवों का संपर्क प्रभावित होने के साथ विद्यार्थियों, किसानों और आम नागरिकों के दैनिक आवागमन में बड़ी दिक्कतें आती हैं. ग्रामीणों ने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए पक्की और गुणवत्तापूर्ण सड़कें बुनियादी आवश्यकता हैं।

अब मांग नहीं, आंदोलन का रास्ता

बार-बार मांग करने के बावजूद सड़क निर्माण का प्रश्न लंबित रहने से पांचों गांवों के ग्रामीणों ने अब आंदोलन का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया है. हमारी सड़क-हमारे गांव का विकास की भूमिका के साथ ग्रामीणों ने एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प व्यक्त किया है. आंदोलन में भजेपार, अंजोरा, रामपुर, गांधीटोला और बोदलबोडी ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों व टोलों के नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है. ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि सड़क निर्माण को मंजूरी मिलने तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा.

युवक पर पत्थर से प्रहार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव थाने के तहत बोरगांव निवासी फिर्यादी रत्नदीप राजेंद्र गनवीर (26) समाज की बैठक में अध्यक्ष को वीजेंद्र मानिक मेश्राम ने समाज के कार्यक्रम के लिए अलग-अलग परिवार का चंदा क्यों नहीं दिया, ऐसा सवाल कर रहा था. इसी बीच आरोपी वीजेंद्र मानिक मेश्राम (40) ने फिर्यादी के साथ गालीगलौज कर पत्थर से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. साथ ही आगे देख लेने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार गौरीशंकर कोरे कर रहे हैं।

लाठी से प्रहार, दो घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत सिरोली निवासी फिर्यादी श्रीराम मारोती पाडवर (50) का लड़का मामा तालाब के मेड पर स्थित पेड़ काट रहा था. इसी बीच आरोपी कुशन तुकाराम पंधरे (71) ने उसके साथ विवाद कर लाठी से प्रहार कर दिया. इस दौरान फिर्यादी व उसकी पत्नी बीचबचाव करने आए तो फिर्यादी पर भी लाठी से प्रहार कर दिया. जिसमें फिर्यादी व उसका लड़का घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बंजार कर रहे हैं।

तबीयत बिगड़ने से वृद्ध की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में 60 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को तबीयत बिगड़ने भर्ती किया गया. इसी बीच उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी डञ. उषा खाटीक की शिकायत पर शहर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सुनील भांडारकर कर रहे हैं।

सांसद प्रफुल पटेल आज गोंदिया में

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल गोंदिया जिले के दौरे पर हैं. वे 20 सितंबर को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक बगीचा, रामनगर स्थित निवास स्थान पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान सांसद राजेंद्र जैन सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे. बैठक में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संवाद किया जाएगा. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की गई है।

ज्यादा शराब पीने से युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत सावंगी निवासी भुवनसिंग महाजनसिंग मच्छिरके (33) रात में खाना न खाते हुए शराब के नशे से सो गया. दूसरे दिन 18 सितंबर को वह मृत अवस्था में मिला. फिर्यादी तुफानसिंग महाजनसिंग मच्छिरके (59) की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस नायक निमजे कर रहे हैं।

43 में से 36 खेलों के कुल 256 इवेंट में हिस्सा लेगा भारत

एशियन गेम्स का आगाज , भारत के 314 खिलाड़ी पहली बार उतरेंगे, वैभव सबसे कम उम्र के

नागोया, एजेंसी।

एशियन गेम्स का 20वां एडिशन आज से जापान के आइची-नागोया में शुरू हो रहा है। इसमें 45 देशों के खिलाड़ी 43 खेलों के 469 मेडल इवेंट में हिस्सा लेंगे।

तूर की जगह कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत होंगे भारत के ध्वजवाहक

अनुभवी कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में तजिंदरपाल सिंह तूर की जगह भारत के ध्वजवाहक होंगे। शॉट पुट के एथलीट तूर के पास इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए औपचारिक फिट नहीं है जिसके कारण उनकी जगह सहरावत को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। इस समारोह के दौरान राष्ट्रीय दल का नेतृत्व करने में तूर को निशानेबाज मनु भाकर का साथ देना था।

एशियन गेम्स की शुरूआत भारत से हुई

एशियन गेम्स पहली बार 1951 में नई दिल्ली में हुए थे। तब 11 देशों ने 6 खेलों में हिस्सा लिया था। भारत ने अब तक दो बार, 1951 और 1982 में, इन खेलों की मेजबानी की है। एशियन गेम्स की नींव सिर्फ खेल प्रतियोगिता के तौर पर नहीं पड़ी थी। 1947 में नई दिल्ली में हुए एशियाई संबंध सम्मेलन में एशियाई देशों के बीच एकता और सहयोग की बात सामने आई थी। चार साल बाद इसी विचार ने खेल आयोजन का रूप लिया। भारत के 501 खिलाड़ी 36 खेलों में उतरेंगे। इनमें 267 पुरुष और 234 महिलाएं हैं। 314 खिलाड़ी पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। यानी दल का करीब 63% हिस्सा डेब्यूटेंट है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय दल के सबसे युवा और 55 साल की श्रुति वोरा सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। वैभव क्रिकेट और श्रुति घुड़सवारी में हिस्सा लेंगी। खिलाड़ियों की संख्या के लिहाज से एथलेटिक्स में 79, हॉकी में 40, क्रिकेट और शूटिंग में 30-30, कबड्डी में 24 और रोइंग में 22 भारतीय खिलाड़ी हैं। भारत 43 में से 36 खेलों के कुल 256 इवेंट में हिस्सा लेगा। इनमें एथलेटिक्स के 43, शूटिंग के 27, कयाकिंग-कैनोइंग के 14, साइकिलिंग ट्रैक के 11 और बैडमिंटन के 7 इवेंट शामिल हैं। क्रिकेट में पुरुष और महिला दोनों टीमें टी-20 प्रारूप में खेलेंगी।

कौन-से नए खेल शामिल हुए

6 खेल पहली बार मेडल स्पोर्ट के तौर पर एशियन गेम्स कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं-

- मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स
- पैडल
- सर्फिंग
- टेकबॉल
- वर्चुअल ताइक्वांडो
- बीएमएक्स फ्रीस्टाइल

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में बॉक्सिंग, रेसलिंग, ब्राजीलियन जिउ-जित्सु और किकबॉक्सिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल होता है। टेकबॉल में फुटबॉल और टेबल टेनिस का मेल है, जबकि पैडेल टेनिस जैसा रैकेट स्पोर्ट है। वर्चुअल ताइक्वांडो में मोशन-ट्रैकिंग और वर्चुअल रियलिटी तकनीक इस्तेमाल होगी। बीएमएक्स फ्रीस्टाइल में खिलाड़ी हवा में जंप और अलग-अलग ट्रिक्स के आधार पर अंक हासिल करेंगे। इसके साथ ड्रैगन बोट, रोलर स्पोर्ट्स और माइंड स्पोर्ट्स को इस बार कार्यक्रम से बाहर कर दिया गया है।

ओलिंपिक का टिकट भी मिलेगा

आइची-नागोया एशियन गेम्स को लॉस एंजेलिस 2028 ओलिंपिक के लिए चार खेलों में क्वालिफिकेशन पाथवे बनाया गया है। आर्चरी, हॉकी, स्क्वॉश और टेनिस। स्क्वॉश में पुरुष और महिला सिंगल्स के चैंपियन को ओलिंपिक कोटा मिलेगा। हॉकी के पुरुष और महिला चैंपियन भी ओलिंपिक कोटा हासिल कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए संबंधित खेल के क्वालिफिकेशन नियम लागू होंगे।

शिवम दुबे ने रोहित शर्मा को बताया सर्वश्रेष्ठ कप्तान, धोनी के लिए दिया दिल जीतने वाला जवाब

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान क्रिकेट जगत को चौंकाते हुए बताया कि उनके लिए रोहित शर्मा सबसे अच्छे कप्तान हैं। एक कार्यक्रम के दौरान एक सवाल में जब उन्हें सर्वश्रेष्ठ कप्तान चुनने के लिए कहा गया तो उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा के बीच बिना झिझक रोहित का नाम लिया। इसके बाद सूर्यकुमार यादव, जिनकी कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीता, और मौजूदा कप्तान श्रेयस अय्यर का नाम आने पर भी दुबे रोहित शर्मा के साथ बने रहे।

हालांकि, जब अंत में महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का नाम आया, तो दुबे थोड़ा डगमगा गए। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप, 2011 वर्ल्ड कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जैसी ऐतिहासिक जीत दर्ज की हैं। माही की अगुवाई में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी पांच बार चैंपियन बन चुकी है, और शिवम दुबे उन्हीं की टीम का एक अहम हिस्सा हैं। ऐसे में उन्होंने अंत में एक ऐसा जवाब दिया जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। दुबे ने कहा, सर, मुझे यह

सवाल कई बार मिला है। तो जब मैं इंडिया के लिए खेल रहा होता हूं, तो रोहित शर्मा और जब मैं आईपीएल के लिए खेल रहा होता हूं, तो एमएस धोनी।

रोहित शर्मा को चुनने के पीछे की वजह बताते हुए शिवम दुबे ने कहा कि उन्हें रोहित भाई में वही खूबी दिखती है जो वह धोनी भाई के लिए महसूस करते हैं। रोहित भाई भी इतने सालों से क्रिकेट खेल रहे हैं और 2007 से मैदान पर हैं। दुबे ने कहा कि उन्होंने रोहित में यह क्वालिटी देखी है कि वह जानते हैं कि किस खिलाड़ी से क्या बात करनी चाहिए, उसे कैसे मोटिवेट करना चाहिए, ताकि उस पर कोई दबाव न हो और वह खुलकर खेल सके।

कप्तान के चुनाव के बाद, शिवम दुबे से यह भी पूछा गया कि उन्होंने अब तक किस सबसे मुश्किल गेंदबाज का सामना किया है और किस सबसे मुश्किल बल्लेबाज को गेंदबाजी की है। सीएसके के ऑलराउंडर ने इंग्लैंड और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अब तक का सबसे मुश्किल बॉलर बताया। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह भी मुश्किल हैं, लेकिन उनका सामना उन्होंने कम किया है क्योंकि वह उनकी टीम में हैं। सबसे मुश्किल बल्लेबाज के रूप में शिवम दुबे ने सूर्यकुमार यादव को चुना।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 की तैयारियों पर 22 को बैठक

इंदौर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को इंदौर में होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की बैठक 22 सितंबर को शाम 5.30 बजे होलकर स्टेडियम में होगी। बैठक में एमपीसीए के साथ पुलिस और प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे।

एमपीसीए के मानद सचिव सुधीर असनानी ने बताया कि बैठक में सुरक्षा, यातायात, दर्शकों के प्रवेश सहित अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा होगी। आईसीसी और बीसीसीआई के मानकों के अनुरूप तैयारियों के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता मैच आयोजन समिति के चेयरमैन व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया करेंगे। एमपीसीए के प्रेसीडेंट महाआर्यमान सिंधिया सहित पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

वनडे में सबसे तेज़ 200 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर बने जम्पा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार लेग स्पिनर एडम जम्पा ने वनडे क्रिकेट में एक नया इतिहास रचते हुए हमवतन महान शेन वॉर्न का एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में दो विकेट लेने के साथ ही जम्पा ने अपने 200 वनडे विकेट पूरे कर लिए, और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज़ लेग स्पिनर बन गए हैं। जम्पा ने अपने करियर के 123वें वनडे मैच में 200 विकेट का आंकड़ा छुआ, जबकि शेन वॉर्न ने यह उपलब्धि अपने 125वें मैच में हासिल की थी। इस विशिष्ट सूची में, जम्पा अब पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक (104 मैच) और अफगानिस्तान के राशिद खान (115 मैच) के बाद वनडे में सबसे तेज़ 200 विकेट लेने वाले तीसरे लेग स्पिनर बन गए हैं। एडम जम्पा पिछले दस साल से ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट खेल रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका नहीं मिला है। बावजूद इसके, उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप में अपनी स्पिन का जादू बिखेरा है और बिना कोई टेस्ट मैच खेले 350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वनडे में उनके अब कुल 201 विकेट और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 118 मैचों में 153 विकेट हैं।

जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए इस दूसरे वनडे मुकाबले की बात करें तो, कंगारू टीम ने पूरी तरह से दबदबा बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेविस हेड (112 रन), कूपर कॉनली (78 रन) और कप्तान मिचेल मार्श (53 रन) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 50 ओवर में 6 विकेट पर 356 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में, जिम्बाब्वे की टीम 48.3 ओवर में 272 रन बनाकर सिमट गई और 84 रनों से मैच हार गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जम्पा ने 62 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि जोश हेजलवुड, मैट रेनशॉ और कूपर कॉनली ने भी दो-दो विकेट चटकाए, जिससे टीम को एकतरफा जीत मिली।

टेकबॉल में भारत का गोल्ड मेडल का सपना टूटा

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत की क्रिम्सी डिसूजा का टेकबॉल महिला सिंगल्स में स्वर्ण पदक जीतने का सपना टूट गया है। नागोया सिटी हिगाशी स्पोर्ट्स सेंटर में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें इंडोनेशिया की इमा सुमाया के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, अब क्रिम्सी के पास कांस्य पदक जीतने का मौका बाकी है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी क्रिम्सी ने बेहद आत्मविश्वास भरी शुरुआत की और पहला सेट 12-7 के अंतर से आसानी से अपने नाम कर लिया। लेकिन सुमाया ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए, शुरुआती कमी को दूर किया और 12-9 से यह सेट जीतकर मुकाबला निर्णायक बना दिया। तीसरे और अंतिम सेट में क्रिम्सी ने 3-0 और फिर 4-1 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन सुमाया ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए डिसाइडर पर कब्जा कर लिया और उसे 12-7 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जिससे क्रिम्सी प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। इस हार का मतलब है कि क्रिम्सी अब रविवार को विश्व नंबर 7 जापान की युइना सकामोटो के खिलाफ कांस्य पदक मैच में हिस्सा लेंगी। वहां जीत से भारत को एशियन गेम्स में अपना पहला टेकबॉल मेडल मिल जाएगा। क्रिम्सी ने इससे पहले कॉन्टिनेंटल शोपीस में अपने डेब्यू में ग्रुप ए में दो जीत के साथ शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, जिसमें उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त सकामोटो को भी 2-1 से हराया था। इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे ग्रुप मैच में कंबोडिया की कोएमियन डीवाई को सीधे सेटों में 12-9, 12-7 से हराया था। टेकबॉल को पहली बार एशियाई खेलों में शामिल किया गया है। यह खेल फुटबॉल और टेबल टेनिस का मिश्रण है, जिसका आविष्कार 2014 में हंगरी में फुटबॉल के शौकीन गैबोर बोरसानी, ग्योरगी गैटियन और विक्टर हुस्जार ने किया था। पहली आधिकारिक टेकबॉल विश्व चैंपियनशिप 2017 में बुडापेस्ट में आयोजित की गई थी।

श्रीकांत बोले, वैभव बनेगा क्रिकेट का अगला स्टार

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह विश्व क्रिकेट का अगला बड़ा स्टार बनेगा। श्रीकांत के अनुसार वैभव में तीनों प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन करने का दम है और वे आगे चलकर इस खेल पर राज करेंगे। महज 15 साल की उम्र में, सूर्यवंशी ने अपने असाधारण कौशल और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। श्रीकांत ने सूर्यवंशी के अब तक के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अगर उन्हें सही तरीके से तैयार किया जाए तो वह विश्व क्रिकेट के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने युवा प्रतिभा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, वह बहुत शानदार खेल रहा है। उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए, कभी भी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। अगर उसे सही ढंग से तैयार किया जाए, तो वह भविष्य का सुपरस्टार बनेगा। वह टेस्ट क्रिकेट को उसका खोया हुआ गौरव वापस दिलाएगा। उसी की वजह से सबने दिलीप ट्रॉफी देखी। आगे चलकर वह वर्ल्ड क्रिकेट के लिए एक बहुत बड़ी संपत्ति साबित होगा।

श्रीकांत ने विश्वास व्यक्त किया कि सूर्यवंशी उच्चतम स्तर पर भी सफल होंगे। उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी में खेल के सभी प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की काबिलियत है और उन्होंने विशेष रूप से लाल-गेंद क्रिकेट में गेंदबाजों के खिलाफ उनके निडर स्ट्रोक-प्ले की सराहना की। श्रीकांत का यह समर्थन निश्चित रूप से वैभव सूर्यवंशी के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा, क्योंकि क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक इस युवा प्रतिभा के भविष्य पर करीब से नज़र रख रहे हैं। हाल ही में, वैभव सूर्यवंशी ने दिलीप ट्रॉफी के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा। उन्होंने 15 साल और 157 दिन की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया, जिसने 57 साल पुराने एक प्रतिष्ठित रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा और परिपक्वता का प्रमाण है, जो इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

यह रिकॉर्ड बनाने से पहले, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ ईस्ट ज़ोन की दिलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल जीत में बल्ले से कोई खास कमाल न दिखा पाने के बावजूद, इस 15 वर्षीय खिलाड़ी ने सेंट्रल ज़ोन के खिलाफ सेमीफाइनल में ज़बरदस्त वापसी की। सूर्यवंशी ने पहली पारी में 81 गेंदों पर शानदार 92 रन बनाए, जो एक बड़े स्कोर की नींव थी।

एशियन गेम्स सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत, फाइनल पर नजर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश के सामने होगी। मौजूदा चैंपियन भारत की कोशिश जापान के खिलाफ मिली शानदार जीत की लय बरकरार रखते हुए फाइनल में जगह बनाने की होगी। भारत और बांग्लादेश के बीच यह मुकाबला 20 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे खेला जाएगा। भारतीय टीम ने क्वार्टर फाइनल में मेजबान जापान को आठ विकेट से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए जापान को सिर्फ 57 रन पर समेट दिया। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने चार ओवर में 10 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि शेफाली वर्मा ने केवल 15 गेंदों में नाबाद 40 रन बनाकर भारत को महज पांच ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

बांग्लादेश को सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए क्वार्टर फाइनल में गेंद या बल्ले से प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिला। चीन के खिलाफ उसका मुकाबला बारिश और खराब परिस्थितियों के कारण बिना गेंद फेंके रद्द हो गया। टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर वरीयता के आधार पर बांग्लादेश को अंतिम चार में स्थान मिला। अब उसका सामना मजबूत भारतीय टीम से होगा। भारत और बांग्लादेश की हालिया भिड़ंत में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। दोनों टीमें सितंबर में महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में भी आमने-सामने हुई थीं, जहां भारत ने बांग्लादेश को 40 रन से हराया था। उस मुकाबले में शेफाली वर्मा ने 64 रन बनाए थे और भारत के स्पिन गेंदबाजों ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया था।

जापान के खिलाफ मुकाबले में भारत की स्पिन गेंदबाजी खास तौर पर प्रभावी रही। श्री चरणी के अलावा शेफाली वर्मा ने दो विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा और श्रेयंका पाटिल को एक-एक सफलता मिली। जापान के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने लगातार दबाव में रहे और पूरी टीम 57 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा की तेज पारी से भारत को आसान जीत मिली। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना को जापान के खिलाफ बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। सेमीफाइनल में दोनों अनुभवी बल्लेबाजों की मौजूदगी भारतीय शीर्ष क्रम को और मजबूती दे सकती है। भारतीय टीम के पास स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, हरमनप्रीत कौर, ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

बांग्लादेश की चुनौती उसकी स्पिन गेंदबाजी से आने की उम्मीद है। नाहिदा अख्तर और राबेया खान भारतीय बल्लेबाजों के सामने महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। भारतीय टीम हालिया प्रदर्शन और अनुभव के बावजूद सेमीफाइनल में किसी तरह की लापरवाही से बचना चाहेगी, क्योंकि एक खराब मुकाबला फाइनल की राह रोक सकता है। भारत की नजर अब लगातार दूसरे एशियन गेम्स में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीतने पर है।

बीसीसीआई एजीएम-अजीत अगरकर के भविष्य पर सस्पेंस, रांची टेस्ट की अटकलें खारिज

नई दिल्ली। मुंबई में आयोजित बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक के बाद कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें सबसे प्रमुख चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का भविष्य रहा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अगरकर के कार्यकाल, जो 4 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है, को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन काफी लंबा समय होता है और उचित समय पर फैसला लिया जाएगा। अगरकर ने बुधवार को दिल्ली में अपने मौजूदा कार्यकाल की अंतिम चयन बैठक में हिस्सा लिया था। वनडे विश्व कप 2027 को ध्यान में रखते हुए फिटनेस और खिलाड़ियों के कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर अगरकर और बीसीसीआई के बीच मतभेद की खबरें सामने आती रही हैं। इंग्लैंड दौरे की समीक्षा बैठक में उनकी गैरमौजूदगी ने इन अटकलों को और हवा दी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत-ए और सीनियर टीम की श्रृंखला जल्द ही शुरू होने वाली है, ऐसे में बीसीसीआई को चयन समिति के अध्यक्ष पद पर जल्द ही निर्णय लेना होगा। हालांकि, फिलहाल बीसीसीआई को ऐसा कोई नाम नहीं मिला है जो विश्व कप वर्ष में चयन समिति की जिम्मेदारी संभाल सके। सैकिया ने रांची में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के आयोजन स्थल को बदलने की खबरों को भी खारिज कर दिया। यह टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 से 23 फरवरी तक खेला जाना है और भारतीय टीम प्रबंधन द्वारा इसे कहीं और स्थानांतरित करने के अनुरोध की खबरें आई थीं।

एशियाई खेलों में मोहसिन नकवी से मेडल लेने पर विवाद की आशंका

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीमों के लिए एक अप्रत्याशित राजनयिक और खेल-संबंधी चुनौती सामने आ सकती है। ऐसी खबरें हैं कि पाकिस्तान के गृहमंत्री, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को पदक वितरण समारोह में आमंत्रित किया जा सकता है, जिससे भारतीय एथलीटों के सामने एक जटिल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशिया कप में नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था, और हाल ही में भारतीय महिला टीम ने भी इसी तरह का रुख अपनाया था, जिससे इस बार के एशियाई खेलों में भी बायकॉट की आशंका बढ़ गई है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, यदि ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) नकवी को पदक देने के लिए आमंत्रित करता है, तो भारतीय खिलाड़ियों को इसे स्वीकार करना पड़ सकता है। ओसीए के नियमों और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के शीर्ष सूत्रों के मुताबिक, कतर के ओसीए अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी द्वारा आधिकारिक तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भारतीय एथलीटों से अपने पदक स्वीकार करने की उम्मीद की जाएगी। यदि टीम इंडिया ऐसा करने से इनकार करती है, तो इसे ओसीए का अपमान माना जाएगा और इसके लिए गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो सकती है।

अभिषेक शर्मा ने युवराज सिंह की बराबरी की

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सीरीज में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के साथ ही अभिषेक के नाम अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल सात प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार हो गए हैं। इसके साथ उन्होंने अपने मार्गदर्शक और भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह की बराबरी कर ली है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले और तीसरे टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने बल्ले से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा पूरी सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी मिला। अभिषेक ने भारत के लिए अब तक 59 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और सात बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया है।

युवराज सिंह ने भारत के लिए 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे और सात बार प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। इस तरह पुरस्कारों की संख्या के मामले में अभिषेक ने अपने गुरु की बराबरी कर ली है। अभिषेक के पास अब इस सूची में आगे बढ़ने का मौका है। हालांकि, भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने के मामले में अभी सूर्यकुमार यादव सबसे आगे हैं। सूर्यकुमार यादव के नाम 17 प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार दर्ज हैं। उनके बाद पूर्व भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली 16 पुरस्कारों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। रोहित शर्मा 14 पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इसके बाद अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह के नाम आठ-आठ पुरस्कार हैं।

अभिषेक शर्मा और युवराज सिंह के बाद ईशान किशन और कुलदीप यादव छह-छह पुरस्कारों के साथ अगले स्थान पर हैं। वहीं संजू सैमसन ने अब तक पांच बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता है। इसी संख्या के साथ अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल भी उनके साथ हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की ओर से प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने के मामले में शिवम दुबे, तिलक वर्मा, शिखर धवन, रविचंद्रन अश्विन, दिनेश कार्तिक, भुवनेश्वर कुमार और केएल राहुल के नाम चार-चार पुरस्कार हैं।

रेप के आरोप में फंसे दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और बंगाल के लिए खेलने वाले क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को कथित बलात्कार के आरोपों में 36 दिनों की गिरफ्तारी के बाद बड़ी राहत मिली है। चुंचुड़ा कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। अभिषेक पोरेल को 11 अगस्त को कर्नाटक की एक मेडिकल छात्रा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था। छात्रा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि वह करीब साढ़े तीन साल से पोरेल के साथ रिश्ते में थीं और क्रिकेटर ने उनसे शादी का वादा किया था। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि इस रिश्ते के दौरान वे पोरेल के साथ विदेश यात्रा पर भी गए थे, लेकिन बाद में पोरेल ने शादी से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें पुलिस का सहारा लेना पड़ा।

यह शिकायत 23 जून को मोगरा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मामला दर्ज किया था, जिसके साथ-साथ धारा 311, 318 और बीएनएस के अन्य प्रावधानों के तहत भी आरोप लगाए गए थे। इसके अतिरिक्त, आईटी अधिनियम की धारा 66 और 72 के तहत भी मामले दर्ज किए गए थे। यह मामला बाद में कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंचा, जिसने पुलिस को पोरेल को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था।

गणेश पंडाल में गूंजा शिक्षा का संदेश, विद्यार्थी के रूप में विराजे गणपति

अष्टविनायक गणेश उत्सव समिति की अनूठी पहल, किताबों और विद्यार्थियों की झलक के बीच दिया हर बच्चे को शिक्षा का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में इन दिनों गणेश उत्सव का रंग पूरी तरह चढ़ा हुआ है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक जगह-जगह भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजित की गई हैं और शाम होते ही गणेश पंडालों में आरती, रोशनी और धार्मिक आयोजनों से उत्सव का माहौल दिखाई दे रहा है। सार्वजनिक समितियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की है। इसी बीच शहर के वार्ड क्रमांक 28 और 30 स्थित सरस्वती नगर में अष्टविनायक गणेश उत्सव समिति ने गणेश उत्सव को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए शिक्षा का संदेश देने वाली अनूठी थीम तैयार की है। समिति ने इस बार भगवान गणेश की प्रतिमा को विद्यार्थी के स्वरूप में विराजित किया है। प्रतिमा के आसपास स्कूल में अध्ययन करते बच्चों की छायाकृतियां, पुस्तकों और ग्रंथालय जैसी साज-सज्जा के माध्यम से ऐसा वातावरण तैयार किया गया है, जो पंडाल में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। यहां गणेश प्रतिमा के पीछे बनाई गई पूरी थीम शिक्षा पर केंद्रित है और पंडाल से गुजरने वाला हर व्यक्ति कुछ पल रुककर इस अनूठी प्रस्तुति को देखता नजर आ रहा है। अष्टविनायक गणेश उत्सव समिति के जिला अध्यक्ष अनमोल सिंह वासु ने बताया कि समिति ने इस बार जानबूझकर गणेश प्रतिमा के लिए ऐसी थीम चुनी है, जिसके माध्यम से समाज तक एक सकारात्मक संदेश पहुंचाया जा सके। उनका कहना है कि गणेश उत्सव आस्था और श्रद्धा का पर्व है, लेकिन इसी पर्व के माध्यम से समाज से जुड़े जरूरी विषयों पर संदेश देने का प्रयास भी किया जा सकता है। इसी सोच के साथ समिति ने भगवान गणेश को विद्यार्थी के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया। पंडाल में गणेश प्रतिमा के दोनों ओर विद्यार्थियों के अध्ययन करने जैसी छायाकृतियां बनाई गई हैं। वहीं पीछे की ओर पुस्तकों और ग्रंथालय की थीम तैयार की गई है। पंडाल की पूरी सजावट को इस तरह आकार दिया गया है कि भगवान गणेश के विद्यार्थी स्वरूप के साथ शिक्षा का महत्व भी दिखाई दे। समिति का उद्देश्य है कि पंडाल में आने वाले बच्चों, युवाओं और अभिभावकों के बीच शिक्षा को लेकर सकारात्मक सोच विकसित हो। समिति अध्यक्ष अनमोल सिंह वासु ने कहा कि उनका संदेश स्पष्ट है कि देश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। हर बच्चे को स्कूल जाने का अवसर मिलना चाहिए और प्रत्येक बच्चे में छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल गणेश उत्सव मनाना ही समिति का उद्देश्य नहीं है, बल्कि धार्मिक आयोजन के साथ समाजहित से जुड़ा कोई संदेश लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी है। सरस्वती नगर में तैयार किया गया यह पंडाल इन दिनों लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विशेष रूप से बच्चे और युवा यहां तैयार की गई शिक्षा आधारित थीम को रुचि के साथ देख रहे हैं। पंडाल की सजावट में धार्मिक आस्था के साथ शिक्षा को जोड़ने का प्रयास दिखाई दे रहा है, जिसके कारण यह अन्य सामान्य गणेश पंडालों से अलग नजर आ रहा है। समिति का कहना है कि गणेश उत्सव के दौरान हर साल अलग-अलग सामाजिक संदेशों को सामने लाने का प्रयास किया जा सकता है। इसी कड़ी में इस बार शिक्षा को केंद्र में रखा गया है। समिति के पदाधिकारियों के अनुसार इस पहल के पीछे किसी व्यक्ति, समाज या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई उद्देश्य नहीं है। इसका मकसद केवल बच्चों की शिक्षा और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का सकारात्मक संदेश समाज तक पहुंचाना है। गणेश उत्सव के दौरान जहां शहर के काली पुतली चौक, भटेरा, बूढ़ी सहित विभिन्न वार्डों में आकर्षक पंडाल और विद्युत सजावट श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है, वहीं सरस्वती नगर का यह शिक्षा आधारित गणेश पंडाल धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक संदेश के लिए चर्चा में है।

भारत की सुरक्षा को दोहरी चुनौती-बांग्लादेश में तुर्किये की ड्रोन यूनिट सीमा के करीब

ढाका। पाकिस्तान के बाद अब तुर्किये बांग्लादेश में भी अपनी रक्षा तकनीक का विस्तार कर रहा है, जो भारत के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है। बांग्लादेश के बोगुरा में तुर्किये के सहयोग से एक विशाल ड्रोन निर्माण फैक्ट्री स्थापित हो रही है, जिसकी अनुमानित लागत 25 हजार करोड़ रुपये है। यह स्थान भारतीय सीमा से मात्र 75 किलोमीटर दूर है, जिससे भारत की सुरक्षा को दोनों तरफ से चुनौती मिल रही है। इस परियोजना के तहत, तुर्किये बांग्लादेश को ड्रोन बनाने की अत्याधुनिक तकनीक देगा। बोगुरा, जो बांग्लादेश के उत्तरी हिस्से में स्थित है, सिर्फ ड्रोन फैक्ट्री का केंद्र नहीं बनेगा, बल्कि इसके पास ही बांग्लादेश वायुसेना का एक नया एयरबेस भी विकसित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, बोगुरा हवाई अड्डे को भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपग्रेड करने की योजना है, जो इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों की बढ़ती संभावनाओं को दर्शाता है।

भारत के लिए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि बांग्लादेश के साथ भारत की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो दुनिया की पांचवीं सबसे लंबी भूमि सीमा मानी जाती है। रक्षा जानकार के अनुसार, बांग्लादेश और तुर्किये के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। बांग्लादेश सीमा पर ड्रोन तैनात करने की योजना बना रहा है और वह सऊदी अरब, तुर्किये व पाकिस्तान के मक्का रक्षा करार में शामिल होने की इच्छा भी रखता है, जिसमें पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

तुर्किये अपनी सैन्य ड्रोन तकनीक के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है, जिनमें बायरक्तार टीबी2 जैसे ड्रोन प्रमुख हैं। उसने अपनी तकनीक कई देशों को प्रदान की है और बांग्लादेश के साथ उसका रक्षा सहयोग, विशेष रूप से ड्रोन तकनीक को लेकर, हाल के वर्षों में काफी बढ़ा है। रिपोर्ट किया था कि ड्रोन दोनों देशों के रक्षा सहयोग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दिलचस्प बात यह है कि तुर्किये की ड्रोन निर्माता कंपनी बायकर पाकिस्तान में पहले से ही सक्रिय है। 2023 में, बायकर की पाकिस्तानी सहायक कंपनी ने नेशनल एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क (एनएएसटीपी) में अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए समझौता किया था। पाकिस्तान और तुर्किये ने एयरोस्पेस, ड्रोन और रक्षा उत्पादन में संयुक्त उपक्रमों तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को लेकर भी बातचीत की है। इस प्रकार, भारत को अपनी पूर्वी और पश्चिमी दोनों सीमाओं पर एक साथ नई रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों को स्वच्छता, साइबर ठगी और नशामुक्ति के प्रति किया जागरूक

रूपझर पुलिस ने डोंगरिया में लगाई चौपाल, शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की दी समझाईश

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार रूपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती एवं पुलिस स्टाफ द्वारा 19 सितंबर को पुलिस चौकी बिठली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोंगरिया में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के माध्यम से पुलिस द्वारा ग्रामीणों से गांव में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ स्वास्थ्य, साइबर अपराध, नशामुक्ति एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूक किया गया। ग्राम चौपाल में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को घर, मोहल्ले और गांव में स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी। ग्रामीणों को बताया गया कि आसपास साफ-सफाई रखने से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। घरों के आसपास गंदगी जमा नहीं होने देने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए भी ग्रामीणों को प्रेरित किया गया।स्वास्थ्य को लेकर भी पुलिस ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब होने पर बीमारी को नजरअंदाज न करें। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल नजदीकी शासकीय अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय जांच एवं उपचार करवाने की सलाह दी गई।

साइबर ठगी से बचने की दी जानकारी

चौपाल में पुलिस द्वारा ग्रामीणों को साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पुलिस ने साइबर ठगों द्वारा लोगों को ठगी का शिकार बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया तथा ग्रामीणों से ऐसे ठगों से सावधान रहने की अपील की। ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की समझाइश दी गई।

नशे से दूर रहने की अपील

पुलिस ने ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की समझाइश दी। ग्रामीणों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ ही समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। पुलिस ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

शासकीय योजनाओं की दी जानकारी

ग्राम चौपाल के दौरान शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई। पुलिस द्वारा ग्रामीणों को पात्रता के अनुसार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने की समझाइश दी गई।ग्राम डोंगरिया में आयोजित इस चौपाल के माध्यम से पुलिस ने ग्रामीणों से पुलिस और प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखने तथा गांव में जागरूकता एवं आपसी सहयोग का वातावरण कायम रखने की अपील की।

गुजरात में 'श्री खेडूत सहकारी खांड उद्योग मंडली' में बीजेपी समर्थित पैनल सभी सीटें हारा

अहमदाबाद। गुजरात के बारडोली स्थित प्रसिद्ध 'श्री खेडूत सहकारी खांड उद्योग मंडली' के चुनाव में बीजेपी समर्थित पैनल को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में कांग्रेस समर्थित 'किसान परिवर्तन पैनल' ने जबर्दस्त प्रदर्शन कर सभी 14 सीटों पर क्लीन स्वीप किया। इस एकतरफा जीत के साथ ही दक्षिण गुजरात के इस प्रमुख चीनी सहकारी उपक्रम में सालों से कायम बीजेपी समर्थित गुट का वर्चस्व पूरी तरह खत्म हो गया। ऐसा लगता है कि गुजरात के शुगर कोऑपरेटिव सेक्टर के बढ़ते राजनीतिकरण के कारण बीजेपी को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम एक दशक तक, राज्य की 13 चालू कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रियों के बोर्ड पर बीजेपी का दबदबा रहा, लेकिन अगस्त में हुए चुनावों ने पार्टी के अंदर बढ़ती फूट को उजागर कर दिया। जिन छह कोऑपरेटिव में चुनाव हुए उनमें से दो में बीजेपी-समर्थित पैनल को विरोधी पैनलों से हार का सामना करना पड़ा। इन विरोधी पैनलों में बीजेपी के बागी नेता भी शामिल थे, जिन जगहों पर पार्टी ने अपना नियंत्रण बनाए रखा, वहां भी कुछ संस्थाओं में उसकी ताकत कम हुई है। सबसे बड़ा झटका श्री खेदुत सहकारी खंड उद्योग मंडली लिमिटेड में लगा, जहां किसानों के एक पैनल ने कोऑपरेटिव पर बीजेपी के 20 साल पुराने कब्ज़े को खत्म कर दिया। 15 सीटों में से बीजेपी समर्थित सहकार पैनल ने सिर्फ़ दो सीटें जीतीं, जबकि किसान परिवर्तन पैनल ने बाकी 13 सीटें हासिल कीं। इस पैनल में बीजेपी के बागी और कांग्रेस के उम्मीदवार शामिल थे। हारने वालों में बीजेपी के बारडोली विधायक ईश्वर परमार भी शामिल थे, वे कांग्रेस उम्मीदवार तरुण वाघेला से हार गए, जिन्हें उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में हराया था। बारडोली में इस बगावत को संगठन के अंदर के ही बीजेपी नेताओं का समर्थन भी हासिल था। किसान परिवर्तन पैनल से चुने गए लोगों में सूरत ज़िला पंचायत की बीजेपी अध्यक्ष भाविनी पटेल के पति अतुल पटेल भी शामिल थे। बता दें 1955 में गुजरात की पहली सहकारी चीनी मिल के तौर पर शुरू हुई बारडोली शुगर का सालाना टर्नओवर करीब 600-800 करोड़ रुपए है और इसे एशिया की सबसे बड़ी सहकारी चीनी मिलों में से एक माना जाता है। सूरत ज़िला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष और बारडोली शुगर के निवर्तमान वाइस-चेयरमैन भावेश पटेल ने कहा कि नतीजों से सहकारी संस्थाओं में बढ़ती राजनीतिक दखलंदाज़ी का पता चलता है। उन्होंने कहा कि मैं पिछले दो कार्यकाल से बारडोली शुगर का वाइस-चेयरमैन रहा हूँ, और यह पहली बार है जब परिवर्तन पैनल के उम्मीदवार बहुमत से जीते हैं। सूरत ज़िले की सायन शुगर में बीजेपी की पकड़ कमज़ोर होने के शुरुआती संकेत मिले थे। बीजेपी समर्थित विकास पैनल 18 में से सिर्फ़ छह सीटें जीत पाया, जबकि परिवर्तन पैनल ने नौ सीटें जीतीं और तीन सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं। इस नतीजे के बाद 2 सितंबर को टकराव की स्थिति बन गई, जब बीजेपी नेताओं ने कथित तौर पर चेयरमैन और वाइस-चेयरमैन के पदों के लिए आदेश जारी करने की कोशिश की। चुने हुए सदस्यों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ये नियुक्तियां करना चुनी हुई संस्था का अधिकार है। कांग्रेस नेता और सायन कोऑपरेटिव के चुने हुए सदस्य दर्शन नाइक ने कहा कि बीजेपी ने पार्टी मैंडेट का सिस्टम लाकर कोऑपरेटिव चुनावों का राजनीतिकरण कर दिया है। नाइक ने कहा कि किसानों की भलाई के लिए समर्पित लोगों ने सामाजिक ज़िम्मेदारी के तौर पर सहकारी क्षेत्र की स्थापना की है। सहकारी संस्था बिना मुनाफ़े के मकसद से चलाई जाती है।

न पढ़ाई, न कमाई-केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों ने खोली शिक्षा और रोजगार के दावों की पोल

उत्तर भारत के राज्यों में स्थिति अधिक चिंताजनक, 250 जिलों में 25 प्रतिशत से अधिक युवा 'बेकाम'

नई दिल्ली। केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय ने देश के युवाओं को लेकर ऐसे आंकड़े जारी किए हैं, जो हैरान करने वाले हैं। मंत्रालय के सर्वे के मुताबिक, देश के लगभग 250 जिलों में 25 प्रतिशत से ज्यादा युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं और न ही कोई काम कर रहे हैं। यह आंकड़े मानव संसाधन के इस्तेमाल में कमी को दिखाते हैं। यह स्थिति उत्तर भारत में, खासकर बिहार, यूपी, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में चिंताजनक है। केंद्रीय सांख्यिकी मंत्रालय ने 2025 के पहले जिला-स्तरीय पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के आंकड़े जारी किए। इन राज्यों में लगभग दो-तिहाई जिलों में युवा आबादी का एक-चौथाई हिस्सा बेकाम (रोजगार, शिक्षा या ट्रेनिंग में नहीं) श्रेणी में आता है। मंत्रालय की रिपोर्ट में प्रमुख राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 600 जिलों को शामिल किया गया। कुछ मामलों में, इसने आस-पास के कुछ जिलों को मिलाकर एक ही इकाई माना। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में देश में बेकाम युवाओं की संख्या लगभग नौ करोड़ बताई गई है, जबकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन लोगों को सीधे तौर पर बेरोजगार नहीं कहा जा सकता। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम और तेलंगाना में लगभग आधे जिलों में, 25 प्रतिशत युवा आबादी बेकाम श्रेणी में आती है। लगभग 25 जिलों में बेकाम दर 10 प्रतिशत से कम है, जिनमें छत्तीसगढ़ में कबीरधाम, राजनांदगांव और उत्तर बस्तर कांकेर, हिमाचल प्रदेश में चंबा, केरल में एर्नाकुलम, और मध्य प्रदेश में मंडला शामिल हैं। ओडिशा के नबरंगपुर में बेकाम दर सबसे कम 4.1 प्रतिशत थी।

उत्तर भारत के कई जिलों में तस्वीर ज्यादा गंभीर

राज्यवार आंकड़ों में उत्तर भारत के कई राज्यों के जिलों में बेकाम युवाओं की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देती है। बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम बंगाल के कई जिलों में यह अनुपात चिंता का विषय है। यहां शिक्षा और रोजगार के बीच संक्रमण की कमजोर कड़ी युवाओं को लंबे समय तक श्रम बाजार से बाहर रख सकती है। इसके उलट कुछ जिलों में बेकाम युवाओं की दर 10 प्रतिशत से भी कम दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम, राजनांदगांव और उत्तर बस्तर कांकेर, हिमाचल प्रदेश के चंबा, केरल के एर्नाकुलम और मध्य प्रदेश के मंडला जैसे जिलों में यह दर अपेक्षाकृत कम रही। ओडिशा के नबरंगपुर में यह करीब 4.1 प्रतिशत दर्ज की गई।

महिलाओं के मामले में अंतर और बड़ा

आंकड़ों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू युवा महिलाओं की स्थिति है। सर्वे में शामिल जिलों में करीब तीन-चौथाई जिलों में युवा महिलाओं की बेकाम दर 20 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। यानी बड़ी संख्या में युवा महिलाएं न तो पढ़ाई कर रही हैं, न नौकरी में हैं और न ही प्रशिक्षण हासिल कर रही हैं। इस अंतर के पीछे घरेलू जिम्मेदारियां, बिना वेतन वाला घरेलू काम, देखभाल संबंधी जिम्मेदारियां और रोजगार के सीमित अवसर जैसे कारण महत्वपूर्ण हो सकते हैं। खासकर ग्रामीण और सामाजिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा पूरी करने के बाद महिलाओं का श्रम बाजार में प्रवेश आसान नहीं रहता।

बेकाम का मतलब सिर्फ बेरोजगारी नहीं

बेकाम आंकड़ों को सीधे बेरोजगारी का आंकड़ा मानना सही नहीं होगा। इनमें ऐसे युवा भी शामिल हो सकते हैं जो घरेलू काम कर रहे हैं, परिवार के सदस्यों की देखभाल कर रहे हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं या उपयुक्त रोजगार की तलाश छोड़ चुके हैं। यही वजह है कि बेकाम दर को युवाओं की आर्थिक भागीदारी के व्यापक संकेतक के रूप में देखा जाता है। यदि कोई युवा लंबे समय तक शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार-तीनों से बाहर रहता है, तो उसके कौशल विकास और भविष्य की आय क्षमता पर असर पड़ सकता है।

चुनौती सिर्फ नौकरी देने की नहीं

आंकड़े संकेत देते हैं कि युवाओं को रोजगार से जोडने के लिए केवल नई नौकरियां पैदा करना पर्याप्त नहीं होगा। शिक्षा से रोजगार तक पहुंचने की व्यवस्था, स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण, उद्योगों की जरूरत के अनुरूप ट्रेनिंग और महिलाओं के लिए रोजगार के अनुकूल माहौल भी जरूरी होंगे। विशेषकर उन जिलों में स्थानीय स्तर पर हस्तक्षेप की जरूरत अधिक है, जहां बेकाम युवाओं का अनुपात लगातार ऊंचा है। महिलाओं के मामले में सुरक्षित कार्यस्थल, रोजगार के स्थानीय अवसर, बाल देखभाल की सुविधाएं और घरेलू काम के बोझ को कम करने वाली व्यवस्थाएं भी उनकी श्रम भागीदारी बढ़ाने में भूमिका निभा सकती हैं।

एक आंकड़ा, कई सवाल

करीब 250 जिलों में 25 प्रतिशत से ज्यादा युवाओं का शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण से बाहर होना केवल बेरोजगारी का सवाल नहीं है। यह सवाल यह भी है कि स्कूल-कॉलेज से निकलने के बाद युवा किस रास्ते पर जा रहे हैं और किन कारणों से बड़ी संख्या में युवा औपचारिक शिक्षा तथा श्रम बाजार दोनों से बाहर हो रहे हैं। महिलाओं के मामले में यह चुनौती और जटिल हो जाती है, क्योंकि यहां रोजगार से दूरी के साथ घरेलू और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियां भी जुड़ी हुई हैं। इसलिए बेकाम के जिला स्तर के आंकड़े केवल बेरोजगारी की तस्वीर नहीं, बल्कि युवा आबादी को शिक्षा से रोजगार तक पहुंचाने की व्यवस्था में मौजूद अंतराल का संकेत भी देते हैं।

दार्जिलिंग की जादुई टॉय ट्रेन दुर्गा पूजा पर वापस, जानें किराया

नई दिल्ली। दुर्गा पूजा के विशेष मौके पर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) फिर पर्यटकों को पहाड़ों पर पुराने जमाने के जादुई सफर का आनंद लेने का मौका दे रहा है। अपनी मशहूर टॉय ट्रेन सेवाओं को वापस लाकर डीएचआर स्टीम और डीजल इंजन के साथ अनूठा अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। इस वापसी में टैगोर से प्रेरित मुक्ता धारा और प्रतिष्ठित रेड पांडा हेरिटेज माउंटेन सफर शामिल हैं, जो पर्यटकों को हिमालय की सुंदरता और विरासत से रूबरू कराएंगे। यह विशेष यात्रा पर्यटकों को दार्जिलिंग के घुमावदार पहाड़ी रास्तों, धुंध से ढकी पहाड़ियों और उस अनूठी विरासत के माहौल का अनुभव कराएगी, जिसने दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध किया है। नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि के रूप में, मुक्ता धारा नामक एक नई विशेष यात्रा शुरू की जा रही है। यह कुर्सियोंग और महानदी को जोड़ेगी और पगलाझोरा नदी की प्राकृतिक सुंदरता के साथ टैगोर की कविताओं से प्रेरित होकर साहित्य, परिदृश्य और रेलवे विरासत का एक अनूठा संगम प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा, दार्जिलिंग की मशहूर स्टीम इंजन रेड पांडा जॉयराइड के साथ फिर से पटरी पर लौट रही है। कर्सियांग-महानदी के बीच यह राउंड ट्रिप सैलानियों को ऐतिहासिक हिमालयन रेलवे रूट के सबसे खूबसूरत नजारों में से एक से गुजरते हुए भाप इंजन वाली यात्रा का आनंद लेने का मौका देगी। त्यौहारों के इस अनूठे अनुभव को और खास बनाने के लिए, डीएचआर 1 अक्टूबर से अतिरिक्त खास सेवाएं भी शुरू कर रहा है। पर्यटक दार्जिलिंग-घूम और कर्सियांग-महानदी के बीच पहाड़ी इलाकों में जॉयराइड का आनंद ले सकते है। ये खास राइड्स सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह जाने का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये दार्जिलिंग की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक इतिहास के बीच एक धीमी और सुकून भरी यात्रा का वादा करती हैं। डीजल और स्टीम इंजन के विकल्पों के साथ, पर्यटक अपनी पसंद के अनुसार हेरिटेज ऑप्शन चुन सकते हैं, जिनका किराया 800 से लेकर 1,530 रुपये प्रति यात्री के बीच रखा गया है।

मेडिकल एडमिशन फर्जीवाड़ा-डीएम को एक हफ्ते में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

देहरादून। उत्तराखंड के मेडिकल शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए कथित रूप से जाली स्थायी निवास और स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाण-पत्रों के इस्तेमाल की जिला-स्तर पर जांच के आदेश दे दिए है। उन्होंने देहरादून के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है, क्योंकि मेडिकल प्रवेश और काउंसलिंग प्रक्रिया अभी हो रही है। यह कदम प्रदीप बहुगुणा की शिकायत के बाद उठाया गया है, जिन्होंने मंत्री उनियाल से मुलाकात कर करीब 350 संदिग्ध उम्मीदवारों की सूची सौंपी थी, जिनके दस्तावेजों की जांच की आवश्यकता है। बहुगुणा ने कहा कि उनका दावा यह नहीं है कि सभी प्रमाण पत्र नकली हैं, लेकिन उपलब्ध रिकॉर्ड और प्रवेश संबंधी जानकारी से इतनी शंका उत्पन्न होती है कि एक आधिकारिक जांच ज़रूरी है। मंत्री उनियाल ने बताया कि धामी सरकार मामले को गंभीरता से ले रही है और जांच जल्द से जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने से पहले संदिग्ध मामलों की स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में कुछ प्रमाण पत्र फर्जी मिले हैं, और स्थायी निवास प्रमाण पत्रों के बारे में भी शिकायतें मिली हैं। उनका मानना है कि अगर किसी बाहरी व्यक्ति को धोखाधड़ी से स्थायी निवास या स्वतंत्रता सेनानी आश्रित प्रमाण पत्र जारी किया गया है, तब यह एक गंभीर अपराध होगा।

फल विक्रेताओं के विवाद में खूनी हमला

ग्राहकों को लेकर हो रही कहासुनी, समझाने पहुंचे समीम खान के सिर पर कत्ता से वार

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। नगर के स्थानीय बस स्टैंड में फल विक्रेताओं के बीच ग्राहकों को लेकर चल रहा विवाद गुरुवार दोपहर खूनी घटना में बदल गया। ग्राहकों को लेकर दो फल विक्रेताओं के बीच हो रही कहासुनी को शांत कराने पहुंचे समीम खान पिता अकील खान 52 वर्ष वार्ड नंबर 1 गौरीशंकरनगर निवासी के सिर पर कत्ता से वार कर दिया गया। हमले में समीम खान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में उपचार के बाद सीटी स्कैन रिपोर्ट सामने आने पर चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समीम खान बालाघाट के स्थानीय बस स्टैंड में फल की दुकान लगाते हैं। उनके बेटे शहजिम खान की भी बस स्टैंड में फल की दुकान है। शहजिम खान की दुकान के पास ही धर्मेंद्र की फल की दुकान संचालित होती है। दोनों फल दुकानदारों के बीच ग्राहकों को लेकर विवाद चल रहा था।गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे शहजिम खान और धर्मेंद्र के बीच ग्राहकों को लेकर कहासुनी होने लगी।विवाद की जानकारी मिलने पर समीम खान मौके पर पहुंचे और दोनों को समझाने लगे। इसी दौरान धर्मेंद्र की पत्नी भी वहां पहुंच गई।बताया गया है कि इसी समझाइश के दौरान धर्मेंद्र का बेटा हर्षित भी मौके पर पहुंच गया।आरोप है कि हर्षित ने अचानक कत्ता निकालकर समीम खान के सिर के पीछे वार कर दिया। अचानक हुए हमले से समीम खान घायल हो गए। हर्षित ने दोबारा कत्ता चलाने का प्रयास किया लेकिन समीम खान ने कत्ते के वार से खुद को बचा लिया। इसके बाद आरोपी हर्षित समीम खान को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया।सिर में कत्ता लगने से घायल समीम खान घटना के बाद कोतवाली थाने पहुंचे और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने घायल समीम खान को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया गया।उपचार के दौरान सीटी स्कैन कराया गया। सीटी स्कैन रिपोर्ट आने के बाद चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया।कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी हर्षित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) एवं 118(1) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। प्रकरण की विवेचना की जा रही है। वहीं घटना के बाद से फरार आरोपी हर्षित की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बस स्टैंड जैसे व्यस्त क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्राहकों को लेकर शुरू हुआ विवाद इस हद तक पहुंच गया कि समझाने पहुंचे व्यक्ति पर ही कत्ता से हमला कर दिया गया। पुलिस अब घटना से जुड़े पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

जंगली सूअर ने कृषक पर किया हमला

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हरदौली में शुक्रवार सुबह खेत में सिंचाई कर रहे 60 वर्षीय कृषक पर अचानक जंगली सूअर ने हमला कर दिया। गन्ने के खेत से निकले जंगली सूअर ने कृषक के दोनों हाथों को अपने जबड़े में दबोच लिया और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। कृषक की चीख-पुकार सुनकर खेत पड़ोसी सहित आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और जंगली सूअर को भगाया। घायल कृषक सूरज पिता सोमाजी गोपाले 60 वर्ष का जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम हरदौली निवासी सूरज गोपाले अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते हैं। इस वर्ष उन्होंने अपने खेत में धान के साथ गन्ने की फसल भी लगाई है। 18 सितंबर शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे सूरज अपने खेत पड़ोसी ब्रिज के साथ खेत पहुंचे थे। सूरज खेत में लगी मोटर पंप की मदद से फसल की सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान गन्ने के खेत में छिपा बैठा जंगली सूअर अचानक बाहर निकला और सूरज पर हमला कर दिया।अचानक हुए हमले से सूरज कुछ समझ पाते इससे पहले ही जंगली सूअर ने उनके दोनों हाथों को अपने जबड़े में दबोच लिया। इसके बाद उसने शरीर के अन्य हिस्सों पर भी हमला कर दिया। जिससे कृषक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूरज की चीख सुनकर खेत पड़ोसी ब्रिज और आसपास मौजूद अन्य लोग तत्काल घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों के पहुंचने पर जंगली सूअर वहां से भाग गया। जिससे कृषक की जान बच सकी।घायल सूरज को उनके खेत पड़ोसी ब्रिज तत्काल मोटरसाइकिल से बम्हनी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कटंगी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में सूरज का उपचार जारी है।

गन्ने के खेतों में छिपे रहते हैं जंगली जानवर

गन्ने की फसल के बीच जंगली जानवरों के छिपे रहने से खेतों में काम करने वाले किसानों के सामने लगातार खतरा बना रहता है।इस घटना के बाद ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने तथा किसानों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

कियोस्क बैंक जाने निकली महिला रहस्यमय ढंग से लापता

पति की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट/किरनापुर। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बोडुंदाकला से ग्राम खारा स्थित कियोस्क बैंक जाने के लिए निकली 36 वर्षीय महिला रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। महिला के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश रिश्तेदारी सहित संभावित स्थानों पर की, लेकिन कहीं पता नहीं चल सका। मामले में किरनापुर पुलिस ने महिला के पति की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण कर उसे कहीं बंदी बनाकर छुपाकर रखने के आरोप में अपराध दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोडुंदाकला निवासी चिमनलाल सोनवाने खेती-किसानी के साथ मजदूरी करते हैं।

उनके परिवार में पत्नी भागवंता सोनवाने तथा दो लड़के हैं। बताया गया है कि 16 सितंबर को सुबह करीब 8=30 बजे चिमनलाल अपनी धान की फसल में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए खेत चले गए थे। उस समय घर में उनकी पत्नी भागवंता और उनका बेटा दर्पण मौजूद था।करीब दोपहर 12 बजे चिमनलाल खेत से घर वापस आए तो उनका छोटा बेटा दर्पण घर में था। चिमनलाल ने बेटे से पत्नी के बारे में पूछा कि उसकी मां कहां है। इस पर दर्पण ने बताया कि मम्मी सुबह करीब 9 बजे ग्राम खारा स्थित कियोस्क बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली हैं।पत्नी के वापस नहीं लौटने की जानकारी मिलने के बाद चिमनलाल दोबारा खेत में धान की फसल में दवाई का छिड़काव करने चले गए। शाम करीब 5 बजे जब वे वापस घर पहुंचे तो उनके दोनों बेटे अर्पण और दर्पण घर पर मौजूद थे। लेकिन पत्नी भागवंता घर पर नहीं थी। जब उन्होंने दोनों बेटों से पूछा तो उन्होंने बताया कि मम्मी अभी तक वापस नहीं आई हैं।इसके बाद चिमनलाल ने दोनों बेटों के साथ भागवंता की तलाश शुरू की। ग्राम खारा के अलावा रिश्तेदारी वाले गांवों तथा अन्य संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की गई, लेकिन भागवंता का कहीं पता नहीं चला।अगले दिन 17 सितंबर को दोपहर में चिमनलाल सोनवाने किरनापुर थाना पहुंचे और पत्नी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए किरनापुर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा भागवंता का अपहरण कर उसे कहीं बंदी बनाकर अज्ञात स्थान पर छुपाकर रखने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा लापता महिला भागवंता सोनवाने की तलाश की जा रही है। पुलिस ने जिलेवासियों से भी महिला की तलाश में सहयोग की अपेक्षा की है। महिला के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी मिलने पर पुलिस को तत्काल सूचना देने की अपील की गई है।

किरनापुर में फिर साइबर फ्रॉड- खाते से उड़ाए 81588 रुपए

फोनपे से 10 हजार का ट्रांजैक्शन करने के बाद मोबाइल हुआ हैंग, अगले दिन खाते से गायब मिली बड़ी रकम

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र में एक बार फिर साइबर अपराध का मामला सामने आया है। अज्ञात साइबर ठग ने यूपीआई के माध्यम से एक व्यक्ति के बैंक खाते से 81 हजार 588 रुपए की राशि निकाल ली। कुछ दिन पूर्व भी किरनापुर थाना क्षेत्र में तीन से अधिक लोगों के साथ इसी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले सामने आ चुके हैं। लगातार हो रही साइबर ठगी की घटनाओं ने ऑनलाइन लेनदेन करने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है।इस मामले में ग्राम कौन्द्रीकला निवासी सुरेश कुमार पिता प्रहलाद टांडेकर 35 वर्ष की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सुरेश कुमार टांडेकर की ग्राम कौन्द्रीकला में चप्पल जूते की दुकान है। उनका बैंक खाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र की किरनापुर शाखा में है और इसी बैंक खाते से उनका मोबाइल नंबर भी लिंक है। सुरेश कुमार ने 15 सितंबर 2026 को फोनपे के माध्यम से अपने दोस्त योगेश अनमोले के फोनपे नंबर पर 10 हजार रुपए का ट्रांजैक्शन किया था। बताया गया है कि इसके बाद उनका मोबाइल हैंग होने लगा। सुरेश कुमार ने मोबाइल को चालू हालत में ही रखा।अगले दिन 16 सितंबर को सुबह करीब 7 बजे सुरेश कुमार ने अपने मोबाइल से फोनपे का बैलेंस चेक किया। बैलेंस चेक करने पर उन्हें पता चला कि यूपीआई के माध्यम से उनके खाते से 81 हजार 588 रुपए का ट्रांजेक्शन हो चुका है। खाते से इतनी बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलते ही उनके होश उड़ गए।सुरेश कुमार ने बिना देरी किए साइबर क्राइम की हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा यूपीआई के माध्यम से साइबर अपराध कर 81 हजार 588 रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

लगातार सामने आ रहे साइबर फ्रॉड के मामले

गौरतलब है कि किरनापुर थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में साइबर फ्रॉड के एक से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। तीन से अधिक लोगों के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाएं होने की जानकारी सामने आई है।ऐसे में एक बार फिर यूपीआई के माध्यम से 81 हजार 588 रुपए की राशि खाते से निकल जाने का मामला सामने आने से साइबर अपराध को लेकर लोगों में चिंता बढ़ी है।

साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर पुलिस चला रही जागरूकता अभियान

बालाघाट पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के साथ-साथ गांव-गांव चौपाल लगाकर लोगों को साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। पुलिस द्वारा लोगों को ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सावधानी बरतने तथा किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंकिंग एवं यूपीआई संबंधी जानकारी साझा नहीं करने की समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद साइबर अपराध का यह मामला सामने आया है। पुलिस अब खाते से निकाली गई राशि और यूपीआई ट्रांजैक्शन से जुड़े अज्ञात आरोपी की जानकारी जुटाने में लगी है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से महिला की मौत

घटना के बाद ट्रैक्टर चालक फरार, रामपायली पुलिस ने जांच शुरू की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम बघोली से कौलीवाड़ा मार्ग के बीच शनिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में करीब ५० वर्षीय महिला की गिट्टी के ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रामपायली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस के द्वारा फरार ट्रैक्टर एवं उसके चालक की तलाश की जा रही है।

भतीजे के साथ नागपुर बस बैठने आ रही थी महिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका पुस्तकला पिता फत्थूलाल तामेश्वर निवासी ग्राम अंसेरा अपने पिता एवं भाई के साथ रहकर जीवन यापन करती थी। शनिवार को उसे किसी कार्य से नागपुर महाराष्ट्र जाना था। इसी के चलते वह अपने भाई के पुत्र कुलदीप तामेश्वर के साथ मोटरसाइकिल से नागपुर जाने के लिए बस पकड़ने रामपायली की ओर आ रही थी। इसी दौरान बघोली कौलीवाड़ा मार्ग पर उनकी मोटरसाइकिल के आगे गिट्टी से भरा एक ट्रैक्टर चल रहा था। बताया गया कि कुलदीप ने ट्रैक्टर को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर के सामने की ओर फि सल गई। हादसे में मोटरसाइकिल चालक कुलदीप सड़क किनारे जा गिरा जबकि पीछे बैठी पुस्तकला तामेश्वर ट्रैक्टर के सामने गिर गई। महिला के ट्रैक्टर के सामने गिरने के बाद ट्रैक्टर भी तत्काल नियंत्रित नहीं हो सका और वह महिला चपेट में आ गई। गंभीर हादसे में पुस्तकला तामेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से फ रार हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों के द्वारा तत्काल रामपायली पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण कर हादसे की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्यवाही के बाद मृतिका के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली के पोस्टमार्टम गृह पहुंचाया। पोस्टमार्टम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की विवेचना शुरू कर दी है। वहीं फरार ट्रैक्टर एवं चालक की तलाश के साथ हादसे के वास्तविक कारणों की भी जांच की जा रही है।

इनका कहना हैं

घटना की जानकारी मिलते ही हम मौके पर पहुंचे जहां मृतिका की पहचान पुस्तकला पिता फत्थूलाल तामेश्वर उम्र ५० वर्ष निवासी अंसेरा के रूप में हुई। वह अपने पिता के साथ रहती थी ट्रैक्टर से यह दुर्घटना हुई है अभी ट्रैक्टर और ट्रैक्टर चालक अज्ञात है। घटना किस प्रकार हुई यह भी अज्ञात है मामले में मर्ग जांच की जा रही है।

मोहर भगत
सहायक उपनिरीक्षक थाना रामपायली

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट